Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

ISA

यशायाह 1:1, यशायाह 1:1 (#2), यशायाह 1:1 (#3), यशायाह 1:2, यशायाह 1:2 (#2), यशायाह 1:2 (#3), यशायाह 1:4, यशायाह 1:4 (#2), यशायाह 1:7, यशायाह 1:9, यशायाह 1:11, यशायाह 1:14, यशायाह 1:15, यशायाह 1:16–17, यशायाह 1:19, यशायाह 1:20, यशायाह 1:21, यशायाह 1:21 (#2), यशायाह 1:24, यशायाह 1:29, यशायाह 1:31, यशायाह 2:1, यशायाह 2:2, यशायाह 2:2 (#2), यशायाह 2:3, यशायाह 2:4, यशायाह 2:4 (#2), यशायाह 2:5, यशायाह 2:6, यशायाह 2:6 (#2), यशायाह 2:10, यशायाह 2:11, यशायाह 2:11 (#2), यशायाह 2:18, यशायाह 2:19, यशायाह 2:22, यशायाह 3:1, यशायाह 3:4, यशायाह 3:5, यशायाह 3:8, यशायाह 3:9, यशायाह 3:10, यशायाह 3:11, यशायाह 3:12, यशायाह 3:14, यशायाह 3:17, यशायाह 3:25, यशायाह 4:1, यशायाह 4:3, यशायाह 4:4, यशायाह 4:5, यशायाह 5:1, यशायाह 5:1 (#2), यशायाह 5:2, यशायाह 5:2 (#2), यशायाह 5:3, यशायाह 5:5–6, यशायाह 5:7, यशायाह 5:7 (#2), यशायाह 5:7 (#3), यशायाह 5:9, यशायाह 5:13, यशायाह 5:16, यशायाह 5:16 (#2), यशायाह 5:24, यशायाह 5:26, यशायाह 5:26 (#2), यशायाह 6:1, यशायाह 6:2, यशायाह 6:4, यशायाह 6:5, यशायाह 6:7, यशायाह 6:8, यशायाह 6:8 (#2), यशायाह 6:9, यशायाह 6:11–12, यशायाह 7:1, यशायाह 7:1 (#2), यशायाह 7:2, यशायाह 7:3, यशायाह 7:3–4, यशायाह 7:5–6, यशायाह 7:8, यशायाह 7:9, यशायाह 7:12, यशायाह 7:13, यशायाह 7:17, यशायाह 7:20, यशायाह 7:23–25, यशायाह 8:1, यशायाह 8:2, यशायाह 8:3–4, यशायाह 8:12, यशायाह 8:13, यशायाह 8:14, यशायाह 8:16–18, यशायाह 8:19, यशायाह 8:19 (#2), यशायाह 8:20, यशायाह 8:21, यशायाह 8:22, यशायाह 9:1, यशायाह 9:1 (#2), यशायाह 9:1 (#3), यशायाह 9:2, यशायाह 9:6, यशायाह 9:7, यशायाह 9:7 (#2), यशायाह 9:9–10, यशायाह 9:11–12, यशायाह 9:12, यशायाह 9:13, यशायाह 9:15, यशायाह 9:17, यशायाह 9:17 (#2), यशायाह 9:19, यशायाह 9:21, यशायाह 9:21 (#2), यशायाह 10:5, यशायाह 10:6, यशायाह 10:7, यशायाह 10:12, यशायाह 10:13, यशायाह 10:16, यशायाह 10:18, यशायाह 10:20, यशायाह 10:24–25, यशायाह 10:27, यशायाह 11:1, यशायाह 11:2, यशायाह 11:2 (#2), यशायाह 11:4, यशायाह 11:4 (#2), यशायाह 11:9, यशायाह 11:9 (#2), यशायाह 11:11, यशायाह 11:13, यशायाह 11:13 (#2), यशायाह 11:14, यशायाह 11:15, यशायाह 11:15 (#2), यशायाह 12:1, यशायाह 12:1–2, यशायाह 12:5, यशायाह 13:1, यशायाह 13:3, यशायाह 13:5, यशायाह 13:5 (#2), यशायाह 13:7–8, यशायाह 13:9–10, यशायाह 13:12, यशायाह 13:17, यशायाह 13:19–20, यशायाह 13:21, यशायाह 13:22, यशायाह 14:1, यशायाह 14:1 (#2), यशायाह 14:2, यशायाह 14:2 (#2), यशायाह 14:3–4, यशायाह 14:4, यशायाह 14:6, यशायाह 14:10–11, यशायाह 14:12, यशायाह 14:13–14, यशायाह 14:20, यशायाह 14:22, यशायाह 14:25, यशायाह 14:29–30, यशायाह 14:32, यशायाह 14:32 (#2), यशायाह 15:1, यशायाह 15:1 (#2), यशायाह 15:5, यशायाह 15:9, यशायाह 15:9 (#2), यशायाह 16:1, यशायाह 16:2, यशायाह 16:3–4, यशायाह 16:5, यशायाह 16:12, यशायाह 16:14, यशायाह 16:14 (#2), यशायाह 17:1, यशायाह 17:3, यशायाह 17:4, यशायाह 17:7, यशायाह 17:9, यशायाह 17:13, यशायाह 17:14, यशायाह 18:1, यशायाह 18:2, यशायाह 18:3, यशायाह 18:5, यशायाह 18:6–7, यशायाह 19:1, यशायाह 19:1–2, यशायाह 19:2, यशायाह 19:4, यशायाह 19:5, यशायाह 19:10, यशायाह 19:11, यशायाह 19:14, यशायाह 19:16, यशायाह 19:18, यशायाह 19:19, यशायाह 19:23, यशायाह 19:24, यशायाह 20:1, यशायाह 20:1 (#2), यशायाह 20:2, यशायाह 20:3–4, यशायाह 20:5–6, यशायाह 21:2, यशायाह 21:2 (#2), यशायाह 21:3–4, यशायाह 21:6, यशायाह 21:7, यशायाह 21:9, यशायाह 21:13, यशायाह 21:14, यशायाह 21:14 (#2), यशायाह 21:16–17, यशायाह 22:1, यशायाह 22:1 (#2), यशायाह 22:2, यशायाह 22:2 (#2), यशायाह 22:3, यशायाह 22:4, यशायाह 22:6, यशायाह 22:7, यशायाह 22:8, यशायाह 22:12, यशायाह 22:12–13, यशायाह 22:14, यशायाह 22:15–16, यशायाह 22:17–19, यशायाह 22:20–21, यशायाह 22:25, यशायाह 23:1, यशायाह 23:1 (#2), यशायाह 23:3, यशायाह 23:5, यशायाह 23:8–9, यशायाह 23:9, यशायाह 23:15, यशायाह 23:17, यशायाह 23:18, यशायाह 23:18 (#2), यशायाह 24:1, यशायाह 24:5, यशायाह 24:6, यशायाह 24:13, यशायाह 24:14, यशायाह 24:16, यशायाह 24:21, यशायाह 24:22, यशायाह 24:23, यशायाह 25:1, यशायाह 25:2, यशायाह 25:3, यशायाह 25:6–7, यशायाह 25:8, यशायाह 25:9, यशायाह 25:10, यशायाह 26:1, यशायाह 26:1 (#2), यशायाह 26:2, यशायाह 26:4, यशायाह 26:5–6, यशायाह 26:8, यशायाह 26:9, यशायाह 26:10, यशायाह 26:12, यशायाह 26:13–14, यशायाह 26:16, यशायाह 26:19, यशायाह 26:20, यशायाह 26:21, यशायाह 27:1, यशायाह 27:2–3, यशायाह 27:4–5, यशायाह 27:6, यशायाह 27:9, यशायाह 27:11, यशायाह 27:12, यशायाह 27:13, यशायाह 28:1, यशायाह 28:1 (#2), यशायाह 28:2, यशायाह 28:2 (#2), यशायाह 28:4, यशायाह 28:5–6, यशायाह 28:7, यशायाह 28:7 (#2), यशायाह 28:11, यशायाह 28:12, यशायाह 28:13, यशायाह 28:15, यशायाह 28:16, यशायाह 28:16 (#2), यशायाह 28:17, यशायाह 28:18, यशायाह 28:22, यशायाह 29:1, यशायाह 29:3–4, यशायाह 29:5, यशायाह 29:7, यशायाह 29:10, यशायाह 29:10 (#2), यशायाह 29:13, यशायाह 29:14, यशायाह 29:17, यशायाह 29:18, यशायाह 29:19, यशायाह 29:20, यशायाह 29:23, यशायाह 29:24, यशायाह

30:1, यशायाह 30:2, यशायाह 30:3, यशायाह 30:7, यशायाह 30:8, यशायाह 30:9, यशायाह 30:10, यशायाह 30:15, यशायाह 30:16, यशायाह 30:16 (#2), यशायाह 30:17, यशायाह 30:18, यशायाह 30:18 (#2), यशायाह 30:20, यशायाह 30:22, यशायाह 30:26, यशायाह 30:30, यशायाह 30:31, यशायाह 30:32, यशायाह 30:33, यशायाह 30:33 (#2), यशायाह 31:1, यशायाह 31:2, यशायाह 31:3, यशायाह 31:5, यशायाह 31:6, यशायाह 31:8, यशायाह 32:2, यशायाह 32:4, यशायाह 32:6, यशायाह 32:7, यशायाह 32:8, यशायाह 32:9–10, यशायाह 32:14, यशायाह 32:15, यशायाह 32:17, यशायाह 32:20, यशायाह 33:1, यशायाह 33:3, यशायाह 33:5, यशायाह 33:6, यशायाह 33:8, यशायाह 33:10, यशायाह 33:11–12, यशायाह 33:14, यशायाह 33:15, यशायाह 33:15–16, यशायाह 33:22, यशायाह 33:23, यशायाह 34:1, यशायाह 34:2, यशायाह 34:2 (#2), यशायाह 34:4, यशायाह 34:5, यशायाह 34:6, यशायाह 34:9–10, यशायाह 34:11, यशायाह 34:17, यशायाह 35:1, यशायाह 35:2, यशायाह 35:2 (#2), यशायाह 35:4, यशायाह 35:5–7, यशायाह 35:8, यशायाह 35:8–9, यशायाह 35:10, यशायाह 36:1, यशायाह 36:2, यशायाह 36:2 (#2), यशायाह 36:3, यशायाह 36:6, यशायाह 36:8, यशायाह 36:10, यशायाह 36:11–12, यशायाह 36:13, यशायाह 36:13–15, यशायाह 36:16–17, यशायाह 36:21, यशायाह 36:22, यशायाह 37:1–2, यशायाह 37:4, यशायाह 37:6–7, यशायाह 37:10, यशायाह 37:14–15, यशायाह 37:17, यशायाह 37:20, यशायाह 37:20 (#2), यशायाह 37:21, यशायाह 37:23, यशायाह 37:26, यशायाह 37:28, यशायाह 37:29, यशायाह 37:33–34, यशायाह 37:35, यशायाह 37:36, यशायाह 37:38, यशायाह 38:1, यशायाह 38:1 (#2), यशायाह 38:3, यशायाह 38:5–6, यशायाह 38:8, यशायाह 38:10, यशायाह 38:11, यशायाह 38:16–17, यशायाह 38:17, यशायाह 38:20, यशायाह 38:21, यशायाह 39:1, यशायाह 39:2, यशायाह 39:3–4, यशायाह 39:5–6, यशायाह 39:8, यशायाह 40:2, यशायाह 40:3, यशायाह 40:4, यशायाह 40:5, यशायाह 40:8, यशायाह 40:9, यशायाह 40:10, यशायाह 40:10 (#2), यशायाह 40:15, यशायाह 40:22, यशायाह 40:23, यशायाह 40:26, यशायाह 40:28, यशायाह 40:29, यशायाह 40:31, यशायाह 41:1, यशायाह 41:4, यशायाह 41:5–7, यशायाह 41:8–9, यशायाह 41:9, यशायाह 41:10, यशायाह 41:10 (#2), यशायाह 41:11, यशायाह 41:16, यशायाह 41:17–18, यशायाह 41:21, यशायाह 41:22, यशायाह 41:24, यशायाह 41:25–26, यशायाह 41:27, यशायाह 41:28–29, यशायाह 42:1, यशायाह 42:1 (#2), यशायाह 42:3, यशायाह 42:5, यशायाह 42:7, यशायाह 42:8, यशायाह 42:8–9, यशायाह 42:9, यशायाह 42:13, यशायाह 42:16, यशायाह 42:17, यशायाह 42:18, यशायाह 42:20, यशायाह 42:22, यशायाह 42:24, यशायाह 42:24 (#2), यशायाह 42:25, यशायाह 43:1, यशायाह 43:2, यशायाह 43:3, यशायाह 43:5, यशायाह 43:10, यशायाह 43:10–11, यशायाह 43:13, यशायाह 43:14, यशायाह 43:16–17, यशायाह 43:19, यशायाह 43:22–23, यशायाह 43:24, यशायाह 43:25, यशायाह 43:27–28, यशायाह 44:3, यशायाह 44:7, यशायाह 44:9, यशायाह 44:11, यशायाह 44:14, यशायाह 44:15–16, यशायाह 44:19, यशायाह 44:21–22, यशायाह 44:23, यशायाह 44:25, यशायाह 44:26, यशायाह 44:26 (#2), यशायाह 44:28, यशायाह 45:1, यशायाह 45:1 (#2), यशायाह 45:3, यशायाह 45:4, यशायाह 45:4–5, यशायाह 45:5–6, यशायाह 45:7, यशायाह 45:8, यशायाह 45:9, यशायाह 45:13, यशायाह 45:14, यशायाह 45:16, यशायाह 45:17, यशायाह 45:18, यशायाह 45:18 (#2), यशायाह 45:20, यशायाह 45:21–22, यशायाह 45:23, यशायाह 45:24, यशायाह 45:25, यशायाह 46:1, यशायाह 46:1 (#2), यशायाह 46:3, यशायाह 46:3–4, यशायाह 46:6, यशायाह 46:7, यशायाह 46:9, यशायाह 46:10, यशायाह 46:12–13, यशायाह 47:1, यशायाह 47:5, यशायाह 47:6, यशायाह 47:9, यशायाह 47:10, यशायाह 47:11, यशायाह 47:14, यशायाह 47:15, यशायाह 48:1, यशायाह 48:1 (#2), यशायाह 48:3–4, यशायाह 48:5, यशायाह 48:9, यशायाह 48:10, यशायाह 48:14–15, यशायाह 48:18, यशायाह 48:20, यशायाह 48:22, यशायाह 49:1–2, यशायाह 49:3, यशायाह 49:4, यशायाह 49:5, यशायाह 49:6, यशायाह 49:6 (#2), यशायाह 49:7, यशायाह 49:8, यशायाह 49:8 (#2), यशायाह 49:10, यशायाह 49:13, यशायाह 49:14–15, यशायाह 49:16–18, यशायाह 49:20, यशायाह 49:21, यशायाह 49:22, यशायाह 49:24–25, यशायाह 49:26, यशायाह 49:26 (#2), यशायाह 50:1, यशायाह 50:2–3, यशायाह 50:4, यशायाह 50:4 (#2), यशायाह 50:5–6, यशायाह 50:7, यशायाह 50:9, यशायाह 50:10, यशायाह 50:11, यशायाह 51:1, यशायाह 51:2, यशायाह 51:6, यशायाह 51:6 (#2), यशायाह 51:7, यशायाह 51:9–10, यशायाह 51:11, यशायाह 51:14, यशायाह 51:17, यशायाह 51:18, यशायाह 51:23, यशायाह 52:1, यशायाह 52:4, यशायाह 52:5–6, यशायाह 52:8, यशायाह 52:9–10, यशायाह 52:11, यशायाह 52:12, यशायाह 52:13, यशायाह 52:14, यशायाह 52:15, यशायाह 53:2, यशायाह 53:2 (#2), यशायाह 53:3, यशायाह 53:4, यशायाह 53:5, यशायाह 53:5 (#2), यशायाह 53:6, यशायाह 53:8, यशायाह 53:8 (#2), यशायाह 53:9, यशायाह 53:10, यशायाह 53:12, यशायाह 54:1, यशायाह 54:3, यशायाह 54:5, यशायाह 54:7, यशायाह 54:7 (#2), यशायाह 54:9, यशायाह 54:10, यशायाह 54:14, यशायाह 54:15, यशायाह 54:17, यशायाह 55:1, यशायाह 55:2, यशायाह 55:3–4, यशायाह 55:5, यशायाह 55:6, यशायाह 55:7, यशायाह 55:7 (#2), यशायाह 55:8–9, यशायाह 55:11, यशायाह 55:12–13, यशायाह 56:1–2, यशायाह 56:3, यशायाह 56:4–5, यशायाह 56:6–7, यशायाह 56:10, यशायाह 56:11, यशायाह 57:1–2, यशायाह 57:3–4, यशायाह 57:5, यशायाह 57:6, यशायाह 57:8, यशायाह 57:13, यशायाह 57:13 (#2), यशायाह 57:13 (#3), यशायाह 57:15, यशायाह 57:16, यशायाह 57:17, यशायाह 57:18–19, यशायाह 57:21, यशायाह 58:1, यशायाह 58:2, यशायाह 58:3, यशायाह 58:3 (#2), यशायाह 58:4, यशायाह 58:6–7, यशायाह 58:9–10, यशायाह 59:1, यशायाह 59:2, यशायाह 59:3–4, यशायाह 59:8, यशायाह 59:15, यशायाह 59:15 (#2), यशायाह 59:16, यशायाह 59:17–18, यशायाह 59:19, यशायाह 59:20, यशायाह 59:21, यशायाह 60:2, यशायाह 60:3,

यशायाह 60:5, यशायाह 60:9, यशायाह 60:10, यशायाह 60:11, यशायाह 60:12, यशायाह 60:15, यशायाह 60:18, यशायाह 60:19–20, यशायाह 60:21, यशायाह 60:22, यशायाह 61:1, यशायाह 61:1 (#2), यशायाह 61:1 (#3), यशायाह 61:5, यशायाह 61:6, यशायाह 61:8, यशायाह 61:10, यशायाह 61:11, यशायाह 62:1, यशायाह 62:4, यशायाह 62:4 (#2), यशायाह 62:6–7, यशायाह 62:8, यशायाह 62:11, यशायाह 63:1, यशायाह 63:1 (#2), यशायाह 63:1 (#3), यशायाह 63:4, यशायाह 63:5, यशायाह 63:6, यशायाह 63:7, यशायाह 63:9, यशायाह 63:9 (#2), यशायाह 63:10, यशायाह 63:16, यशायाह 63:17, यशायाह 64:2, यशायाह 64:4, यशायाह 64:6, यशायाह 64:7, यशायाह 64:8, यशायाह 64:10, यशायाह 64:12, यशायाह 65:1, यशायाह 65:2, यशायाह 65:3–4, यशायाह 65:6–7, यशायाह 65:9, यशायाह 65:12, यशायाह 65:13–14, यशायाह 65:17, यशायाह 65:18, यशायाह 65:21, यशायाह 65:22, यशायाह 65:24, यशायाह 65:25, यशायाह 66:2, यशायाह 66:2 (#2), यशायाह 66:3, यशायाह 66:5, यशायाह 66:6, यशायाह 66:10–11, यशायाह 66:12, यशायाह 66:16, यशायाह 66:18–19, यशायाह 66:20, यशायाह 66:23, यशायाह 66:24

यशायाह 1:1

यशायाह कौन थे?

यशायाह आमोस के पुत्र थे।

यशायाह 1:1 (#2)

यशायाह का दर्शन किस विषय में था?

यशायाह का दर्शन यहूदा और यरूशलेम के विषय में था।

यशायाह 1:1 (#3)

यशायाह ने अपना दर्शन कब पाया?

यशायाह ने अपना दर्शन उज्जियाह, योताम, आहाज, और हिजकिय्याह नामक यहूदा के राजाओं के दिनों में पाया।

यशायाह 1:2

स्वर्ग को सुनना और पृथ्वी को कान लगाना क्यों चाहिए?

स्वर्ग को सुनना और पृथ्वी को कान लगाना चाहिए क्योंकि यहोवा ने कहा हैं।

यशायाह 1:2 (#2)

यहोवा ने क्या किया है?

उन्होंने बाल-बच्चों का पालन-पोषण किया, और उनको बढ़ाया हैं

यशायाह 1:2 (#3)

यहोवा के बाल-बच्चों ने क्या किया है?

उन्होंने यहोवा से बलवा किया है।

यशायाह 1:4

जाति का वर्णन कैसे किया गया है?

उन्हें पाप से भरी, अधर्म से लदा हुआ समाज, कुकर्मी वंश और बिगड़े हुए बाल-बच्चे के रूप में वर्णित किया गया है।

यशायाह 1:4 (#2)

जाति ने क्या किया है?

उन्होंने यहोवा को छोड़ दिया, इस्राएल के पवित्र को तुच्छ जाना और पराए बनकर दूर हो गए हैं।

यशायाह 1:7

उनके देश और नगर की दशा कैसी है?

उनका देश उजड़ा पड़ा है और उनके नगर भस्म गए हैं।

यशायाह 1:9

यहोवा ने उनके क्या बचा रखा हैं?

उन्होंने उनके थोड़े से लोगों को बचा रखा हैं।

यशायाह 1:11

किस बात से यहोवा प्रसन्न नहीं होते?

वे बछड़ों या भेड़ के बच्चों या बकरों के लहू से प्रसन्न नहीं होते।

यशायाह 1:14

यहोवा किनसे बैर करते हैं?

वह उनके नये चाँदों और नियत पर्वों के मानने से बैर करते हैं

यशायाह 1:15

यहोवा उनकी प्रार्थनाएँ क्यों नहीं सुनेंगे?

वे नहीं सुनेंगे क्योंकि उनके हाथ खून से भरे हैं।

यशायाह 1:16-17

यहोवा उनसे क्या करने के लिये कहते हैं?

यहोवा उनसे कहते हैं कि वे बुराई करना छोड़ दे; भलाई करना सीखें; यत्न से न्याय करें, उपद्रवी को सुधारे, अनाथ का न्याय चुकाए और विधवा का मुकद्दमा लड़े।

यशायाह 1:19

देश के उत्तम से उत्तम पदार्थ खाने के लिये उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें आज्ञाकारी होकर मानना चाहिए।

यशायाह 1:20

यदि वे न माने और बलवा करें तो क्या होगा?

वे तलवार से मारे जायेंगे।

यशायाह 1:21

जो नगरी विश्वासयोग्य थी, वह व्यभिचारिणी बनने से पहले कैसी थी?

जो नगरी विश्वासयोग्य थी, वह न्याय से भरी थी और उसमें धार्मिकता पाया जाता था।

यशायाह 1:21 (#2)

जो नगरी विश्वासयोग्य थी, उसमें क्या पाए जाते हैं?

जो नगरी विश्वासयोग्य थी, उसमें हत्यारे ही पाए जाते हैं।

यशायाह 1:24

यहोवा क्या करेंगे?

वे अपने शत्रुओं को दूर करके शान्ति पाएँगे।

यशायाह 1:29

किस बात से वे लज्जित होंगे और उनके मुँह काले होंगे?

वे जिन बांजवृक्षों से प्रीति रखते थे उनसे वे लज्जित होंगे, और जिन बारियों से वे प्रसन्न रहते थे, उसके कारण उनके मुँह काले होंगे।

यशायाह 1:31

बलवान और उसके काम का क्या होगा?

वे दोनों एक साथ जलेंगे।

यशायाह 2:1

यशायाह ने जो वचन दर्शन में पाए, वह किसके विषय में था?

यशायाह ने जो वचन दर्शन में पाए, वह यहूदा और यरूशलेम के विषय में था।

यशायाह 2:2

अन्त के दिनों में क्या होगा?

अन्त के दिनों में यहोवा के भवन का पर्वत दृढ़ किया जाएगा।

यशायाह 2:2 (#2)

यहोवा के भवन की ओर कौन चलेंगे?

हर जाति के लोग धारा के समान उसकी ओर चलेंगे।

यशायाह 2:3

बहुत देशों के लोग यहोवा के पर्वत पर क्यों चढ़ेंगे?

वे यहोवा के मार्गों को सीखने के लिये पर्वत पर चढ़ेंगे।

यशायाह 2:4

यहोवा जाति-जाति और देश-देश के लोगों के लिये क्या करेंगे?

यहोवा उनका न्याय करेंगे और झगड़ों को मिटाएँगे।

यशायाह 2:4 (#2)

जाति क्या नहीं करेगी?

एक जाति दूसरी जाति के विरुद्ध फिर तलवार न चलाएगी और न युद्ध की विद्या सीखेंगे।

यशायाह 2:5

याकूब के घराने को क्या करने के लिये कहा गया है?

उन्हें यहोवा के प्रकाश में चलने के लिये कहा गया है।

यशायाह 2:6

यहोवा ने क्या किया है?

उन्होंने अपनी प्रजा याकूब के घराने को त्याग दिया है।

यशायाह 2:6 (#2)

यहोवा ने याकूब के घराने को क्यों त्याग दिया है?

उन्होंने उन्हें त्याग दिया है क्योंकि वे पूर्वजों के व्यवहार पर तन मन से चलते और पलिश्तियों के समान टोना करते हैं, और परदेशियों के साथ हाथ मिलाते हैं।

यशायाह 2:10

याकूब के घराने को चट्टान में क्यों घुसना चाहिए और मिट्टी में क्यों छिपना चाहिए?

उन्हें यहोवा के भय के कारण और उनके प्रताप के मारे छिपना चाहिए।

यशायाह 2:11

आदमियों की घमण्ड भरी आँखें और मनुष्यों का घमण्ड का क्या होगा?

उन्हें नीची की जाएँगी और दूर किया जाएगा।

यशायाह 2:11 (#2)

उस दिन कौन ऊँचे पर विराजमान रहेगा?

उस दिन केवल यहोवा ही ऊँचे पर विराजमान रहेंगे।

यशायाह 2:18

मूरतों का क्या होगा?

वे सब के सब नष्ट हो जाएँगे।

यशायाह 2:19

उस दिन लोग कहाँ घुसेंगे?

वे चट्टानों की गुफाओं और भूमि के बिलों में जा घुसेंगे।

यशायाह 2:22

याकूब के घराने को किससे परे रहने के लिये कहा गया है?

उन्हें मनुष्य से परे रहने के लिये कहा गया है।

यशायाह 3:1

यहोवा यरूशलेम और यहूदा से क्या दूर कर देंगे?

यहोवा उनका सब प्रकार का सहारा और सिरहाना दूर कर देंगे।

यशायाह 3:4

यहूदा और यरूशलेम की अगुवाई कौन करेगा?

लड़के उन पर हाकिम होंगे, और बच्चे उन पर प्रभुता करेंगे।

यशायाह 3:5

प्रजा के लोगों पर अंधेर कौन करेंगे?

प्रजा के लोग आपस में एक दूसरे पर, और हर एक अपने पड़ोसी पर अंधेर करेंगे।

यशायाह 3:8

यरूशलेम क्यों डगमगाया गया और यहूदा क्यों गिर गया है?

वे डगमगाए और गिरे हुए हैं क्योंकि उनके वचन और उनके काम यहोवा के विरुद्ध हैं।

यशायाह 3:9

कौन यहूदा और यरूशलेम के विरुद्ध साक्षी देता है?

उनका चेहरा उनके विरुद्ध साक्षी देता है।

यशायाह 3:10

धर्मियों का क्या होगा?

धर्मियों का भला होगा।

यशायाह 3:11

दुष्ट का क्या होगा?

दुष्ट का बुरा होगा।

यशायाह 3:12

उनके अगुए उन्हें कहाँ अगुवाई करते हैं?

उनके अगुए उन्हें भटकाते हैं और उनके चलने का मार्ग भुला देते हैं।

यशायाह 3:14

यहोवा अपनी प्रजा के वृद्ध और हाकिमों के साथ क्या करेंगे?

यहोवा उनके साथ विवाद करेंगे।

यशायाह 3:17

प्रभु यहोवा सिय्योन की स्त्रियों के साथ क्या करेंगे?

प्रभु यहोवा उनके सिर को गंजा करेंगे, और उनके तन को उघरवाएँगे।

यशायाह 3:25

पुरुष के साथ क्या होगा?

पुरुष तलवार से मारे जाएँगे।

यशायाह 4:1

सात स्त्रियाँ एक पुरुष को क्यों पकड़ेंगी?

वे उनकी कहलाना चाहते हैं और अपने नामधराई को दूर करना चाहते हैं।

यशायाह 4:3

सिय्योन और यरूशलेम में बचे हुए क्या कहलाएँगे?

जो सिय्योन और यरूशलेम में बचे हुए हैं, वे पवित्र कहलाएँगे।

यशायाह 4:4

प्रभु न्याय करनेवाली और भस्म करनेवाली आत्मा के द्वारा क्या करेंगे?

प्रभु सिय्योन की स्त्रियों के मल को धो चुकेंगे और यरूशलेम के खून को दूर कर चुकेंगे ।

यशायाह 4:5

यहोवा सिय्योन पर्वत के एक-एक घर के ऊपर, और उसके सभास्थानों के ऊपर क्या सिरजेंगे?

वे दिन को तो धुएँ का बादल, और रात को धधकती आग का प्रकाश सिरजेंगे; और समस्त वैभव के ऊपर एक मण्डप छाया रहेगा।

यशायाह 5:1

गवैया किसके लिये गाना चाहते हैं?

गवैया अपने प्रिय के लिये गीत गाना चाहते हैं

यशायाह 5:1 (#2)

गवैये का गीत किसके विषय में है?

यह गीत उनके प्रिय की दाख की बारी के विषय में है।

यशायाह 5:2

उन्होंने दाख की बारी के साथ क्या किया?

उन्होंने उसकी मिट्टी खोदी और उसके पत्थर बीनकर उसमें उत्तम जाति की एक दाखलता लगाई; उसके बीच में उन्होंने एक गुम्मट बनाया, और दाखरस के लिये एक कुण्ड भी खोदा।

यशायाह 5:2 (#2)

दाख की बारी में क्या लगीं ?

दाख की बारी में निकम्मी दाखें ही लगीं।

यशायाह 5:3

यरूशलेम के निवासी और यहूदा के मनुष्य किस बात का न्याय करनेवाले हैं?

वे उनके और दाख की बारी के बीच न्याय करनेवाले हैं।

यशायाह 5:5–6

प्रिय अपनी दाख की बारी के साथ क्या करेंगे?

वह काँटेवाले बाड़े को उखाड़ देंगे कि वह चट की जाए, और उसकी दीवार को ढा देंगे कि वह रौंदी जाए और उस पर जल न बरसे।

यशायाह 5:7

सेनाओं के यहोवा की दाख की बारी कौन हैं?

यहोवा की दाख की बारी इस्राएल का घराना है।

यशायाह 5:7 (#2)

यहोवा ने किसकी आशा की?

यहोवा ने न्याय और धार्मिकता की आशा की।

यशायाह 5:7 (#3)

यहोवा को न्याय और धार्मिकता के बदले क्या मिला?

यहोवा को अन्याय और चिल्लाहट मिली।

यशायाह 5:9

बहुत से घरों का क्या होगा?

बहुत से घर सुनसान और निर्जन हो जाएँगे।

यशायाह 5:13

इस्राएल और यहूदा की प्रजा बँधुवाई में क्यों जाते हैं?

उनकी अज्ञानता के कारण, वे बँधुवाई में जाते हैं।

यशायाह 5:16

सेनाओं के यहोवा किसके कारण महान ठहरते हैं?

यहोवा न्याय करने के कारण महान ठहरते हैं।

यशायाह 5:16 (#2)

पवित्र परमेश्वर किसके कारण पवित्र ठहरते हैं?

पवित्र परमेश्वर धर्मी होने के कारण पवित्र ठहरते हैं।

यशायाह 5:24

इस्राएल की जड़ क्यों सड़ जाएगी, और उनके फूल धूल होकर क्यों उड़ जाएँगे?

इस्राएल की जड़ सड़ जाएगी, और उनके फूल धूल होकर उड़ जाएँगे क्योंकि उन्होंने यहोवा की व्यवस्था को निकम्मी जाना, और इस्राएल के पवित्र के वचन को तुच्छ जाना है।

यशायाह 5:26

यहोवा दूर-दूर की जातियों को कैसे बुलाएँगे?

वे झण्डा खड़ा करेंगे और सीटी बजाकर उनको पृथ्वी की छोर से बुलाएँगे।

यशायाह 5:26 (#2)

दूर-दूर की जातियाँ कैसे आएँगे?

दूर-दूर की जातियाँ फुर्ती करके वेग से आएँगे।

यशायाह 6:1

यशायाह ने प्रभु को कब बहुत ही ऊँचे सिंहासन पर विराजमान देखा?

यशायाह ने प्रभु को उस वर्ष देखा जब उज्जियाह राजा मरा।

यशायाह 6:2

प्रभु से ऊँचे पर कौन दिखाई दिए?

प्रभु से ऊँचे पर साराप दिखाई दिए।

यशायाह 6:4

जब साराप एक दूसरे से पुकार पुकारकर कह रहे थे, तब क्या हुआ?

जब साराप एक दूसरे से पुकार पुकारकर कह रहे थे, तब डेवढ़ियों की नींवें डोल उठी, और भवन धुएँ से भर गया।

यशायाह 6:5

जब यशायाह ने ये सारी बातें देखीं, तब उन्होंने क्या कहा?

यशायाह ने कहा कि वे नाश हुए क्योंकि वे अशुद्ध होंठवाले मनुष्य थे और वे अशुद्ध होंठवाले मनुष्यों के बीच में रहते थे, और क्योंकि उन्होंने यहोवा महाराजाधिराज को अपनी आँखों से देखा था।

यशायाह 6:7

जब साराप ने वेदी पर से अंगारा लेकर यशायाह के मुँह को छुआ, तब उन्होंने क्या कहा?

उन्होंने कहा, "देख, इसने तेरे होठों को छू लिया है, इसलिए तेरा अधर्म दूर हो गया और तेरे पाप क्षमा हो गए।"

यशायाह 6:8

यशायाह ने प्रभु का क्या वचन सुना?

प्रभु का यह वचन सुना, "मैं किसको भेजूँ, और हमारी ओर से कौन जाएगा?"

यशायाह 6:8 (#2)

यशायाह ने प्रभु के पूछने पर क्या उत्तर दिया?

यशायाह ने कहा, "मैंमैं यहाँ हूँ! मुझे भेज।"

यशायाह 6:9

प्रभु ने यशायाह से लोगों को क्या कहने के लिये कहा?

प्रभु ने यशायाह से कहा कि वह लोगों से कहें कि वे सुनें परन्तु समझें नहीं; देखें, पर बूझो नहीं।

यशायाह 6:11–12

यशायाह को लोगों को प्रभु का सन्देश कब तक सुनाना चाहिए था?

यशायाह को प्रभु का सन्देश लोगों को तब तक सुनाना था जब तक नगर न उजड़े और उनमें कोई रह न जाए, और घरों में कोई मनुष्य न रह जाए, और देश उजाड़ और सुनसान हो जाए। और यहोवा मनुष्यों को उसमें से दूर कर दे, और देश के बहुत से स्थान निर्जन हो जाएँ।

यशायाह 7:1

आहाज कौन थे?

यहूदा के राजा आहाज जो योताम के पुत्र और उज्जियाह के पोते थे।

यशायाह 7:1 (#2)

आहाज के दिनों में, कौन से राजा यहूदा में यरूशलेम से लड़ने के लिये चढ़ाई की?

अराम के राजा रसीन और इस्राएल के राजा रमल्याह के पुत्र पेकह ने यरूशलेम से लड़ने के लिये चढ़ाई की।

यशायाह 7:2

जब आहाज और उनकी प्रजा ने सुना कि अरामियों ने एप्रैमियों से संधि की है, तब उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

जब आहाज और उनकी प्रजा ने सुना, तब उनका मन काँप उठा।

यशायाह 7:3

यहोवा ने यशायाह से कौन सा काम करने को कहा?

यहोवा ने यशायाह से कहा कि वे अपने पुत्र को लेकर आहाज से भेंट करने के लिये जाएँ।

यशायाह 7:3–4

यहोवा ने कहा कि आहाज को किससे नहीं डरना चाहिए?

यहोवा ने कहा कि आहाज को रसीन और पेकह से न डरना चाहिए या न मन कच्चा होना चाहिए।

यशायाह 7:5–6

अरामियों और रमल्याह के पुत्र समेत एप्रैमियों ने क्या युक्ति ठानी है?

इन मनुष्यों ने आहाज और यहूदा के विरुद्ध बुरी युक्ति ठानी है। उन्होंने यहूदा पर चढ़ाई करने और उसे घबरा देने, और ताबेल के पुत्र को राजा नियुक्त करने की युक्ति ठानी।

यशायाह 7:8

यहोवा ने आहाज को एप्रैम के विषय में क्या कहा?

यहोवा ने आहाज से कहा, "पैंसठ वर्ष के भीतर एप्रैम का बल इतना टूट जाएगा कि वह जाति बनी न रहेगी।"

यशायाह 7:9

यहोवा ने आहाज से कहा कि यदि वह विश्वास नहीं करेंगे तब क्या होगा?

आहाज स्थिर नहीं रहेंगे जब तक वह विश्वास नहीं करेंगे।

यशायाह 7:12

जब प्रभु ने आहाज को यहोवा से एक चिन्ह माँगने को कहा, तब आहाज ने क्या कहा?

आहाज ने कहा, "मैं नहीं माँगने का, और मैं यहोवा की परीक्षा नहीं करूँगा।"

यशायाह 7:13

यशायाह ने कहा कि आहाज क्या कर रहे थे?

यशायाह ने कहा कि वे न केवल मनुष्यों को थका रहे थे बल्कि परमेश्वर को भी थका रहे थे।

यशायाह 7:17

यशायाह ने आहाज से कहा कि यहोवा उनके विरुद्ध किसे ले आएँगे?

यशायाह ने आहाज से कहा कि यहोवा उनके और उनकी प्रजा के विरुद्ध अश्शूर के राजा के दिन को ले आएँगे।

यशायाह 7:20

अश्शूर का राजा क्या करेगा?

अश्शूर का राजा आहाज का सिर, पाँव और दाढ़ी मूँण्ड़ेगा।

यशायाह 7:23-25

देश का क्या होगा?

देश के सब स्थानों में कटीले ही कटीले पेड़ होंगे, और वे गाय-बैलों के चरने के, और भेड़-बकरियों के रौंदने के लिये होंगे।

यशायाह 8:1

यहोवा ने यशायाह से क्या करने को कहा?

उन्होंने यशायाह से कहा कि एक बड़ी पटिया लेकर उस पर साधारण अक्षरों से यह लिख: 'महेर्शालाल्हाशबज'।

यशायाह 8:2

यहोवा के विश्वासयोग्य साक्षी कौन थे?

यहोवा के विश्वासयोग्य साक्षी ऊरिय्याह याजक और जेबेरेक्याह के पुत्र जकर्याह थे।

यशायाह 8:3-4

यहोवा ने यशायाह से अपने पुत्र का नाम 'महेर्शालाल्हाशबज' रखने को क्यों कहा?

उसे 'महेर्शालाल्हाशबज' नाम रखा जाना था क्योंकि दमिश्क और सामरिया दोनों की धन-सम्पत्ति लूटकर अश्शूर का राजा अपने देश को भेजेगा।

यशायाह 8:12

यशायाह को किन लोगों की सी चाल चलने को मना किया?

यशायाह को मना किया गया कि जिस बात को लोग राजद्रोह कहते हैं, उसे वे राजद्रोह न कहें और जिस बात से वे डरते हैं, उससे वह न डरे और न भय खाएँ।

यशायाह 8:13

यशायाह से किसे पवित्र जानने और डर मानने के लिये कहा गया था?

यशायाह से कहा गया कि वे सेनाओं के यहोवा ही को पवित्र जाने; उन्हीं का डर माने, और उन्हीं का भय रखें।

यशायाह 8:14

यहोवा इस्राएल के दोनों घरानों और यरूशलेम के निवासियों के लिये क्या होंगे?

वे इस्राएल के लोगों के लिये ठोकर का पत्थर और ठेस की चट्टान, और यरूशलेम के निवासियों के लिये फंदा और जाल होंगे।

यशायाह 8:16-18

यशायाह की चितौनी क्या थी, जिसे उनके चेलों को दी जानी चाहिए थी?

यशायाह की चितौनी यह थी कि वे यहोवा की बाट जोहते रहेंगे और जो लड़के यहोवा ने उन्हें सौंपे हैं, वे इस्राएलियों के लिये चिन्ह और चमत्कार हैं।

यशायाह 8:19

यशायाह के अनुसार इस्राएल के लोग यशायाह के चेलों से क्या कहने वाले थे?

वे यशायाह के चेलों से ओझाओं और टोन्हों के पास जाकर पूछने के लिये कहनेवाले थे।

यशायाह 8:19 (#2)

यशायाह कहते हैं कि प्रजा को किसके पास जाकर पूछना चाहिए?

प्रजा को अपने परमेश्वर ही के पास जाकर पूछना चाहिए।

यशायाह 8:20

यशायाह अपने चेलों को किस पर चर्चा करने की आज्ञा देते हैं?

उन्हें व्यवस्था और चितौनी पर चर्चा करने की आज्ञा दी गई है।

यशायाह 8:21

जब इस्राएल के लोग क्लेशित और भूखे होंगे और क्रोध में आएँगे, तब वे क्या करेंगे?

वे अपने राजा और अपने परमेश्वर को श्राप देंगे, और अपना मुख ऊपर आकाश की ओर उठाएँगे।

यशायाह 8:22

इस्राएल की प्रजा का क्या होगा?

वे घोर अंधकार में ढकेल दिए जाएँगे।

यशायाह 9:1

जो संकट-भरा था, उनके साथ क्या होगा?

उनका अंधकार जाता रहेगा।

यशायाह 9:1 (#2)

पहले परमेश्वर ने कौनसे देश का अपमान किया था?

परमेश्वर ने जबूलून और नप्ताली के देशों का अपमान किया था।

यशायाह 9:1 (#3)

अन्तिम दिनों में परमेश्वर जबूलून और नप्ताली के साथ क्या करेंगे?

वे उन्हें महिमा देंगे।

यशायाह 9:2

किस पर ज्योति चमकी?

जो लोग घोर अंधकार से भरे हुए मृत्यु के देश में रहते थे, उन पर ज्योति चमकी।

यशायाह 9:6

वह कौन हैं जिनके काँधे पर प्रभुता होगी?

उनका नाम अद्‌भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।

यशायाह 9:7

वे कैसे प्रभुता करेंगे?

वे न्याय और धर्म के द्वारा प्रभुता करेंगे।

यशायाह 9:7 (#2)

वे कब तक प्रभुता करेंगे?

वे इस समय से लेकर सर्वदा के लिये प्रभुता करेंगे।

यशायाह 9:9-10

इस्राएल ने गर्व और कठोरता से क्या बोला?

इस्राएल बोलते हैं, "ईंटें तो गिर गई हैं, परन्तु हम गढ़े हुए पत्थरों से घर बनाएँगे; गूलर के वृक्ष तो कट गए हैं परन्तु हम उनके बदले देवदारों से काम लेंगे।"

यशायाह 9:11-12

यहोवा ने इस्राएल के विरुद्ध किसे प्रबल किया?

यहोवा ने रसीन, अराम, और पलिश्तियों को इस्राएल के विरुद्ध प्रबल किया।

यशायाह 9:12

क्या इतने पर भी यहोवा का क्रोध शान्त हुआ?

नहीं, यहोवा का क्रोध शान्त नहीं हुआ। उनका हाथ इस्राएल पर अब तक बढ़ा हुआ था।

यशायाह 9:13

क्या लोग यहोवा की ओर फिरे?

लोग यहोवा की ओर नहीं फिरे और न ही उनकी खोज की।

यशायाह 9:15

वे "सिर" और "पूँछ" कौन थे जिन्हें यहोवा एक ही दिन में काटनेवाले थे?

पुरनिया और प्रतिष्ठित पुरुष सिर थे, और और झूठी बातें सिखानेवाला नबी पूँछ था।

यशायाह 9:17

प्रभु ने अनाथ बालकों और विधवाओं पर दया क्यों नहीं की?

उन्होंने उन पर दया नहीं की क्योंकि हर एक भक्तिहीन और कुकर्मी थे।

यशायाह 9:17 (#2)

क्या इतने पर भी यहोवा का क्रोध शान्त हुआ?

नहीं, यहोवा का क्रोध शान्त नहीं हुआ। उनका हाथ इस्राएल पर अब तक बढ़ा हुआ था।

यशायाह 9:19

यहोवा के रोष का क्या परिणाम हुआ?

यहोवा ने देश को जला दिया और लोगों को आग की ईंधन के समान बना दिया।

यशायाह 9:21

मनश्शे, एप्रैम और यहूदा के साथ क्या हुआ?

मनश्शे और एप्रैम एक-दूसरे के विरुद्ध हुए और वे दोनों मिलकर यहूदा के विरुद्ध हुए।

यशायाह 9:21 (#2)

क्या इतने पर भी यहोवा का क्रोध शान्त हुआ?

नहीं, यहोवा का क्रोध शान्त नहीं हुआ। उनका हाथ इस्राएल पर अब तक बढ़ा हुआ था।

यशायाह 10:5

यहोवा के क्रोध का लठ, और वह सोंटा कौन था जिसके द्वारा यहोवा ने अपना क्रोध प्रगट किया?

अश्शूर यहोवा के क्रोध का लठ था, और वह सोंटा जिसके द्वारा उन्होंने अपना क्रोध प्रगट किया।

यशायाह 10:6

यहोवा ने अश्शूर को क्या करने की आज्ञा दी?

उन्होंने अश्शूर को आज्ञा दी कि वे छीन-छान करे और लूट ले और इस्राएल को सड़कों की कीच के समान लताड़े।

यशायाह 10:7

अश्शूर की मनसा क्या थी?

अश्शूर के मन में यही था कि वह बहुत सी जातियों का नाश और अन्त कर डाले।

यशायाह 10:12

प्रभु ने कहा कि जब वे सिय्योन पर्वत पर और यरूशलेम में अपना सब काम कर चुकेंगे, तब वे क्या करेंगे?

प्रभु ने कहा कि वे अश्शूर के राजा के गर्व की बातों का, और उसकी घमण्ड भरी आँखों का बदला देंगे।

यशायाह 10:13

अश्शूर के राजा ने यह क्यों सोचा कि वह सफल हुआ है?

अश्शूर के राजा ने सोचा कि वह अपने ही बाहुबल, बुद्धि और चतुराई के कारण सफल हुआ है।

यशायाह 10:16

प्रभु परमेश्वर अश्शूर के हृष्ट-पुष्ट योद्धाओं को क्या करनेवाले थे?

प्रभु परमेश्वर उनको दुबला करनेवाले थे।

यशायाह 10:18

यहोवा ने कहा कि वे अश्शूर में किसका नाश करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे उसके वन और फलदाई बारी की शोभा पूरी रीति से नाश करेंगे।

यशायाह 10:20

इस्राएल के बचे हुए लोग भागने के बाद किस पर भरोसा रखेंगे?

बचे हुए लोग जो भागे हुए हैं, वे अब अपने मारनेवाले पर फिर कभी भरोसा नहीं रखेंगे, परन्तु यहोवा पर वे सच्चाई से भरोसा रखेंगे।

यशायाह 10:24–25

प्रभु परमेश्वर ने सिय्योन में रहनेवाली प्रजा से अश्शूर से न डरने को क्यों कहा?

उन्होंने उन्हें अश्शूर से न डरने को कहा क्योंकि अब थोड़ी ही देर है कि प्रभु का जलन और क्रोध अश्शूर का सत्यानाश करके शान्त होगा।

यशायाह 10:27

जिस दिन यहोवा अश्शूर के विरुद्ध कोड़ा उठाकर उसको मारेंगे और जिस दिन यहोवा समुद्र पर लाठी बढ़ाएँगे, उस दिन क्या होना था?

उस दिन उनका बोझ उनके कंधे पर से और जूआ उनकी गर्दन पर से उठा लिया जाएगा।

यशायाह 11:1

यिशै के ठूँठ से क्या निकालनेवाली थी?

यिशै के ठूँठ में से एक डाली और एक शाखा निकालनेवाली थी।

यशायाह 11:2

उस पर कौन ठहरने वाली थी?

यहोवा की आत्मा उस पर ठहरने वाली थी।

यशायाह 11:2 (#2)

यहोवा की आत्मा उन्हें क्या देगी?

यहोवा की आत्मा उन्हें बुद्धि और समझ की आत्मा, युक्ति और पराक्रम की आत्मा, और ज्ञान और यहोवा के भय की आत्मा देगी।

यशायाह 11:4

वे कंगालों और नम्र लोगों का न्याय करने के लिये कौन-सा मानक उपयोग करेंगे?

वे मुँह देखा न्याय न करेंगे और न अपने कानों के सुनने के अनुसार निर्णय करेंगे। वे न्याय धार्मिकता से और निर्णय खराई से करेंगे।

यशायाह 11:4 (#2)

वे दुष्ट का क्या करेंगे?

वे अपनी फूँक के झोंके से दुष्ट को मिटा डालेंगे।

यशायाह 11:9

पशु कैसे अलग तरह से व्यवहार करेंगे?

वे उनके पवित्र पर्वत पर न तो कोई दुःख देंगे और न हानि करेंगे।

यशायाह 11:9 (#2)

पशु दुःख और हानि क्यों नहीं देंगे?

पशु दुःख और हानि नहीं देंगे क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी।

यशायाह 11:11

उस समय प्रभु अपना हाथ क्यों बढ़ाएँगे?

वे अपने बचे हुओं को, जो उनकी प्रजा के रह गए हैं, अश्शूर से, मिस्र से, पत्रोस से, कूश से, एलाम से, शिनार से, हमात से, और समुद्र के द्वीपों से मोल लेकर छुड़ाएँगे।

यशायाह 11:13

यहूदा के तंग करनेवाले का क्या होगा?

यहूदा के तंग करनेवाले काट डाले जाएँगे।

यशायाह 11:13 (#2)

एप्रैम और यहूदा के बीच क्या होगा?

एप्रैम यहूदा से न डाह करेगा और न यहूदा एप्रैम को तंग करेगा।

यशायाह 11:14

एप्रैम और यहूदा मिलकर क्या करेंगे?

वे पश्चिम की ओर पलिश्तियों के कंधे पर झपट्टा मारेंगे, और मिलकर पूर्वियों को लूटेंगे। वे एदोम और मोआब पर हाथ बढ़ाएँगे।

यशायाह 11:15

यहोवा मिस्र के समुद्र की कोल और फरात नदी के साथ क्या करेंगे?

यहोवा मिस्र के समुद्र की कोल को सुखा डालेंगे और फरात नदी सात धार हो जाएगी।

यशायाह 11:15 (#2)

यहोवा मिस्र के समुद्र की कोल और फरात नदी को क्यों सुखाएँगे?

वे इसे ऐसा सुखाएँगे कि लोग जूता पहने हुए भी पार हो जाएँगे।

यशायाह 12:1

उस दिन, वे यहोवा का धन्यवाद क्यों करेंगे?

वे धन्यवाद करेंगे क्योंकि यद्यपि यहोवा उन पर क्रोधित हुए थे, परन्तु अब उनका क्रोध शान्त हुआ, और उन्होंने उन्हें शान्ति दी है।

यशायाह 12:1–2

उस दिन लोग यह कहेंगे कि यहोवा उनके लिये क्या है?

लोग कहेंगे कि यहोवा उनका बल, उनका भजन का विषय और उनका उद्धारकर्ता हैं।

यशायाह 12:5

लोगों से यहोवा का भजन गाने को क्यों कहा जाएगा?

उन्हें यहोवा का भजन गाने को कहा जाएगा क्योंकि उन्होंने प्रतापमय काम किए हैं, ताकि यह सारी पृथ्वी पर प्रगट हो सके।

यशायाह 13:1

यशायाह को यहोवा से क्या सन्देश पाया?

उन्हें बाबेल के विषय की भारी भविष्यद्वाणी पाई।

यशायाह 13:3

यहोवा ने अपने वीरों को क्या करने के लिये बुलाया है?

उन्होंने उन्हें अपने क्रोध के लिये बुलाया है।

यशायाह 13:5

यहोवा की सेना कहाँ से आते हैं?

वे दूर देश से, आकाश के छोर से आते हैं।

यशायाह 13:5 (#2)

यहोवा के क्रोध के हथियार क्या करनेवाले हैं?

वे सारे देश को नाश करनेवाले हैं।

यशायाह 13:7–8

जब देश नाश हो जाएगा, तब लोग क्या करेंगे?

उनके हाथ ढीले पड़ेंगे, और उनके हृदय पिघल जाएगा; वे घबरा जाएँगे; उनको पीड़ा और शोक होगा। वे चकित होकर एक दूसरे को ताकेंगे; उनके मुँह जल जाएँगे।

यशायाह 13:9–10

यहोवा के दिन और क्या होगा?

पृथ्वी को उजाड़ डालेंगे और पापियों को उसमें से नाश करेंगे। आकाश के तारागण और बड़े-बड़े नक्षत्र अपना प्रकाश न देंगे; वे अंधेरा हो जाएँगे।

यशायाह 13:12

क्या कई मनुष्य बचेंगे?

नहीं! यहोवा मनुष्य को कुन्दन से भी अधिक महँगा कर देंगे।

यशायाह 13:17

यहोवा किसे कसदियों के विरुद्ध उभारेंगे?

यहोवा मादी लोगों को कसदियों के विरुद्ध उभारेंगे।

यशायाह 13:19–20

बाबेल का क्या होगा?

परमेश्वर सदोम और गमोरा के जैसे उन्हें उलट देंगे, और वे फिर कभी न बसेंगे और युग-युग उसमें कोई वास न करेगा।

यशायाह 13:21

बाबेल में कौन बैठेंगे?

वहाँ जंगली जन्तु बैठेंगे।

यशायाह 13:22

बाबेल के साथ ये बातें कब होंगी?

बाबेल के नाश होने का समय निकट आ गया है, और उसके दिन अब बहुत नहीं रहे।

यशायाह 14:1

यहोवा इस्राएल के साथ क्या करेंगे?

यहोवा इस्राएल को फिर अपनाकर, उन्हीं के देश में बसाएँगे।

यशायाह 14:1 (#2)

क्या कोई और इस्राएलियों के साथ उनके देश वापस जाएँगे?

परदेशी उनसे मिल जाएँगे और अपने-अपने को याकूब के घराने से मिला लेंगे।

यशायाह 14:2

कौन इस्राएलियों को उन्हीं के देश में वापस पहुँचाएँगे?

देश-देश के लोग उनको उन्हीं के स्थान में पहुँचाएँगे।

यशायाह 14:2 (#2)

इस्राएल का घराना उन देश का क्या करेंगे जिन्होंने इस्राएल को बन्दी बनाया था?

इस्राएल का घराना उनका अधिकारी होकर उनको दास और दासियाँ बनाएँगे। वे अपने बँधुवाई में ले जानेवालों को बन्दी बनाएँगे, और जो उन पर अत्याचार करते थे उन पर वे शासन करेंगे।

यशायाह 14:3–4

जिस दिन यहोवा इस्राएल को उनके सन्ताप, घबराहट और कठिन श्रम से विश्राम देंगे, उस दिन क्या होगा?

वे बाबेल के राजा पर ताना मारकर कहेंगे।

यशायाह 14:4

परिश्रम करानेवालो का क्या हुआ?

परिश्रम करानेवालो का नाश हो गया।

यशायाह 14:6

बाबेल के राजा ने क्या किया था?

वे मनुष्यों को लगातार रोष से मारते रहते थे और जाति-जाति पर क्रोध से प्रभुता करते और लगातार उनके पीछे पड़े रहते थे।

यशायाह 14:10–11

पृथ्वी के मुर्दे सरदार बाबेल के राजा से क्या कहेंगे?

वे कहेंगे, "क्या तू भी हमारे समान निर्बल हो गया है..." और "तेरा वैभव और ... अधोलोक में उतारा गया है"

यशायाह 14:12

भोर के चमकनेवाले तारे के साथ क्या हुआ है?

वह आकाश से गिर पड़ा है और काटकर भूमि पर गिराया गया है।

यशायाह 14:13–14

भोर के चमकनेवाले तारे ने अपने मन में क्या कहा था?

उसने कहा था कि वह अपने सिंहासन को परमेश्वर के तारागण से अधिक ऊँचा करेगा और परमप्रधान के तुल्य हो जाएगा।

यशायाह 14:20

बाबेल का राजा जाति-जाति के राजा के साथ कब्र में क्यों नहीं गाड़ा जाएगा?

वह उनके साथ गाड़ा नहीं जाएगा क्योंकि उसने अपने देश को उजाड़ दिया, और अपनी प्रजा का घात किया है।

यशायाह 14:22

बाबेल के विरुद्ध सेनाओं के यहोवा की वाणी क्या है?

उनकी वाणी यह है, "मैं उनके विरुद्ध उठूँगा, और बाबेल का नाम और निशान मिटा डालूँगा, और बेटों-पोतों को काट डालूँगा।"

यशायाह 14:25

अश्शूर के विषय में सेनाओं के यहोवा ने अपने देश में क्या शपथ खाई है?

उन्होंने कहा कि वे अश्शूर को अपने ही देश में तोड़ देंगे और अपने पहाड़ों पर उसे कुचल डालेंगे।

यशायाह 14:29–30

पलिश्तीन के विरुद्ध क्या भविष्यद्वाणी हुई?

यह भविष्यद्वाणी हुई कि पलिश्तीन को आनन्द नहीं करना चाहिए, क्योंकि यहोवा पलिश्तीन के वंश को भूख से मार डालने वाले थे, जो पलिश्तीन के बचे हुए लोगों का घात करेगा।

यशायाह 14:32

किसने सिय्योन की नींव डाली?

यहोवा ने सिय्योन की नींव डाली।

यशायाह 14:32 (#2)

यहोवा की प्रजा के दीन लोग सिय्योन में क्या लेंगे?

यहोवा की प्रजा के दीन लोग सिय्योन में शरण लेंगे।

यशायाह 15:1

किसके विषय भारी भविष्यद्वाणी है?

मोआब के विषय भारी भविष्यद्वाणी है।

यशायाह 15:1 (#2)

मोआब के आर और कीर नगर का क्या होगा?

उन्हें एक ही रात में उजाड़ और नाश कर दिया जाएगा।

यशायाह 15:5

मोआब के रईस कहाँ जाएँगे?

वे सोअर और एग्लत-शलीशिया तक भागेंगे।

यशायाह 15:9

दीमोन के सोते का क्या हुआ है और दीमोन का क्या होगा?

दीमोन का सोता लहू से भरा हुआ है; तो भी यहोवा दीमोन पर और दुःख डालेंगे।

यशायाह 15:9 (#2)

बचे हुए मोआबियों और उनके देश से भागे हुओं का क्या होगा?

बचे हुए मोआबियों और उनके देश से भागे हुओं के विरुद्ध सिंह भेजेंगे।

यशायाह 16:1

भेड़ों के बच्चों किसे भेजे जाने हैं?

भेड़ों के बच्चों को सिय्योन की बेटी के पर्वत पर देश के हाकिम के लिये भेजे जाने हैं।

यशायाह 16:2

मोआब की बेटियों की तुलना अर्नोन के घाट पर किससे की जाती है?

वे उजाड़े हुए घोंसले के पक्षी और उनके भटके हुए बच्चों के समान हैं।

यशायाह 16:3–4

यहूदा को मोआब के घर से निकाले गए और जो उनके बीच में रहते हैं, उनके साथ क्या करना चाहिए?

घर से निकाले हुओं को छिपाना चाहिए और जो मारे-मारे फिरते हैं उनको पकड़वाना नहीं चाहिए, लोग जो निकाले हुए हैं वे उनके बीच में रहें; नाश करनेवाले से बचाना चाहिए ।

यशायाह 16:5

दाऊद के तम्बू से सिंहासन पर विराजमान होने वाले क्या करेंगे?

वे सोच विचार कर सच्चा न्याय करेंगे और धार्मिकता के काम पर तत्पर रहेंगे।

यशायाह 16:12

जब मोआब प्रार्थना करने को अपने पवित्रस्थान में आएगा, तब क्या होगा?

मोआब को अपनी प्रार्थनाओं से कुछ लाभ न होगा।

यशायाह 16:14

मोआब का वैभव का क्या होगा?

यहोवा ने कहा कि तीन वर्ष के भीतर मोआब का वैभव तुच्छ ठहरेगी।

यशायाह 16:14 (#2)

मोआब से कितने बचेंगे?

मोआब में थोड़े जो बचेंगे उनका कोई बल न होगा।

यशायाह 17:1

दमिश्क नगर का क्या होगा?

यह नगर न रहेगा, वह खण्डहर ही खण्डहर हो जाएगा।

यशायाह 17:3

एप्रैम में क्या नहीं रहेंगे?

एप्रैम में गढ़वाले नगर नहीं रहेंगे।

यशायाह 17:4

उस समय याकूब के वैभव का क्या होगा?

उस समय याकूब का वैभव घट जाएगा, और उसकी मोटी देह दुबली हो जाएगी।

यशायाह 17:7

उस समय मनुष्य किसकी ओर दृष्टि करेगा?

मनुष्य अपने कर्ता की ओर दृष्टि करेगा, और उसकी आँखें इस्राएल के पवित्र की ओर लगी रहेंगी।

यशायाह 17:9

उस समय उनके गढ़वाले नगर किसके समान होंगे?

उस समय उनके गढ़वाले नगर घने वन, और उनके निर्जन स्थान पहाड़ों की चोटियों के समान होंगे।

यशायाह 17:13

राज्य-राज्य के लोग बाढ़ के बहुत से जल के समान नाद करेंगे, तब क्या होगा?

परमेश्वर राज्य-राज्य के लोगों को घुड़केंगे, और वे दूर भाग जाएँगे, और उड़ाए जाएँगे।

यशायाह 17:14

इस्राएल के लूटनेवालों का भाग क्या है?

उनके भाग में साँझ को घबराहट देखना होगा और भोर से पहले लोप हो जाना होगा।

यशायाह 18:1

पंखों की फड़फड़ाहट से भरा हुआ देश कहाँ है?

पंखों की फड़फड़ाहट से भरा हुआ देश, कूश की नदियों के परे है।

यशायाह 18:2

पंखों की फड़फड़ाहट से भरा हुआ देश किसके पास दूत भेजता है?

वे एक ऐसी जाति के पास दूत भेजते हैं जिसके लोग बलिष्ठ और सुन्दर हैं, जो आदि से अब तक डरावने हैं, जो मापने और रौंदनेवाला भी हैं, और जिनका देश नदियों से विभाजित किया हुआ है।

यशायाह 18:3

जगत के सब रहनेवालों को को कब देखना और सुनना चाहिए?

उन्हें तब देखना और सुनना चाहिए जब झण्डा पहाड़ों पर खड़ा किया जाए और जब नरसिंगा फूँका जाए।

यशायाह 18:5

दाख तोड़ने के समय से पहले जब फूल फूल चुकेंगे, तब यहोवा क्या करेंगे?

यहोवा टहनियों को हँसुओं से काट डालेंगे और फैली हुई डालियों को तोड़-तोड़कर अलग फेंक देंगे।

यशायाह 18:6–7

जब माँसाहारी पक्षी डालियों पर धूपकाल बिताएँगे और और सब भाँति के वन पशु उन पर सर्दी काटेंगे, तब क्या होगा?

उस समय जिस जाति के लोग बलिष्ठ और सुन्दर हैं, उनके द्वारा सिय्योन पर्वत पर सेनाओं के यहोवा के पास भेंट पहुँचाई जाएगी।

यशायाह 19:1

इस अध्याय में किसके विषय में भारी भविष्यद्वाणी की गई है?

इस अध्याय में मिस्र के विषय में भारी भविष्यद्वाणी की गई है।

यशायाह 19:1–2

मिस्रियों को कौन उभारेगा?

यहोवा मिस्रियों को उभारेंगे।

यशायाह 19:2

मिस्रियों को किसके विरुद्ध उभारा जाएगा?

एक दूसरे के विरुद्ध उनको उभारा जाएगा।

यशायाह 19:4

यहोवा मिस्रियों की अगुआई किससे करवाएँगे?

यहोवा मिस्रियों को एक कठोर स्वामी के हाथ में कर देंगे, और एक क्रूर राजा उन पर प्रभुता करेगा।

यशायाह 19:5

मिस्र के जल का क्या होगा?

समुद्र का जल सूख जाएगा, और महानदी सूख कर खाली हो जाएगी।

यशायाह 19:10

मिस्र के रईस का क्या होगा?

मिस्र के रईस निराश हो जाएँगे।

यशायाह 19:11

फ़िरौन के बुद्धिमान मंत्रियों की युक्ति का क्या हुआ?

उनकी युक्ति पशु की सी ठहर गई।

यशायाह 19:14

फ़िरौन के बुद्धिमान मंत्रियों की युक्ति पशु की सी क्यों ठहरी?

उनकी युक्ति पशु की सी क्योंकि यहोवा ने मिस्र में भ्रमता उत्पन्न की है।

यशायाह 19:16

उस समय मिस्री किसके समान हो जाएँगे?

उस समय मिस्री, स्त्रियों के समान हो जाएँगे। वे थरथराएँगे और काँप उठेंगे।

यशायाह 19:18

उस समय मिस्र देश में पाँच नगर क्या करेंगे?

वे यहोवा की शपथ खाएँगे।

यशायाह 19:19

उस समय मिस्र देश के बीच में क्या होगा?

उस समय मिस्र देश के बीच में यहोवा के लिये एक वेदी होगी।

यशायाह 19:23

उस समय कौन मिलकर यहोवा की आराधना करेंगे?

मिस्री अश्शूरियों के संग मिलकर आराधना करेंगे।

यशायाह 19:24

उस समय पृथ्वी के लिये आशीष का कारण कौन होंगे?

इस्राएल, मिस्र और अश्शूर तीनों मिलकर पृथ्वी के लिये आशीष का कारण होंगे।

यशायाह 20:1

जब तर्त्तान अश्दोद आया, तब क्या हुआ?

तर्त्तान ने अश्दोद आकर उससे युद्ध किया और उसको ले भी लिया।

यशायाह 20:1 (#2)

किसने तर्त्तान को अश्दोद जाने की आज्ञा दी?

अश्शूर के राजा सर्गोन ने तर्त्तान को अश्दोद जाने की आज्ञा दी।

यशायाह 20:2

जब तर्त्तान ने अश्दोद को ले लिया, तब यहोवा ने यशायाह से क्या करने को कहा?

यहोवा ने यशायाह से कहा कि वे अपनी टाट खोले और जूतियाँ उतार दें और नंगे और नंगे पाँव घूमे फिरे।

यशायाह 20:3-4

यशायाह को नंगे पाँव चलने को क्यों कहा गया?

यह इस बात का चिन्ह था कि अश्शूर का राजा मिस्री और कूश के लोगों को बन्दी बनाकर उघाड़ा और नंगे पाँव देश निकाला करेगा।

यशायाह 20:5-6

उनका क्या होगा जो कूश और मिस्र में अपनी आशा रखते हैं?

वे व्याकुल और लज्जित हो जाएँगे।

यशायाह 21:2

यशायाह को किस प्रकार का दर्शन दिखाया गया?

उनको कष्ट की बातों का दर्शन दिखाया गया।

यशायाह 21:2 (#2)

दर्शन किसके विषय में है?

यशायाह का दर्शन एलाम पर चढ़ाई करने और मादै को घेरने के विषय में है।

यशायाह 21:3-4

इस दर्शन का यशायाह पर क्या प्रभाव पड़ा?

इसने यशायाह के कमर में कठिन पीड़ा दी। वे संकट में पड़ गए और घबरा गए। उनका हृदय धड़कने लगा। वे अत्यन्त भयभीत और थरथराने लगे।

यशायाह 21:6

प्रभु ने यशायाह से क्या कहा?

प्रभु ने यशायाह से कहा कि वह जाकर एक पहरुआ खड़ा करें और पहरुआ जो कुछ देखे उन्हें बताए।

यशायाह 21:7

जब पहरुआ सवार जो दो-दो करके आते हों, और गदहों और ऊँटों के सवार को देखे, तब उसे क्या करना चाहिए?

तब पहरुए को बहुत ही ध्यान देकर सुनना चाहिए।

यशायाह 21:9

जब मनुष्यों का दल आता है, तब वह क्या बोल उठा?

वह बोल उठा, "गिर पड़ा, बाबेल गिर पड़ा; और उसके देवताओं के सब खुदी हुई मूरतें भूमि पर चकनाचूर कर डाली गई हैं।"

यशायाह 21:13

अरब के जंगल में कौन रात बिताते हैं?

ददानी के बटोही वहाँ रात बिताते हैं।

यशायाह 21:14

ददानी बटोहियों को क्या करने के लिये कहा गया है?

उन्हें प्यासे के पास जल लाने के लिये कहा गया है।

यशायाह 21:14 (#2)

तेमा देश के रहनेवाले से क्या करने के लिये कहा गया है?

उन्हें रोटी लेकर भागनेवाले से मिलने के लिये कहा गया है।

यशायाह 21:16–17

प्रभु ने यशायाह को केदार के विषय में क्या कहा?

प्रभु ने यशायाह से कहा कि एक वर्ष में केदार का सारा वैभव मिटाया जाएगा और धनुर्धारी शूरवीरों में से थोड़े ही रह जाएँगे।

यशायाह 22:1

अध्याय 22 का विषय क्या है?

यह दर्शन की तराई के विषय में भारी वचन है।

यशायाह 22:1 (#2)

सब के सब कहाँ चढ़ गए?

सब के सब छतों पर चढ़ गए।

यशायाह 22:2

प्रसन्न नगरी में क्या हो रहा है?

कोलाहल और ऊधम प्रसन्न नगरी में हो रहा है।

यशायाह 22:2 (#2)

क्या जो मारे गए हैं वे तलवार से या लड़ाई में मारे गए हैं?

नहीं, जो मारे गए हैं वे न तो तलवार से और न लड़ाई में मारे गए हैं।

यशायाह 22:3

उनके शासकों का क्या हुआ?

उनके शासक एक संग भाग गए और बन्दी बनाए गए और एक संग बाँधे गए।

यशायाह 22:4

यशायाह बिलख-बिलख कर क्यों रो रहे थे?

उनके नगर का सत्यानाश होने के कारण रो रहे थे।

यशायाह 22:6

उनके विरुद्ध कौन तरकश बाँधे हुए और ढाल खोले हुए है?

एलाम तरकश बाँधे हुए है, और कीर ढाल खोले हुए है।

यशायाह 22:7

यहूदा की उत्तम-उत्तम तराइयों में क्या होंगी?

उनकी तराइयाँ रथों से भरी हुई होंगी।

यशायाह 22:8

परमेश्वर ने यरूशलेम के घूँघट का क्या किया?

उन्होंने उनका घूँघट खोल दिया।

यशायाह 22:12

उस समय सेनाओं के प्रभु यहोवा ने क्या करने के लिये कहा था?

उन्होंने रोने-पीटने, सिर मुँड़ाने और टाट पहनने के लिये कहा था।

यशायाह 22:12–13

रोने-पीटने के बदले लोगों ने क्या किया?

लोगों ने हर्ष और आनन्द मनाया। उन्होंने गाय-बैल का घात और भेड़-बकरी का वध किया, माँस खाया और दाखमधु पीया।

यशायाह 22:14

क्या प्रभु उनकी प्रतिक्रिया के लिये लोगों का प्रायश्चित करेंगे?

प्रभु उनका मृत्यु तक भी प्रायश्चित नहीं करेंगे।

यशायाह 22:15–16

शेबना नामक भण्डारी ने अपने लिये क्या किया?

शेबना ने अपने रहने का स्थान चट्टान में एक कब्र खुदवाई।

यशायाह 22:17–19

यहोवा ने कहा कि वे शेबना के साथ क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे शेबना को बहुत दूर फेंक देंगे, और उसे उसके स्थान पर से ढकेल देंगे और उसके पद से उतार दिया जाएगा।

यशायाह 22:20–21

शेबना की प्रभुता का स्थान कौन लेने वाले थे?

हिल्कियाह के पुत्र एलयाकीम शेबना की प्रभुता का स्थान लेने वाले थे।

यशायाह 22:25

उस समय वह खूँटी जो दृढ़ स्थान में गाड़ी गई थी, उसका क्या होगा?

खूँटी जो दृढ़ स्थान में गाड़ी गई थी, वह ढीली हो जाएगी, और काटकर गिराई जाएगी; और उस पर का बोझ गिर जाएगा।

यशायाह 23:1

अध्याय 23 में किसके विषय में भारी वचन था?

अध्याय 23 में सोर के विषय में भारी वचन था।

यशायाह 23:1 (#2)

तर्शीश के जहाजों को हाय हाय क्यों करनी चाहिए?

उन्हें हाय हाय करनी चाहिए क्योंकि वह उजड़ गया; वहाँ न तो कोई घर और न कोई शरण का स्थान है।

यशायाह 23:3

सोर का नगर क्या था?

सोर जातियों के लिये व्यापार का स्थान था।

यशायाह 23:5

जब मिस्र सोर का समाचार सुनेगा, तब वह क्या करेगा?

जब मिस्र सोर का समाचार सुनेगा, तब वह संकट में पड़ेगा ।

यशायाह 23:8–9

सोर के विरुद्ध किसने ऐसी युक्ति की हैं?

सेनाओं के यहोवा ही ने ऐसी युक्ति सोर के विरुद्ध की हैं।

यशायाह 23:9

सेनाओं के यहोवा ने सोर के विरुद्ध ऐसी युक्ति क्यों की हैं?

उन्होंने ऐसी युक्ति की है कि समस्त गौरव के घमण्ड को तुच्छ कर दे और पृथ्वी के प्रतिष्ठितों का अपमान करवाए।

यशायाह 23:15

सोर कब तक बिसरा हुआ रहेगा?

उस समय, सोर सत्तर वर्ष तक बिसरा हुआ रहेगा।

यशायाह 23:17

सत्तर वर्ष तक बिसरा दिए जाने के बाद सोर के साथ क्या होगा?

यहोवा सोर की सुधि लेंगे, और वह फिर छिनाले की कमाई पर मन लगाकर धरती भर के सब राज्यों के संग छिनाला करेंगी।

यशायाह 23:18

सोर के व्यापार की प्राप्ति, और उसके छिनाले की कमाई का क्या होगा?

उसके व्यापार की प्राप्ति, और उसके छिनाले की कमाई, यहोवा के लिये पवित्र की जाएगी।

यशायाह 23:18 (#2)

सोर के व्यापार की प्राप्ति का क्या होगा?

यह उन्हीं के काम में आएगी जो यहोवा के सामने रहा करेंगे, कि उनको भरपूर भोजन और चमकीला वस्त्र मिले।

यशायाह 24:1

यहोवा क्या करने पर हैं?

वे पृथ्वी को निर्जन और सुनसान करने पर हैं, वे उसको उलटकर उसके रहनेवालों को तितर-बितर करेंगे।

यशायाह 24:5

पृथ्वी अपने रहनेवालों के कारण कैसे अशुद्ध हो गई है?

पृथ्वी अपने रहनेवालों के कारण अशुद्ध हो गई है, क्योंकि उन्होंने व्यवस्था का उल्लंघन किया और विधि को पलट डाला, और सनातन वाचा को तोड़ दिया है।

यशायाह 24:6

पृथ्वी के रहनेवाले का क्या होता है?

वे भस्म होंगे और थोड़े ही मनुष्य रह जाएँगे।

यशायाह 24:13

उस समय पृथ्वी पर देश-देश के लोगों में कैसे होगा, यह दिखाने के लिये यशायाह कौन-सी उपमा का प्रयोग करते हैं?

वह उस समय पृथ्वी की दशा की तुलना इस प्रकार करते हैं जैसा कि जैतून के झाड़ने के समय, या दाख तोड़ने के बाद कोई-कोई फल रह जाते हैं।

यशायाह 24:14

इस सारी विपत्ति के बीच "वे लोग" क्या करेंगे?

वे लोग गला खोलकर जयजयकार करेंगे, और यहोवा के माहात्म्य को देखकर समुद्र से ललकारेंगे।

यशायाह 24:16

गीत की ध्वनि और इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के नाम की महिमा और बड़ाई की पुकार सुनकर यशायाह ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

यशायाह ने कहा, "हाय, हाय! मैं नाश हो गया, नाश! क्योंकि विश्वासघाती विश्वासघात करते, वे बड़ा ही विश्वासघात करते हैं।"

यशायाह 24:21

उस समय यहोवा किसे दण्ड देंगे?

यहोवा आकाश की सेना को आकाश में और पृथ्वी के राजाओं को पृथ्वी ही पर दण्ड देंगे।

यशायाह 24:22

आकाश की सेना को आकाश में और पृथ्वी के राजाओं को पृथ्वी ही पर क्या दण्ड मिलेगा?

वे बन्दियों के समान गड्ढे में इकट्ठे किए जाएँगे और बन्दीगृह में बन्द किए जाएँगे; और बहुत दिनों के बाद उनकी सुधि ली जाएगी।

यशायाह 24:23

चन्द्रमा संकुचित क्यों हो जाएगा और सूर्य लज्जित क्यों होगा?

यह इसलिये होगा क्योंकि सेनाओं का यहोवा सिय्योन पर्वत पर और यरूशलेम में अपनी प्रजा के पुरनियों के सामने प्रताप के साथ राज्य करेंगे।

यशायाह 25:1

यशायाह ने यहोवा को क्यों सराहा और धन्यवाद किया?

यशायाह ने यहोवा को सराहा और धन्यवाद किया क्योंकि यहोवा ने आश्चर्यकर्मों किए थे, उन्होंने प्राचीनकाल से पूरी सच्चाई के साथ युक्तियाँ की थीं।

यशायाह 25:2

यहोवा ने कौनसे आश्चर्यकर्म किए थे?

यहोवा ने नगर को ढेर बना डाला, और उस गढ़वाले नगर को खण्डहर कर डाला है; उन्होंने परदेशियों की राजपुरी को ऐसा उजाड़ा कि वह नगर नहीं रहा; वह फिर कभी बसाया न जाएगा।

यशायाह 25:3

यहोवा नगर को ढेर, आदि बना डालने के बाद प्रतिक्रिया क्या होगी?

बलवन्त राज्य के लोग यहोवा की महिमा करेंगे; भयंकर जातियों के नगरों में उनका भय माना जाएगा।

यशायाह 25:6–7

यहोवा पर्वत पर सब देशों के लोगों के लिये और उनके साथ क्या करेंगे?

वे सब देशों के लोगों के लिये भोज तैयार करेंगे जिसमें भाँति-भाँति का चिकना भोजन होगा और जो परदा सब देशों के लोगों पर पड़ा है, जो घूँघट सब जातियों पर लटका हुआ है, उसे वे इसी पर्वत पर नाश करेंगे।

यशायाह 25:8

यहोवा अपनी प्रजा के लिये क्या नाश करेंगे, पोंछ डालेंगे और दूर करेंगे?

वे मृत्यु का नाश करेंगे, सभी के मुख पर से आँसू पोंछ डालेंगे और अपनी प्रजा की नामधराई सारी पृथ्वी पर से दूर करेंगे।

यशायाह 25:9

उस समय क्या कहा जाएगा?

यह कहा जाएगा: "देखो, हमारा परमेश्वर यही है; हम इसी की बाट जोहते आए हैं, कि वह हमारा उद्धार करे। यहोवा यही है; हम उसकी बाट जोहते आए हैं। हम उससे उद्धार पाकर मगन और आनन्दित होंगे।"

यशायाह 25:10

मोआब की दशा की तुलना किससे की गई है?

मोआब की दशा की तुलना उस पुआल से की जाती है, जो घूरे लताड़ा जाता है।

यशायाह 26:1

उस समय यह गीत कहाँ गाया जाएगा?

यह गीत यहूदा देश में गाया जाएगा।

यशायाह 26:1 (#2)

परमेश्वर ने नगर को कैसे दृढ़ किया है?

उन्होंने उद्धार का काम देने के लिये उसकी शहरपनाह और गढ़ को नियुक्त किया हैं।

यशायाह 26:2

नगर के फाटकों को किनके लिये खोले जाएँगे?

सच्चाई का पालन करनेवाली एक धर्मी जाति के लिये फाटक खोले जाएँगे।

यशायाह 26:4

हमें किस पर भरोसा रखना चाहिए और हमें कब तक भरोसा रखना चाहिए?

हमें यहोवा पर हमेशा भरोसा रखना चाहिए।

यशायाह 26:5-6

ऊँचे पदवाले, जो नगर ऊँचे पर बसा है, उनका क्या होगा?

यहोवा उन्हें झुका देते; जो नगर ऊँचे पर बसा है उसको वे नीचे कर देते हैं। वह पाँवों से, वरन् दरिद्रों के पैरों से रौंदा जाएगा।

यशायाह 26:8

हमारे प्राणों में लालसा किसकी बनी रहती है?

यहोवा के नाम के स्मरण की हमारे प्राणों में लालसा बनी रहती है।

यशायाह 26:9

जब न्याय के काम पृथ्वी पर प्रगट होते हैं, तब क्या होता है?

जब न्याय के काम प्रगट होते हैं, तब जगत के रहनेवाले धार्मिकता को सीखते हैं।

यशायाह 26:10

जब दुष्ट पर दया की जाएगी, तब भी वह क्या करेगा?

वह धार्मिकता को नहीं सीखेगा।

यशायाह 26:12

यहोवा ने यहूदा के लिये क्या किया है और वे यहूदा के लिये क्या ठहराएँगे?

यहोवा हमने जो कुछ किया है उसे आप ही ने हमारे लिये किया है और यहूदा के लिये शान्ति ठहराएँगे।

यशायाह 26:13-14

यहूदा पर प्रभुता करने वाले अन्य स्वामियों का क्या हुआ?

वे मर गए हैं, फिर कभी जीवित नहीं होंगे; उनको मरे बहुत दिन हुए, वे फिर नहीं उठने के। यहोवा ने उनका विचार करके उनको नाश किया हैं।

यशायाह 26:16

यहूदा ने यहोवा को कब स्मरण किया?

उन्होंने दुःख में यहोवा को स्मरण किया; जब यहोवा उन्हें ताड़ना देते थे।

यशायाह 26:19

मिट्टी में बसनेवालें को क्यों जागकर जयजयकार करना चाहिए?

उन्हें जागकर जयजयकार करना चाहिए क्योंकि मरे हुए लोग जीवित होंगे, वे उठ खड़े होंगे।

यशायाह 26:20

लोगों को अपनी-अपनी कोठरी में प्रवेश करके किवाड़ों को बन्द करने के लिये क्यों कहा गया है?

उन्हें ऐसा इसलिए करना है ताकि जब तक क्रोध शान्त न हो तब तक वे अपने आपको छिपा रखे।

यशायाह 26:21

यहोवा क्या करने वाले हैं?

यहोवा पृथ्वी के निवासियों को अधर्म का दण्ड देने के लिये अपने स्थान से चले आते हैं।

यशायाह 27:1

उस समय यहोवा अपनी तलवार से क्या करेंगे?

यहोवा लिव्यातान नामक सर्प को दण्ड देंगे, और जो अजगर समुद्र में रहता है उसको भी घात करेंगे।

यशायाह 27:2-3

उस समय यहोवा दाख की बारी के साथ क्या करेंगे?

वे उसकी रक्षा करेंगे, क्षण-क्षण उसको सींचते रहेंगे और रात-दिन उसकी रक्षा करते रहेंगे।

यशायाह 27:4–5

भाँति-भाँति के कटीले पेड़ उनके शरण नहीं लेते और उनके साथ मेल नहीं करते, तब यहोवा क्या करेंगे?

यहोवा उन पर पाँव बढ़ाकर उनको पूरी रीति से भस्म कर देंगे।

यशायाह 27:6

भविष्य में याकूब और इस्राएल क्या करेंगे?

याकूब जड़ पकड़ेंगे; और इस्राएल फूले-फलेंगे, और उनके फलों से जगत भर जाएगा।

यशायाह 27:9

याकूब के पाप के दूर होने का प्रतिफल क्या होगा?

वे वेदी के सब पत्थरों को चूना बनाने के पत्थरों के समान चकनाचूर करेंगे, और अशेरा और सूर्य की प्रतिमाएँ फिर खड़ी न रहेंगी।

यशायाह 27:11

इस्राएल के कर्ता उन पर दया क्यों नहीं करेंगे?

क्योंकि ये लोग निर्बुद्धि हैं; इसलिए यहोवा उन पर दया नहीं करेंगे।

यशायाह 27:12

उस समय इस्राएली कैसे इकट्ठे किए जाएँगे?

उन्हें एक-एक करके इकट्ठे किए जाएँगे।

यशायाह 27:13

कौन यरूशलेम में पवित्र पर्वत पर यहोवा को दण्डवत् करेंगे?

अश्शूर देश में नाश हो रहे थे और जो मिस्र देश में बरबस बसाए हुए थे वे यरूशलेम में पवित्र पर्वत पर यहोवा को दण्डवत् करेंगे।

यशायाह 28:1

एप्रैम का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

एप्रैम का वर्णन घमण्डी और मतवाले के रूप में किया गया है।

यशायाह 28:1 (#2)

एप्रैम की सुन्दरता को क्या हो रहा है?

एप्रैम की सुन्दरता मुर्झा रही है।

यशायाह 28:2

प्रभु के बल और सामर्थ की तुलना किससे की गई है?

उनकी तुलना ओले की वर्षा या उजाड़नेवाली आँधी या बाढ़ की प्रचण्ड धार से की गई है।

यशायाह 28:2 (#2)

प्रभु का बल और सामर्थ क्या करेंगे?

वे उसको कठोरता से भूमि पर गिरा देंगे।

यशायाह 28:4

एप्रैम की भड़कीली सुन्दरता का मुर्झानेवाला फूल की तुलना किससे की जा सकती है?

वह ग्रीष्मकाल से पहले पके अंजीर के समान होगा, जिसे देखनेवाला देखते ही हाथ में ले और निगल जाए।

यशायाह 28:5–6

उस समय यहोवा अपनी प्रजा के बचे हुओं के लिये क्या ठहरेंगे?

यहोवा सुन्दर और प्रतापी मुकुट ठहरेंगे, और जो न्याय करने को बैठते हैं उनके लिये न्याय करनेवाली आत्मा और जो चढ़ाई करते हुए शत्रुओं को नगर के फाटक से हटा देते हैं, उनके लिये वे बल ठहरेंगे।

यशायाह 28:7

कौन दाखमधु के कारण डगमगाते और मदिरा से लड़खड़ाते हैं?

यहोवा की अपनी प्रजा के बचे हुए, याजक और नबी।

यशायाह 28:7 (#2)

याजक और नबी किसमें भटक जाते और भूल करते हैं?

वे दर्शन पाते हुए भटके जाते, और न्याय में भूल करते हैं।

यशायाह 28:11

यहोवा इन लोगों से कैसे बातें करेंगे?

वे उनसे परदेशी होठों और विदेशी भाषावालों के द्वारा बातें करेंगे।

यशायाह 28:12

जब यहोवा ने उनसे कहा, तब क्या हुआ?

उन्होंने सुनना न चाहा।

यशायाह 28:13

अब जब यह लोग यहोवा का वचन सुनेंगे, तब परिणाम क्या होगा?

वे ठोकर खाकर चित्त गिरेंगे और घायल हो जाएँगे, और फंदे में फँसकर पकड़े जाएँगे।

यशायाह 28:15

यरूशलेमवासी प्रजा के हाकिमों ने क्या कहा?

उन्होंने कहा कि उन्होंने मृत्यु से वाचा बाँधी और अधोलोक से प्रतिज्ञा कराई थी; इस कारण विपत्ति जब बाढ़ के समान बढ़ आए तब उनके पास न आएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने झूठ की शरण ली और मिथ्या की आड़ में छिप गए थे।

यशायाह 28:16

प्रभु यहोवा सिय्योन में क्या रखेंगे?

वे एक नींव का पत्थर रखेंगे, एक परखा हुआ पत्थर, कोने का अनमोल और अति दृढ़ नींव के योग्य पत्थर।

यशायाह 28:16 (#2)

यदि वे इस नींव के पत्थर पर विश्वास रखें, तो क्या होगा?

यदि वे इस नींव के पत्थर पर विश्वास रखें, तो वे उतावली नहीं करेंगे।

यशायाह 28:17

झूठ का शरणस्थान और छिपने के स्थान का क्या होगा?

झूठ का शरणस्थान ओलों से बह जाएगा, और छिपने का स्थान जल से डूब जाएगा।

यशायाह 28:18

यरूशलेमवासी प्रजा के हाकिमों ने जो मृत्यु से वाचा बाँधी और अधोलोक से प्रतिज्ञा कराई है, उसका क्या होगा?

वह वाचा टूट जाएगी और प्रतिज्ञा न ठहरेगी, और जब विपत्ति बाढ़ के समान बढ़ आए, तब वे उसमें डूब ही जाएँगे।

यशायाह 28:22

यशायाह क्या कहते हैं कि ठट्ठा करने के क्या परिणाम होंगे?

वह उन्हें चेतावनी देते हैं कि ठट्ठा न करें, नहीं तो उनके बन्धन कसे जाएँगे।

यशायाह 29:1

अरीएल क्या है?

अरीएल वह नगर है जिसमें दाऊद छावनी किए हुए रहे।

यशायाह 29:3-4

यहोवा अरीएल का क्या करेंगे?

वे अरीएल को कोटों से घेर लेंगे और उसे गिराकर भूमि में डाला जाएगा।

यशायाह 29:5

अरीएल को गिराकर भूमि में डालना, कितना समय लगेगा ?

यह अचानक होगा।

यशायाह 29:7

कौन अरीएल से युद्ध करेगी और उसके गढ़ के विरुद्ध लड़ेंगे?

जातियों की सारी भीड़ अरीएल से युद्ध करेगी।

यशायाह 29:10

यहोवा ने अरीएल को किसमें डाल दिया है?

उन्होंने ने उनको भारी नींद में डाल दिया है।

यशायाह 29:10 (#2)

भारी नींद में डाल देने से, उन पर क्या होता है?

उन्होंने नबीरूपी आँखों को बन्द कर दिया है और दर्शीरूपी सिरों पर परदा दिया है।

यशायाह 29:13

इन लोगों के विरुद्ध प्रभु की कुड़कुड़ाहट क्या थी?

प्रभु ने कहा, "ये लोग जो मुँह से मेरा आदर करते हुए समीप आते परन्तु अपना मन मुझसे दूर रखते हैं, और जो केवल मनुष्यों की आज्ञा सुन सुनकर मेरा भय मानते हैं।"

यशायाह 29:14

चूँकि वे अपना मन प्रभु से दूर रखते हैं और वे उनका आदर नहीं करते, इसलिए प्रभु उनके साथ क्या करेंगे?

वे बुद्धिमानों की बुद्धि नष्ट कर देंगे और प्रवीणों की प्रवीणता जाती रहेगी।

यशायाह 29:17

थोड़े ही दिनों के बीतने पर लबानोन के साथ क्या होने वाला है?

लेबनान एक फलदाई बारी बन जाएगा और वह फलदाई बारी जंगल में गिनी जाएगी।

यशायाह 29:18

उस समय बहरे और अंधे क्या करेंगे?

बहरे पुस्तक की बातें सुनने लगेंगे और अंधे जिन्हें अभी कुछ नहीं सूझता, वे देखने लगेंगे।

यशायाह 29:19

नम्र लोग और दरिद्र मनुष्य क्या करेंगे?

वे यहोवा के कारण फिर आनन्दित होंगे और इस्राएल के पवित्र के कारण मगन होंगे।

यशायाह 29:20

जो अनर्थ करने के लिये जागते रहते हैं, उनका क्या होगा?

वे सब मिट जाएँगे।

यशायाह 29:23

याकूब के घराने यहोवा के नाम को कब पवित्र ठहराएँगे?

वे यहोवा के नाम को पवित्र ठहराएँगे जब उनके सन्तान यहोवा के काम देखेंगे, जो उन्होंने उनके बीच में की है।

यशायाह 29:24

जिनका मन भटका हो और जो कुड़कुड़ाते हैं, उनका क्या होगा?

जिनका मन भटका हो वे बुद्धि प्राप्त करेंगे, और जो कुड़कुड़ाते हैं वह शिक्षा ग्रहण करेंगे।

यशायाह 30:1

यहोवा ने कहा कि बलवा करनेवाले लड़के क्या करते हैं?

उन्होंने कहा कि वे युक्ति तो करते परन्तु उनकी ओर से नहीं; वाचा तो बाँधते परन्तु उनकी आत्मा के सिखाए नहीं; और इस प्रकार पाप पर पाप बढ़ाते हैं।

यशायाह 30:2

बलवा करनेवाले लड़के किसकी रक्षा में रह रहे हैं?

वे फ़िरौन की रक्षा में रह रहे और मिस्र की छाया में शरण ले रहे हैं।

यशायाह 30:3

बलवा करनेवाले लड़कों के लिये फ़िरौन का शरणस्थान और मिस्र की छाया क्या होगी?

फ़िरौन का शरणस्थान लज्जा का, और मिस्र की छाया उनके लिये निन्दा का कारण होगा।

यशायाह 30:7

बलवा करनेवाले लड़कों के लिये मिस्र की सहायता कितनी मूल्यवान है?

मिस्र की सहायता व्यर्थ और निकम्मी है।

यशायाह 30:8

यहोवा क्यों चाहते हैं कि यशायाह इसको उनके सामने पटिया पर खोद, और पुस्तक में लिखे?

यहोवा चाहते हैं कि वह भविष्य के लिये वरन् सदा के लिये साक्षी बनी रहे।

यशायाह 30:9

बलवा करनेवाले लोग क्या सुनना नहीं चाहते?

वे यहोवा की शिक्षा को सुनना नहीं चाहते।

यशायाह 30:10

बलवा करनेवाले लड़के क्या सुनना चाहते हैं?

वे चिकनी-चुपड़ी बातें और धोखा देनेवाली नबूवत सुनना चाहते हैं।

यशायाह 30:15

यहोवा कहते हैं कि बलवा करनेवाले लड़कों का उद्धार और वीरता किसमें हैं?

यहोवा कहते हैं कि लौट आने और शान्त रहने में उनका उद्धार है; शान्त रहने और भरोसा रखने में उनकी वीरता है।

यशायाह 30:16

बलवा करनेवाले लड़कों ने यहोवा को क्या उत्तर दिया?

उन्होंने कहा, "नहीं, हम तो घोड़ों पर चढ़कर भागेंगे।" और, "हम तेज सवारी पर चलेंगे।"

यशायाह 30:16 (#2)

घोड़ों पर चढ़कर भागने और तेज सवारी पर चलने के विषय में बलवा करनेवाले लड़कों के कथन पर यहोवा का उत्तर क्या है?

यहोवा बलवा करनेवाले लड़कों को उत्तर देते हैं कि वे भागेंगे, उनका पीछा करनेवाले उससे भी तेज होंगे।

यशायाह 30:17

यहोवा ने कहा कि एक ही की धमकी से कितने भागेंगे?

यहोवा ने कहा कि एक ही की धमकी से एक हजार भागेंगे।

यशायाह 30:18

यहोवा क्या करने में विलम्ब करते हैं और किसके लिये ऊँचे उठेंगे?

वे बलवा करनेवाले लड़कों पर अनुग्रह करने और उन पर दया करने में विलम्ब करते हैं।

यशायाह 30:18 (#2)

वे जो यहोवा पर आशा लगाए रहते हैं, उनका क्या होता है?

वे धन्य होंगे।

यशायाह 30:20

चाहे प्रभु उन्हें विपत्ति की रोटी और दुःख का जल भी दे, तो भी उनके उपदेशक क्या न होंगे?

उनके उपदेशक फिर न छिपें, और वे अपनी आँखों से अपने उपदेशकों को देखते रहेंगे।

यशायाह 30:22

बलवा करनेवाले लड़के अपनी खुदी हुई मूर्तियों और सोने से ढली हुई मूर्तियों के साथ क्या करेंगे?

वे उनको अशुद्ध करेंगे और उन्हें फेंक देंगे।

यशायाह 30:26

उस महासंहार के समय जब गुम्मट गिर पड़ेंगे, तब यहोवा अपनी प्रजा के लोगों के लिये क्या करेंगे?

यहोवा अपनी प्रजा के लोगों का घाव बाँधेंगे और उनकी चोट चंगा करेंगे।

यशायाह 30:30

यहोवा अपनी प्रतापीवाणी को कैसे प्रगट करेंगे और अपने भुजबल को कैसे दिखाएँगे?

वे उन्हें अपने क्रोध भड़काते और आग की लौ से भस्म करते हुए, और प्रचण्ड आँधी और अति वर्षा और ओलों के साथ प्रगट करेंगे।

यशायाह 30:31

यहोवा के शब्द और उनका भुजबल किसकी ओर होंगे?

वे अश्शूर की ओर होंगे। अश्शूर यहोवा के शब्द की शक्ति से नाश हो जाएगा, वे उसे सोंटे से मारेंगे।

यशायाह 30:32

जब जब यहोवा उसको दण्ड देंगे, तब-तब साथ में क्या होगा?

तब-तब साथ ही डफ और वीणा बजेंगी; और यहोवा हाथ बढ़ाकर उसको लगातार मारते रहेंगे।

यशायाह 30:33

अश्शूर के राजा के लिये क्या तैयार किया गया है?

अश्शूर के राजा के लिये तोपेत तैयार किया गया है।

यशायाह 30:33 (#2)

अश्शूर के राजा के लिए तैयार की गई आग को कौन प्रज्वलित करेगा?

यहोवा की सांस इसे प्रज्वलित करेगी।

यशायाह 31:1

जो सहायता पाने के लिये मिस्र को जाते हैं, उन पर हाय क्यों कहा जाता है?

उन पर हाय इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे रथों और सवारों पर भरोसा रखते हैं, पर इस्राएल के पवित्र की ओर दृष्टि नहीं करते और न यहोवा की खोज करते हैं।

यशायाह 31:2

यहोवा उठकर किस पर चढ़ाई करेंगे?

वे उठकर कुकर्मियों के घराने पर और अनर्थकारियों के सहायकों पर चढ़ाई करेंगे।

यशायाह 31:3

तब सहायता करनेवाले और सहायता चाहनेवाले दोनों के साथ क्या होगा?

वे सब के सब एक संग नष्ट हो जाएँगे।

यशायाह 31:5

यहोवा यरूशलेम के लिये क्या करेंगे?

वे इसकी रक्षा करेंगे, इसे बचाएँगे और उद्धार करेंगे।

यशायाह 31:6

यशायाह इस्राएलियों से क्या करने को कहते हैं?

वह जिन्होने ने यहोवा के विरुद्ध भारी बलवा किया है, यहोवा की ओर फिरने को कहते हैं।

यशायाह 31:8

जब अश्शूर तलवार से गिराया जाएगा, तब उसके जवान किसमें पकड़े जाएँगे?

अश्शूर के जवान बेगार में पकड़े जाएँगे।

यशायाह 32:2

एक धर्मी राजा और सच्चा राजकुमार कैसे होंगे?

वे मानो आँधी से छिपने का स्थान, और बौछार से आड़ होंगे, या निर्जल देश में जल के झरने, व तप्त भूमि में बड़ी चट्टान की छाया।

यशायाह 32:4

एक राजा धार्मिकता से राज्य करेगा, और राजकुमार न्याय से हुकूमत करेंगे, तब उतावलों के मन और तुतलानेवालों की जीभ क्या करेगी?

उतावलों के मन ज्ञान की बातें समझेंगे, और तुतलानेवालों की जीभ फुर्ती से और साफ बोलेगी। मूर्ख फिर उदार न कहलाएगा और न कंजूस दानी कहा जाएगा।

यशायाह 32:6

मूर्ख क्या करता है?

वह मूर्खता ही की बातें बोलता और मन में अनर्थ ही गढ़ता रहता है कि वह अधर्म के काम करे और यहोवा के विरुद्ध झूठ कहे।

यशायाह 32:7

छली क्या करता है?

उसकी चालें बुरी होती हैं, वह दुष्ट युक्तियाँ निकालता है कि दरिद्र को भी झूठी बातों में लूटे।

यशायाह 32:8

उदार मनुष्य के साथ क्या होगा?

वह उदारता में स्थिर भी रहेगा।

यशायाह 32:9–10

सुखी स्त्रियों से यशायाह की सुनने के लिये क्यों कहा गया?

उन्हें यशायाह की सुनने के लिये कहा गया क्योंकि वर्ष भर से कुछ ही अधिक समय में वे विकल हो जाएगी, क्योंकि तोड़ने को दाखें न होंगी और न किसी भाँति के फल हाथ लगेंगे।

यशायाह 32:14

राजभवन और कोलाहल से भरा नगर के साथ क्या होने वाला था?

राजभवन को त्याग दिया जाने वाला था और कोलाहल से भरा नगर सुनसान होने वाला था।

यशायाह 32:15

सुनसान कितने समय तक रहेगा?

यह तब तक रहेगा जब तक आत्मा ऊपर से उण्डेला न जाए, और जंगल फलदायक बारी न बने, और फलदायक बारी फिर वन न गिनी जाए।

यशायाह 32:17

धार्मिकता धार्मिकता का फल और उसका परिणाम क्या होगा?

धार्मिकता का फल शान्ति और उसका परिणाम सदा का चैन और निश्चिन्त रहना होगा।

यशायाह 32:20

कौन है वे जो धन्य होंगे?

धन्य वे हैं जो सब जलाशयों के पास बीज बोते, और बैलों और गदहों को स्वतंत्रता से चराते हो।

यशायाह 33:1

जब नाश करनेवाले को नाश नहीं किया गया था और विश्वासघाती के साथ विश्वासघात नहीं किया गया, तब उनके साथ क्या होगा?

नाश करनेवाले का नाश किया जाएगा और विश्वासघाती के साथ विश्वासघात किया जाएगा।

यशायाह 33:3

यहोवा के उठने पर क्या होता है?

अन्यजातियाँ तितर-बितर हो जाते हैं।

यशायाह 33:5

यहोवा सिय्योन को किससे परिपूर्ण करेंगे?

वे सिय्योन को न्याय और धार्मिकता से परिपूर्ण करेंगे।

यशायाह 33:6

उनके दिनों में यहोवा क्या होंगे?

उनके दिनों में वे उद्धार, बुद्धि और ज्ञान की बहुतायत का आधार होंगे।

यशायाह 33:8

उनके शूरवीर क्यों चिल्ला रहे थे और संधि के दूत बिलख-बिलख कर क्यों रो रहे थे?

वे चिल्ला रहे थे और रो रहे थे क्योंकि राजमार्ग सुनसान पड़े थे; उन पर यात्री अब नहीं चलते थे। उसने वाचा को टाल दिया, नगरों को तुच्छ जाना, उसने मनुष्य को कुछ न समझा।

यशायाह 33:10

जब यहोवा उठेंगे तो परिणाम क्या होगा?

यहोवा अपना प्रताप दिखाएँगे और महान ठहरेंगे।

यशायाह 33:11–12

सिय्योन में जो सूखी घास का गर्भ रहेगा और भूसी उत्पन्न होगा, उनके साथ क्या होगा?

उनकी साँस आग है जो उन्हें भस्म करेगी। देश-देश के लोग फूँके हुए चूने के सामान हो जाएँगे।

यशायाह 33:14

सिय्योन के पापी की प्रतिक्रिया क्या है?

सिय्योन के पापी थरथरा गए हैं; भक्तिहीनों को कँपकँपी लगी है।

यशायाह 33:15

सिय्योन में उनमें से कौन प्रचण्ड आग में और कौन उस आग में बना रह सकता है जो कभी नहीं बुझेगी?

जो इस आग बने रह सकते हैं, वे वही हैं जो धार्मिकता से चलते और सीधी बातें बोलते हैं; जो अंधेर के लाभ से घृणा करते, जो खून की बात सुनने से कान बन्द करते, और बुराई देखने से आँख मूँद लेते हैं।

यशायाह 33:15–16

जो धार्मिकता से चलते और सीधी बातें बोलते हैं, वे कहाँ निवास करेंगे?

जो धार्मिकता से चलते और सीधी बातें बोलते हैं, वे ऊँचे स्थानों में निवास करेंगे।

यशायाह 33:22

यहोवा कौन हैं और वे क्या करेंगे?

यहोवा हमारा न्यायी, यहोवा हमारा हाकिम, यहोवा हमारा राजा है; वही हमारा उद्धार करेंगे।

यशायाह 33:23

जब बड़ी लूट छीनकर बाँटी गई, तब लूट के भागी कौन हुए?

लँगड़े लोग भी लूट के भागी हुए।

यशायाह 34:1

कौन सुनने के लिये निकट आकर और ध्यान से सुने?

जाति-जाति के लोग, पृथ्वी भी, और जो कुछ उसमें है, जगत और जो कुछ उसमें उत्पन्न होता है, उन्हें सुनने के लिये निकट आकर और ध्यान से सुनना चाहिए।

यशायाह 34:2

जाति-जाति के लोग, पृथ्वी भी, और जो कुछ उसमें है, जगत और जो कुछ उसमें उत्पन्न होता है, उन्हें क्यों सुनने के लिये निकट आना और ध्यान से सुनना चाहिए?

उन्हें यह करना होगा क्योंकि यहोवा सब जातियों पर क्रोध कर रहे हैं, और उनकी सारी सेना पर उनकी जलजलाहट भड़की हुई है।

यशायाह 34:2 (#2)

यहोवा ने जातियों और उनकी सेना पर क्या किया है?

उन्होंने उनको सत्यानाश होने, और संहार होने को छोड़ दिया है।

यशायाह 34:4

सारे गण और आकाश का क्या होगा?

आकाश के सारे गण जाते रहेंगे और आकाश कागज के समान लपेटा जाएगा; और उसके सारे गण धुँधले होकर जाते रहेंगे।

यशायाह 34:5

यहोवा की तलवार आकाश में पीकर तृप्त होने के बाद यहोवा क्या करेंगे?

फिर उनकी तलवार न्याय करने को एदोम पर, और जिन पर उनका श्राप है उन पर पड़ेगी।

यशायाह 34:6

यहोवा का बोस्रा नगर में और एदोम देश में क्या हुआ है?

यहोवा का बोस्रा नगर में एक यज्ञ और एदोम देश में बड़ा संहार हुआ है।

यशायाह 34:9–10

एदोम देश का क्या होगा?

उसकी नदियाँ राल से और उसकी मिट्टी गन्धक से बदल जाएगी। उसकी भूमि जलती हुई राल बन जाएगी। वह उजाड़ पड़ा रहेगा; कोई उसमें से होकर कभी न चलेगा।

यशायाह 34:11

सामान्यतः एदोम में क्या पाए जाएँगे?

धनेश पक्षी और साही एदोम में पाए जाएँगे।

यशायाह 34:17

एदोम कब तक धनेश पक्षी और साही का बना रहेगा?

वह सर्वदा उनका ही बना रहेगा और वे पीढ़ी से पीढ़ी तक उसमें बसे रहेंगे।

यशायाह 35:1

मरूभूमि का क्या होगा?

वह मगन होकर केसर के समान फूलेगी।

यशायाह 35:2

मरूभूमि किसकी सी होगी?

उसकी शोभा लबानोन की सी होगी और वह कर्मेल और शारोन के तुल्य तेजोमय हो जाएगी।

यशायाह 35:2 (#2)

जंगल, निर्जल देश और मरूभूमि क्या देखेंगे?

वे यहोवा की शोभा और हमारे परमेश्वर का तेज देखेंगे।

यशायाह 35:4

घबरानेवालों को क्यों हियाव बाँधना और नहीं डरना चाहिए?

क्योंकि उनका परमेश्वर बदला लेने और प्रतिफल देने को आ रहे हैं। हाँ, परमेश्वर आकर उनका उद्धार करेंगे।

यशायाह 35:5–7

जब उनके परमेश्वर आएँगे, तो कौन-कौन सी बातें होंगी?

अंधों की आँखें खोली जाएँगी। बहरों के कान भी खोले जाएँगे। लँगड़ा चौकड़ियाँ भरेगा। गूँगे अपनी जीभ से जयजयकार करेंगे। जंगल में जल के सोते फूट निकलेंगे और मरूभूमि में नदियाँ बहने लगेंगी। मृगतृष्णा ताल बन जाएगी और सूखी भूमि में सोते फूटेंगे। जिस स्थान में सियार बैठा करते हैं उसमें घास और नरकट और सरकण्डे होंगे।

यशायाह 35:8

उस समय जो राजमार्ग दिखाई देगा उसका नाम क्या होगा?

वहाँ एक सड़क अर्थात् राजमार्ग होगा, उसका नाम पवित्र मार्ग होगा।

यशायाह 35:8–9

राजमार्ग पर कौन चलेंगे और कौन नहीं चलेंगे?

कोई अशुद्ध जन उस पर से न चलने पाएगा और मूर्ख भी हों तो भी कभी न भटकेंगे। वहाँ सिंह न होगा ओर न कोई हिंसक जन्तु उस पर चढ़ेगा। वह तो उन्हीं के लिये रहेगा और उस मार्ग पर जो चलेंगे। छुड़ाए हुए उसमें नित चलेंगे।

यशायाह 35:10

यहोवा के छुड़ाए हुए लोग जब लौटेंगे, तब क्या होगा?

उनके सिर पर सदा का आनन्द होगा; वे हर्ष और आनन्द पाएँगे और शोक और लम्बी साँस का लेना जाता रहेगा।

यशायाह 36:1

हिजकिय्याह राजा के राज्य के चौदहवें वर्ष में क्या हुआ?

अश्शूर के राजा सन्हेरीब ने यहूदा के सब गढ़वाले नगरों पर चढ़ाई करके उनको ले लिया।

यशायाह 36:2

अश्शूर के राजा ने लाकीश से यरूशलेम के पास हिजकिय्याह राजा के विरुद्ध किसे भेजा?

अश्शूर के राजा ने रबशाके को भेजा।

यशायाह 36:2 (#2)

रबशाके कहाँ जाकर खड़ा हुआ?

वह उत्तरी जलकुण्ड की नाली के पास धोबियों के खेत की सड़क पर जाकर खड़ा हुआ।

यशायाह 36:3

रबशाके से मिलने को कौन बाहर निकल गए?

हिल्कियाह का पुत्र एलयाकीम, शेबना जो मंत्री था, और आसाप का पुत्र योआह जो इतिहास का लेखक था, रबशाके से मिलने को बाहर निकल गए।

यशायाह 36:6

रबशाके ने कहा कि मिस्र का राजा फ़िरौन उन सब के साथ ऐसा क्या करता है जो उस पर भरोसा रखते हैं?

रबशाके ने कहा कि फ़िरौन कुचले हुए नरकट था, उस पर यदि कोई टेक लगाए तो वह उसके हाथ में चुभकर छेद कर देगा।

यशायाह 36:8

रबशाके ने कहा कि यदि हिजकिय्याह अश्शूर के राजा के साथ वाचा बाँधेंगे, तो अश्शूर का राजा क्या करेगा?

रबशाके ने कहा कि अश्शूर के राजा हिजकिय्याह को दो हजार घोड़े देगा।

यशायाह 36:10

रबशाके ने कहा कि किसने उसे यहूदा पर चढ़ाई करके उसे उजाड़ देने के लिये कहा था?

रबशाके ने कहा कि यहोवा ने उसे यहूदा पर चढ़ाई करके उसे उजाड़ देने के लिए कहा था।

यशायाह 36:11–12

एलयाकीम, शेबना और योआह ने रबशाके से अरामी में बात करने को क्यों कहा?

वे नहीं चाहते थे कि शहरपनाह पर बैठे हुए लोग सुनें और समझें कि क्या कहा जा रहा है।

यशायाह 36:13

रबशाके ने एलयाकीम, शेबना और योआह की अरामी भाषा में बात करने की विनती पर क्या प्रतिक्रिया दी?

रबशाके ने खड़े होकर यहूदी भाषा में ऊँचे शब्द से कहा।

यशायाह 36:13–15

संक्षेप में, रबशाके ने हिजकिय्याह के विषय में अश्शूर के राजा की क्या बातें कही?

उसने कहा कि हिजकिय्याह उनको धोखा न दें क्योंकि हिजकिय्याह उनको बचा न सकेगा और उसने कहा कि यहोवा पर भरोसा न करें।

यशायाह 36:16–17

राजा अश्शूर ने कहा कि यदि यहूदी भेंट भेजकर उसे प्रसन्न करें और उसके पास निकल आएँ, तब क्या होगा?

उन्होंने कहा कि यहूदी अपनी-अपनी दाखलता और अंजीर के वृक्ष के फल खा पाओगे, और अपने-अपने कुण्ड का पानी पिया करोगे, जब तक कि वह आकर यहूदियों को ऐसे देश में न ले जाए जो उनके देश के समान अनाज और नये दाखमधु का देश और रोटी और दाख की बारियों का देश है।

यशायाह 36:21

रबशाके की बात पर क्या प्रतिक्रिया थी?

वे चुप रहे और उसके उत्तर में एक बात भी न कही, क्योंकि राजा की ऐसी आज्ञा थी कि उसको उत्तर न देना।

यशायाह 36:22

रबशाके की बात के बाद एलयाकीम, शेबना और योआह ने क्या किया?

वे हिजकिय्याह के पास वस्त्र फाड़े हुए जाकर रबशाके की बातें कह सुनाई।

यशायाह 37:1–2

जब हिजकिय्याह ने एलयाकीम, शेबना और योआह की बातें सुनी, तब उन्होंने क्या किया?

हिजकिय्याह ने अपने वस्त्र फाड़ और टाट ओढ़कर यहोवा के भवन में गए। उन्होंने एलयाकीम, शेबना और याजकों के पुरनियों को यशायाह नबी के पास भेज दिया।

यशायाह 37:4

हिजकिय्याह ने यशायाह से क्या करने को कहा?

उन्होंने यशायाह से कहा कि वह यहोवा से इन बचे हुओं के लिये जो रह गए हैं, उनके लिये प्रार्थना करें ।

यशायाह 37:6–7

यशायाह ने हिजकिय्याह के कर्मचारी को क्या सन्देश दिया कि वे हिजकिय्याह के पास वापस ले जाएँ?

यशायाह का सन्देश हिजकिय्याह के लिये था कि जो वचन उन्होंने सुने हैं जिनके द्वारा अश्शूर के राजा के जन रबशाके ने की है, उनके कारण मत डरे। यहोवा अश्शूर के राजा के मन में प्रेरणा उत्पन्न करेंगे, जिससे वह कुछ समाचार सुनकर अपने देश को लौट जाएगा, और वहाँ उसको उसी देश में तलवार से मरवा डाला जाएगा।

यशायाह 37:10

जब अश्शूर के राजा ने कूश के राजा तिर्हाका के विषय यह सुना कि वह उससे लड़ने को निकला है, तब अश्शूर के राजा ने हिजकिय्याह को क्या कहला भेजा?

अश्शूर के राजा ने हिजकिय्याह को एक पत्र में कहा कि हिजकिय्याह का परमेश्वर यह कहकर आपको धोखा न देने पाए कि यरूशलेम अश्शूर के राजा के वश में न पड़ेगा।

यशायाह 37:14–15

हिजकिय्याह ने अश्शूर के राजा का पत्री लेकर पढ़ने के बाद क्या किया?

हिजकिय्याह यहोवा के भवन में जाकर उस पत्री को यहोवा के सामने फैला दिया।

यशायाह 37:17

हिजकिय्याह ने यहोवा से क्या करने की प्रार्थना की?

पहले, हिजकिय्याह ने यहोवा से प्रार्थना की कि वे कान लगाकर सुने और अपनी आँखें खोलकर देखे और सन्हेरीब के सब वचनों को सुन ले। दूसरी, हिजकिय्याह ने यहोवा से यरूशलेम को सन्हेरीब के हाथ से बचाने के लिये प्रार्थना की।

यशायाह 37:20

हिजकिय्याह ने यहोवा से क्या करने की प्रार्थना की?

पहले, हिजकिय्याह ने यहोवा से प्रार्थना की कि वे कान लगाकर सुने और अपनी आँखें खोलकर देखे और सन्हेरीब के सब वचनों को सुन ले। दूसरी, हिजकिय्याह ने यहोवा से यरूशलेम को सन्हेरीब के हाथ से बचाने के लिये प्रार्थना की।

यशायाह 37:20 (#2)

हिजकिय्याह ने परमेश्वर से यरूशलेम को सन्हेरीब से बचाने के लिये कौनसा कारण प्रेरणा के रूप में दिया?

हिजकिय्याह चाहते थे कि यहोवा यरूशलेम को सन्हेरीब से बचाएँ जिससे पृथ्वी के राज्य-राज्य के लोग जान लें कि केवल यहोवा ही परमेश्वर हैं।

यशायाह 37:21

यहोवा ने हिजकिय्याह की प्रार्थना का उत्तर कैसे दिया?

यहोवा ने यशायाह के द्वारा हिजकिय्याह के पास कहला भेजा।

यशायाह 37:23

यहोवा ने हिजकिय्याह को कहला भेजा कि सन्हेरीब ने क्या गलत किया था?

यहोवा ने कहा कि सन्हेरीब ने इस्राएल के पवित्र के विरुद्ध नामधराई और निन्दा की, बड़ा बोल बोला और घमण्ड किया।

यशायाह 37:26

यहोवा ने प्राचीनकाल से क्या ठाना था और पूर्वकाल से किसकी तैयारी की थी?

उन्होंने यह ठाना था और तैयारी की थी कि सन्हेरीब गढ़वाले नगरों को खण्डहर ही खण्डहर कर देगा।

यशायाह 37:28

यहोवा सन्हेरीब के विषय में और क्या जानते थे?

यहोवा जानते थे कि कब सन्हेरीब बैठता, कूच करता, लौट आता, और यहोवा पर अपना क्रोध भड़काता था।

यशायाह 37:29

सन्हेरीब का यहोवा पर अपना क्रोध भड़काने का परिणाम क्या हुआ?

यहोवा ने सन्हेरीब को जिस मार्ग से वह आया था, उसी मार्ग से लौटा दिया।

यशायाह 37:33-34

यहोवा ने यरूशलेम के सम्बन्ध में अश्शूर के राजा के विषय में क्या कहा?

यहोवा ने कहा कि अश्शूर का राजा यरूशलेम में प्रवेश करने, वरन् इस पर एक तीर भी मारने न पाएगा; और न वह ढाल लेकर इसके सामने आने या इसके विरुद्ध दमदमा बाँधने पाएगा।

यशायाह 37:35

यहोवा ने यरूशलेम की रक्षा करने और उसे बचाने का क्या कारण दिया?

उन्होंने कहा कि वे अपने निमित्त और अपने दास दाऊद के निमित्त यरूशलेम की रक्षा करेंगे और उसे बचाएँगे।

यशायाह 37:36

यहोवा के दूत ने क्या किया?

वह निकलकर अश्शूरियों की छावनी में एक लाख पचासी हजार पुरुषों को मार डाला।

यशायाह 37:38

जब सन्हेरीब वहाँ से नीनवे अपने घर चला गया, तब क्या हुआ?

जब वह अपने देवता निस्रोक के मन्दिर में दण्डवत् कर रहा था कि इतने में उसके पुत्र अद्रम्मेलेक और शरेसेर ने उसको तलवार से मारा।

यशायाह 38:1

उन दिनों में हिजकिय्याह के साथ क्या हुआ?

उन दिनों में हिजकिय्याह ऐसे रोगी हुए कि वह मरने पर थे।

यशायाह 38:1 (#2)

यशायाह ने हिजकिय्याह से क्या कहा?

यशायाह ने हिजकिय्याह से कहा, "यहोवा यह कहता है, अपने घराने के विषय जो आज्ञा देनी हो वह दे, क्योंकि तू न बचेगा मर ही जाएगा।'"

यशायाह 38:3

हिजकिय्याह ने यहोवा का सन्देश यशायाह के द्वारा पाने के बाद क्या किया?

उन्होंने यहोवा से प्रार्थना की और यहोवा से यह स्मरण करने के लिये कहा कि वह सच्चाई और खरे मन से अपने को यहोवा के सम्मुख जानकर चलते आए और जो यहोवा की दृष्टि में उचित था वही किया। और हिजकिय्याह बिलख-बिलख कर रोने लगा।

यशायाह 38:5-6

यहोवा ने यशायाह को हिजकिय्याह से क्या कहने को कहा?

उन्होंने कहा कि हिजकिय्याह से कहे कि उन्होंने हिजकिय्याह की प्रार्थना सुनी और उसके आँसू देखे हैं। यहोवा ने हिजकिय्याह से कहा कि वे हिजकिय्याह की आयु पन्द्रह वर्ष और बढ़ा देंगे और साथ ही वे अश्शूर के राजा के हाथ से हिजकिय्याह और यरूशलेम की रक्षा करके बचाएँगे।

यशायाह 38:8

यहोवा ने क्या चिन्ह देने को कहा ताकि हिजकिय्याह जान ले कि यहोवा अपने इस कहे हुए वचन को पूरा करेंगे ?

यहोवा ने कहा कि वे धूप की छाया जो आहाज की धूपघड़ी में ढल गई है, उसे दस अंश पीछे की ओर लौटा देंगे।

यशायाह 38:10

हिजकिय्याह ने लेख में हिजकिय्याह ने कहा कि अपनी आयु के बीच ही क्या होगा?

उन्होंने कहा कि वह अधोलोक के फाटकों में प्रवेश करेंगे।

यशायाह 38:11

हिजकिय्याह के लेख की शुरुआत में उन्होंने यहोवा के विषय में क्या कहा?

हिजकिय्याह ने कहा कि वह यहोवा को जीवितों की भूमि में फिर न देखने पाएँगे।

यशायाह 38:16-17

हिजकिय्याह ने अपने दुःख और कड़वाहट के विषय में प्रभु से क्या कहा?

हिजकिय्याह ने कहा कि प्रभु द्वारा इन्हीं बातों से लोग जीवित हैं और यह हिजकिय्याह की शान्ति ही के लिये उन्हें बड़ी कड़वाहट मिली।

यशायाह 38:17

हिजकिय्याह ने कहा कि प्रभु ने उनके पापों के साथ क्या किया?

हिजकिय्याह ने कहा कि प्रभु ने उनके सब पापों को अपनी पीठ के पीछे फेंक दिया है।

यशायाह 38:20

हिजकिय्याह यहोवा द्वारा बचाना कैसे मनाने वाले थे?

हिजकिय्याह ने कहा कि वे जीवन भर यहोवा के भवन में तारवाले बाजों पर अपने रचे हुए गीत गाते रहेंगे।

यशायाह 38:21

यशायाह ने हिजकिय्याह को बचने के लिये क्या करने को कहा?

उन्होंने कहा, "अंजीरों की एक टिकिया बनाकर हिजकिय्याह के फोड़े पर बाँधी जाए, तब वह बचेगा।"

यशायाह 39:1

किसने हिजकिय्याह के पास पत्री और भेंट भेजी?

बलदान का पुत्र मरोदक बलदान, बाबेल के राजा ने हिजकिय्याह के पास पत्री और भेंट भेजी।

यशायाह 39:2

हिजकिय्याह ने उन लोगों को क्या दिखाया जो मरोदक बलदान से पत्री और भेंट लेकर आए थे?

हिजकिय्याह ने उन्हें अपने अनमोल पदार्थों का भण्डार और चाँदी, सोना, सुगन्ध-द्रव्य, उत्तम तेल और अपने अनमोल पदार्थों का भण्डारों में जो-जो वस्तुएँ थी, वे सब उनको दिखलाई। हिजकिय्याह के भवन और राज्य भर में कोई ऐसी वस्तु नहीं रह गई जो उन्होंने उन्हें न दिखाई हो।

यशायाह 39:3-4

यशायाह ने हिजकिय्याह से क्या पूछा?

उन्होंने हिजकिय्याह से पूछा कि वे मनुष्य क्या कह गए, और वे कहाँ से उनके पास आए थे, और हिजकिय्याह के भवन में उन्होंने क्या-क्या देखा।

यशायाह 39:5-6

यशायाह ने हिजकिय्याह से कहा कि कौनसी वस्तुएँ बाबेल को उठ जाएँगी?

यहोवा ने हिजकिय्याह से कहा कि जो कुछ आज के दिन तक उनके पुरखाओं का रखा हुआ उनके भण्डारों में हैं, वह सब बाबेल को उठ जाएगा।

यशायाह 39:8

हिजकिय्याह ने क्यों कहा कि यहोवा का वचन जो यशायाह ने कहा था वह भला ही था?

उन्हें लगा कि यह भला ही था क्योंकि उन्हें कहा कि उनके दिनों में तो शान्ति और सच्चाई बनी रहेगी।

यशायाह 40:2

परमेश्वर अपने लोगों को शान्ति देने के लिए क्या कहते हैं?

वह यरूशलेम से शान्ति से बात करके उन्हें शान्ति देने के लिए कहते हैं, और उसे पुकारकर कहते हैं की उसकी कठिन सेवा पूरी हुई है और उसका अधर्म का दण्ड अंगीकार किया गया है और यहोवा के हाथ से वह अपने सब पापों का दूना दण्ड पा चुका है।

यशायाह 40:3

किसी की पुकार में क्या सुनाई देती है?

किसी की पुकार यह सुनाई देती है, "जंगल में यहोवा का मार्ग सुधारो, हमारे परमेश्वर के लिये अराबा में एक राजमार्ग चौरस करो।"

यशायाह 40:4

इस्राएल की भूमि में क्या परिवर्तन होगा?

हर एक तराई भर दी जाए और हर एक पहाड़ और पहाड़ी गिरा दी जाए; जो टेढ़ा है वह सीधा और जो ऊँचा नीचा है वह चौरस किया जाए।

यशायाह 40:5

यहोवा का तेज किस पर प्रकट होगा?

सब प्राणी यहोवा के तेज को एक संग देखेंगे।

यशायाह 40:8

क्या सदैव अटल रहेगा?

हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा।

यशायाह 40:9

यरूशलेम और यहूदा के नगरों को कौन सी शुभ समाचार सुनाई जानी थी?

शुभ समाचार यह था की, "अपने परमेश्वर को देखो!"

यशायाह 40:10

प्रभु यहोवा कैसे आ रहा है?

प्रभु यहोवा सामर्थ्य दिखाता हुआ आ रहा है।

यशायाह 40:10 (#2)

यहोवा जब आ रहा है तो उसके पास क्या है?

यहोवा जब आ रहा है, तो जो मजदूरी देने की है वह उसके के पास है और जो बदला देने का है वह उसके हाथ में है।

यशायाह 40:15

यहोवा के लिए जातियाँ क्या तुल्य ठहरीं?

यहोवा के लिए जातियाँ तो डोल की एक बूँद या पलड़ों पर की धूल के तुल्य ठहरीं।

यशायाह 40:22

परमेश्वर कहाँ विराजमान हैं?

परमेश्वर पृथ्वी के घेरे के ऊपर आकाशमण्डल पर विराजमान है।

यशायाह 40:23

परमेश्वर बड़े-बड़े हकीमों के साथ क्या करते हैं?

परमेश्वर बड़े-बड़े हाकिमों को तुच्छ कर देते हैं, और पृथ्वी के अधिकारियों को शून्य के समान कर देते हैं।

यशायाह 40:26

यहोवा इन गणों के साथ क्या करते हैं?

वह इन गणों को गिन-गिनकर निकालते हैं और उन सब को नाम ले लेकर बुलाते हैं। वह ऐसा सामर्थी और अत्यन्त बलवन्त है कि उनमें से कोई बिना आए नहीं रहता।

यशायाह 40:28

यहोवा कौन है और वह कैसा है?

यहोवा सनातन परमेश्वर और पृथ्वी भर का सृजनहार है, वह न थकता, न श्रमित होता है, उसकी बुद्धि अगम है।

यशायाह 40:29

यहोवा थके हुए को और शक्तिहीन को क्या देता है?

यहोवा थके हुए को बल देता है और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ्य देता है।

यशायाह 40:31

जो यहोवा की बाट जोहते हैं, उनके साथ क्या होगा?

जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।

यशायाह 41:1

यहोवा किस उद्देश्य से उन्हें कहते हैं, "हम आपस में एक दूसरे के समीप आएँ"?

यहोवा उन्हें कहते हैं कि हम आपस में न्याय के लिये एक दूसरे के समीप आएँ।

यशायाह 41:4

आदि से पीढ़ियों को कौन बुलाता आया है?

आदि से पीढ़ियों को यहोवा ही बुलाता आया है?

यशायाह 41:5–7

वे द्वीप जो देखकर डरते हैं, और पृथ्वी के दूर देश जो काँप उठे, उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?

उनकी प्रतिक्रिया यह है कि वे निकट आ गए और वे एक दूसरे की सहायता करते हैं और उनमें से एक अपने भाई से कहता है, "हियाव बाँध!" अतः वह कील ठोंक-ठोंककर मूर्ति को ऐसा दृढ़ करता है कि वह स्थिर रहे।

यशायाह 41:8–9

यहोवा इस्राएल को क्या कहता है?

यहोवा इस्राएल को अपना दास कहता है, अब्राहम के वंश को अपना मित्र कहता है, और याकूब को अपना चुना हुआ कहता है।

यशायाह 41:9

यहोवा इस्राएल के लिए क्या कहता है कि वह कर रहा है?

यहोवा कहता है कि वह इस्राएल को पृथ्वी के छोर से बुला रहा है।

यशायाह 41:10

यहोवा इस्राएल से क्या न करने के लिए कहता है और क्यों?

यहोवा इस्राएल से कहता है कि मत डर, क्योंकि यहोवा उनके संग है, इधर-उधर मत ताक, क्योंकि वह उनका परमेश्वर है।

यशायाह 41:10 (#2)

यहोवा और क्या कहता है कि वह इस्राएल के लिए करेंगे?

यहोवा कहते है कि वह उन्हें दृढ़ करेंगे, उनकी सहायता करेंगे, और अपने धर्ममय दाहिने हाथ से उन्हें सम्भाले रहेंगे।

यशायाह 41:11

जो इस्राएल से क्रोधित हैं और जो उससे झगड़ते हैं, उनका साथ क्या होगा?

वे लज्जित होंगे और उनके मुँह काले होंगे और वे नाश होकर मिट जाएँगे।

यशायाह 41:16

जब इस्राएल उन लोगों को फटकेगा और पवन उन्हें उड़ा ले जाएगी, और आँधी उन्हें तितर-बितर कर देगी, तब इस्राएल क्या करेगा?

इस्राएल यहोवा के कारण मगन होगा, और इस्राएल के पवित्र के कारण बड़ाई मारेगा।

यशायाह 41:17–18

जब दीन और दरिद्र लोग जल ढूँढ़ने पर भी न पाएँ, तब यहोवा क्या करेगा?

यहोवा कहता है कि वह उनकी विनती सुनेगा, वह मुँण्ड़े टीलों से भी नदियाँ और मैदानों के बीच में सोते बहाएगा, जंगल को ताल और निर्जल देश को सोते ही सोते कर देगा। वह उन्हें त्याग न देगा।

यशायाह 41:21

यहोवा मूर्तियों का अनुसरण करने वालों से क्या कहता है?

यहोवा कहते है, “अपना मुकद्दमा लड़ो, और अपने प्रमाण दो।”

यशायाह 41:22

यहोवा क्या प्रमाण माँगता है ताकि जो मूर्तियों का पालन करते हैं सोचकर जान सके कि भविष्य में उनका क्या फल होगा?

यहोवा कहते है कि भविष्य में क्या घटेगा बताएँ, और पूर्वकाल की घटनाएँ बताएँ की आदि में क्या-क्या हुआ जिससे लोग सोचकर जान सके कि भविष्य में उनका क्या फल होगा।

यशायाह 41:24

यहोवा मूर्तियों और उन्हें चाहने वाले लोगों के बारे में क्या कहता है?

यहोवा कहते है कि मूर्तियाँ कुछ भी नहीं हैं, उनसे कुछ नहीं बनता, और जो कोई उन्हें चाहता है वह घृणित है।

यशायाह 41:25–26

मूर्तिपूजकों में से कौन बतानेवाला या सुनानेवाला है कि एक उत्तर दिशा से उभारा, आ गया है और जैसा कुम्हार गीली मिट्टी को लताड़ता है, वैसा ही वह हाकिमों को कीच के समान लताड़ देगा?

कोई भी बतानेवाला नहीं, उनकी बातों का कोई भी सुनानेवाला नहीं है।

यशायाह 41:27

यहोवा ने पहले सिय्योन से क्या कहा?

यहोवा ही ने पहले सिय्योन से कहा, “देख, उन्हें देख,” और उन्होंने यरूशलेम को एक शुभ समाचार देनेवाला भेजा।

यशायाह 41:28–29

इस अध्याय में मूर्तियों की उपासना करने वालों के बारे में यहोवा के अंतिम वचन क्या हैं?

यहोवा कहते हैं कि: "मैंने देखने पर भी किसी को न पाया; उनमें कोई मंत्री नहीं जो मेरे पूछने पर कुछ उत्तर दे सके। सुनो, उन सभी के काम अनर्थ हैं; उनके काम तुच्छ हैं, और उनकी ढली हुई मूर्तियाँ वायु और मिथ्या हैं।"

यशायाह 42:1

यहोवा अपने दास के लिए क्या कहता है कि उसने किया है?

यहोवा कहते है कि उसने अपने दास को चुना है, जिससे उसका जी प्रसन्न है और उसने उस पर अपना आत्मा रखा है।

यशायाह 42:1 (#2)

यहोवा क्या कहता है कि उसका दास जाति-जाति के लिए क्या प्रगट करेगा?

यहोवा कहते है कि उसका दास जाति-जाति के लिये न्याय प्रगट करेगा।

यशायाह 42:3

यहोवा का दास कुचले हुए नरकट या टिमटिमाती बत्ती के साथ क्या नहीं करेगा?

यहोवा कहते है कि उसका दास कुचले हुए नरकट को न तोड़ेगा और न टिमटिमाती बत्ती को बुझाएगा।

यशायाह 42:5

यहोवा स्वयं का वर्णन कैसे करता है?

वह स्वयं को इस प्रकार वर्णित करता है कि वह आकाश का सृजने और ताननेवाला है, जो उपज सहित पृथ्वी का फैलानेवाला और उस पर के लोगों को साँस और उस पर के चलनेवालों को आत्मा देनेवाला वह है।

यशायाह 42:7

यहोवा अपने चुने हुए दास के माध्यम से अंधों और बन्दियों के लिए क्या करना चाहता था?

यहोवा चाहता था कि उसका दास अंधों की आँखें खोले, बन्दियों को बन्दीगृह से निकाले, और जो अंधकार में बैठे हैं उनको कालकोठरी से निकाले।

यशायाह 42:8

यहोवा क्या कहता है कि वह न देगा?

वह कहता है कि वह अपनी महिमा दूसरे को न देगा, और अपनी स्तुति खुदी हुई मूरतों को न देगा।

यशायाह 42:8–9

यहोवा खुदी हुई मूरतों की तुलना में अपने आप को कैसे अलग दिखाते हैं?

खुदी हुई मूरतों के विपरीत, यहोवा की पहली बताईं बातें, वे पूरी हो चुकी हैं।

यशायाह 42:9

अपनी महिमा को और प्रगट करने के लिए यहोवा क्या कहता है कि वह करेगा?

यहोवा कहता है कि वह नई बातें बताएगा और उनके होने से पहले उन्हें सुनाएगा।

यशायाह 42:13

यहोवा अपने शत्रुओं के साथ क्या करेगा?

यहोवा वीर के समान निकलेगा, योद्धा के समान अपनी जलन भड़काएगा, ऊँचे शब्द से ललकारेगा, और अपने शत्रुओं पर जयवन्त होगा।

यशायाह 42:16

यहोवा अंधों के लिए क्या करेगा?

यहोवा अंधों को एक मार्ग से ले चलेगा जिसे वे नहीं जानते, और उनको ऐसे पथों से चलाएगा जिन्हें वे नहीं जानते; उनके आगे अंधियारे को उजियाला करेगा, टेढ़े मार्गों को सीधा करेगा, और उन्हें न त्यागेगा।

यशायाह 42:17

जो लोग खुदी हुई मूरतों पर भरोसा रखते और ढली हुई मूरतों से कहते हैं, "तुम हमारे ईश्वर हो," उनका क्या होगा?

वे पीछे हटेंगे और अत्यन्त लज्जित होंगे।

यशायाह 42:18

बहरों और अंधों से क्या करने की आज्ञा दी गई?

बहरों को सुनने की आज्ञा दी गई और अंधों को आँखें खोलने की आज्ञा दी गई ताकि वे देख सकें।

यशायाह 42:20

यहोवा उसे सुनने और देखने की आज्ञा क्यों देता है?

यहोवा उसे इसलिए आज्ञा देता है क्योंकि वह बहुत सी बातों पर दृष्टि करता है परन्तु उन्हें देखता नहीं है; कान तो खुले हैं परन्तु सुनता नहीं है।

यशायाह 42:22

यहोवा ये लोग की स्थिति के बारे में क्या कहते है?

यहोवा ने कहा कि ये लोग लुट गए हैं, ये सब के सब गड्ढों में फँसे हुए और कालकोठरियों में बन्द किए हुए हैं; ये पकड़े गए

और कोई इन्हें नहीं छुड़ाता; ये लुट गए और कोई आज्ञा नहीं देता कि उन्हें लौटा ले आओ।

यशायाह 42:24

किसने याकूब को लुटवाया और इस्राएल को लुटेरों के वश में कर दिया?

यहोवा ही ने यह किया।

यशायाह 42:24 (#2)

यहोवा ने क्यों याकूब को लुटवाया और इस्राएल को लुटेरों के वश में कर दिया?

यहोवा ने उन्हें इसलिए उनके वश में कर दिया क्योंकि उन्होंने यहोवा के विरुद्ध पाप किया, यहोवा के मार्गों पर उन्होंने चलना न चाहा और न उसकी व्यवस्था को माना।

यशायाह 42:25

क्या इस्राएल ने समझा कि युद्ध का बल किसने उन पर चलाया और उसने ऐसा क्यों किया?

नहीं! यद्यपि आग उसके चारों ओर लग गई, तो भी वह न समझा; वह जल भी गया, तो भी न चेता।

यशायाह 43:1

सामान्यतः यहोवा ने याकूब, इस्राएल को क्या करने के लिए कहा?

उन्होंने याकूब, इस्राएल से कहा कि मत डर।

यशायाह 43:2

यहोवा ने इस्राएल की रक्षा के लिए क्या कहा था?

यहोवा ने इस्राएल कहा कि जब वह नदियों में होकर चले, तब वे उसे न डुबा सकेगी; जब वह आग में चले तब उसे आँच न लगेगी, और उसकी लौ उसे न जला सकेगी।

यशायाह 43:3

यहोवा ने इस्राएल की छुड़ौती के लिए और उसके बदले क्या दिया है?

यहोवा ने इस्राएल की छुड़ौती में मिस्र को और उसके बदले कूश और सबा को दिया है।

यशायाह 43:5

यहोवा ने इस्राएल के वंश के लिए क्या करने की बात कही?

यहोवा ने कहा कि वह इस्राएल के वंश को पूर्व से ले आएगा, और पश्चिम से भी इकट्ठा करेगा।

यशायाह 43:10

यहोवा ने अपने पुत्रों और पुत्रियों को पूरब और पश्चिम से इकट्ठा करने की भविष्यवाणी क्यों की और उन्हें पहले की घटनाओं का समाचार क्यों दिया?

यहोवा ने ऐसा इसलिए किया ताकि वे समझकर उस पर विश्वास करें और यह जान लें कि वही परमेश्वर है।

यशायाह 43:10–11

क्या यहोवा के बाद कोई अन्य परमेश्वर या उद्धारकर्ता हैं?

उससे पहले कोई परमेश्वर न हुआ और न उसके बाद कोई होगा। वही यहोवा है और उसे छोड़ कोई उद्धारकर्ता नहीं।

यशायाह 43:13

हमें परमेश्वर के हाथ से कौन छुड़ा सकेगा?

हमें परमेश्वर के हाथ से कोई न छुड़ा सकेगा।

यशायाह 43:14

यहोवा ने किसके निमित्त बाबेल को भेजा और उसके सब रहनेवालों को भगोड़ों की दशा में और कसदियों को भी उन्हीं के जहाजों पर चढ़ाकर ले आएगा जिनके विषय वे बड़ा बोल बोलते हैं?

यहोवा ने यह इस्राएल के निमित्त किया।

यशायाह 43:16–17

यहोवा ने पहले कौन से काम किए थे जिन्हें वह उन्हें स्मरण न करने या उन पर विचार न करने के लिए कहता है?

यहोवा जो समुद्र में मार्ग और प्रचण्ड धारा में पथ बनाता है। जो रथों और घोड़ों को और शूरवीरों समेत सेना को निकाल लाता है। वे तो एक संग वहीं रह गए और फिर नहीं उठ सकते, वे बुझ गए, वे सन की बत्ती के समान बुझ गए हैं।

यशायाह 43:19

यहोवा जंगल और निर्जल देश में कौन-कौन सी नई बात करने वाले हैं?

यहोवा ने कहा कि वह जंगल में एक मार्ग बनाएगा और निर्जल देश में नदियाँ बहाएगा।

यशायाह 43:22–23

इस्राएल, जिन्हें यहोवा ने अपने लिए बनाया, उन्होंने यहोवा के लिए क्या नहीं किया?

इस्राएल ने यहोवा से प्रार्थना नहीं की। उन्होंने यहोवा के लिये होमबलि करने को मेम्ने नहीं लाया और न मेलबलि चढ़ाकर उसकी महिमा की है।

यशायाह 43:24

इस्राएल ने यहोवा के साथ क्या किया था?

इस्राएल ने अपने पापों के कारण यहोवा पर बोझ लाद दिया है, और अपने अधर्म के कामों से यहोवा को थका दिया है।

यशायाह 43:25

यहोवा इस्राएल के अपराधों को क्यों मिटा देता है और क्यों उनके पापों को स्मरण नहीं करता?

यहोवा अपने नाम के निमित्त यह करता है।

यशायाह 43:27–28

यहोवा ने पवित्रस्थान के हाकिमों को क्यों अपवित्र ठहराया, उसने याकूब को सत्यानाश और इस्राएल को निन्दित होने क्यों दिया है?

यहोवा ऐसा इसलिए कर रहा था क्योंकि उनके मूलपुरुष पापी हुआ और जो-जो यहोवा और उनके बीच बिचवई हुए, वे यहोवा से बलवा करते चले आए हैं।

यशायाह 44:3

यहोवा ने याकूब के वंश पर क्या उण्डेलूँगा कहा?

यहोवा ने याकूब से कहा कि वह उसके वंश पर अपनी आत्मा उण्डेलूँगा।

यशायाह 44:7

कोई यहोवा को कैसे प्रगट कर सकता है कि उसके समान कोई और देवता है?

कोई नहीं है जो यहोवा के समान है, जिसने प्राचीनकाल में मनुष्यों को ठहराया, जो उसकी बातों को प्रचार करे, या उसके लिये रचे, या होनहार बातें पहले ही से प्रगट करे।

यशायाह 44:9

यहोवा उन लोगों के बारे में क्या कहते हैं जो मूरत खोदकर बनाते हैं?

यहोवा कहते हैं कि वे सब के सब व्यर्थ हैं और जिन वस्तुओं में वे आनन्द ढूँढ़ते उनसे कुछ लाभ न होगा, और उनको लज्जित होना पड़ेगा।

यशायाह 44:11

उन कारीगर और उनके संगियों का क्या होगा जिन्होंने देवता या निष्फल मूरत ढाली है?

कारीगर और उनके संगियों जिन्होंने देवता या निष्फल मूरत ढाली है, वे सब के सब लज्जित होंगे।

यशायाह 44:14

एक बढ़ई मूरत बनाने की प्रक्रिया कैसे आरंभ करते हैं?

वह देवदार को काटता या वन के वृक्षों में से जाति-जाति के बांज वृक्ष चुनकर देख-भाल करता है।

यशायाह 44:15–16

वह मनुष्य उस पेड़ की लकड़ी का क्या करता है जिसे उसने काटा है?

लकड़ी मनुष्य के ईंधन के काम में आता है; वह उसमें से कुछ सुलगाकर तापता है, वह उसको जलाकर रोटी बनाता है और दूसरे भाग से माँस पकाकर खाता है। उसी से वह देवता भी बनाकर उसको दण्डवत् करता है; वह मूरत खुदवाकर उसके सामने प्रणाम करता है।

यशायाह 44:19

क्योंकि जो मूरत बनाते और उनकी आराधना करते हैं, वे कुछ नहीं जानते, न कुछ समझ रखते हैं; क्योंकि उनकी आँखें ऐसी बन्द की गई हैं कि वे देख नहीं सकते; और उनकी बुद्धि ऐसी कि वे बूझ नहीं सकते, इसलिए वे अपने आप से दो प्रश्न नहीं पूछते?

पहला, वे यह नहीं सोचते कि उसका एक भाग तो मैंने जला दिया और उसके कोयलों पर रोटी बनाई; और माँस भूनकर खाया है; फिर क्या मैं उसके बचे हुए भाग को घिनौनी वस्तु बनाऊँ? दूसरा, वे यह नहीं पूछते कि क्या मैं काठ को प्रणाम करूँ?

यशायाह 44:21–22

याकूब और इस्राएल को यहोवा को ही एकमात्र परमेश्वर और मूरतों को व्यर्थ क्यों मानने के लिए कहा गया है?

उन्हें यह बातें स्मरण रखने के लिए कहा गया है क्योंकि यहोवा ने ही उन्हें रचा है, वे उसके दास हैं और वह उन्हें नहीं भूलेगा। साथ ही यहोवा ने उनके पापों और उनके अपराधों को मिटा दिया है।

यशायाह 44:23

आकाश, पहाड़ों, वन के सब वृक्षों को गाला खोलकर ऊँचे स्वर से गाने के लिए क्यों आज्ञा दिया गया है?

उन्हें गाने के लिए इसलिए आज्ञा दिया गया क्योंकि यहोवा ने याकूब को छुड़ा लिया है और इस्राएल में महिमावान होगा।

यशायाह 44:25

यहोवा झूठे लोगों और उन्हें भावी कहनेवालों के साथ क्या करता है?

यहोवा झूठे लोगों के कहे हुए चिन्हों को व्यर्थ कर देता है और भावी कहनेवालों को बावला कर देता है।

यशायाह 44:26

यहोवा अपने दास और दूतों के लिए क्या करता है?

यहोवा अपने दास के वचन को पूरा करता है और अपने दूतों की युक्ति को सफल करता है।

यशायाह 44:26 (#2)

यहोवा ने यरूशलेम और यहूदा के नगरों के विषय में क्या कहा?

यहोवा यरूशलेम के विषय कहता है, 'वह फिर बसाई जाएगी' और यहूदा के नगरों के विषय, 'वे फिर बनाए जाएँगे और वह उनके खण्डहरों को सुधारेंगे।

यशायाह 44:28

यहोवा ने कुस्रू के विषय में क्या कहता है और वह क्या करेगा?

यहोवा कुस्रू के विषय में कहता है, 'वह मेरा ठहराया हुआ चरवाहा है और मेरी इच्छा पूरी करेगा;' यरूशलेम के विषय कहता है, 'वह बसाई जाएगी,' और मन्दिर के विषय कि 'तेरी नींव डाली जाएगी।'"

यशायाह 45:1

इस अध्याय में, यहोवा का अभिषिक्त कौन हैं?

इस अध्याय में, यहोवा कुस्रू को अपना अभिषिक्त कहते हैं।

यशायाह 45:1 (#2)

यहोवा ने कुस्रू के दाहिने हाथ को क्यों थाम लिया है?

यहोवा ने कुस्रू के दाहिने हाथ को इसलिए थाम लिया है कि वह उसके सामने जातियों को दबा दे, राजाओं की कमर ढीली करे, और उसके आगे फाटक ऐसे खोले कि वे फाटक फिर बन्द न किए जाएँ।

यशायाह 45:3

यहोवा क्यों कुस्रू के आगे-आगे चलेगा और ऊँची-ऊँची भूमि को चौरस करेगा, क्यों पीतल के किवाड़ों को तोड़ डालेगा और लोहे के बेंड़ों को टुकड़े-टुकड़े कर देगा, और उसको अंधकार में छिपा हुआ और गुप्त स्थानों में गड़ा हुआ धन देगा?

यहोवा ये कार्य इसलिए करेगा ताकि कुस्रू जान सकें कि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा है जो उससे नाम लेकर बुलाता है।

यशायाह 45:4

यहोवा ने कुस्रू को उनके नाम से किसके लिए बुलाया है?

यहोवा ने यह अपने दास याकूब और अपने चुने हुए इस्राएल के निमित्त उसे नाम लेकर तुझे बुलाया है।

यशायाह 45:4–5

क्या कुस्रू यहोवा को जानता था?

नहीं, कुस्रू यहोवा को नहीं जानता था।

यशायाह 45:5–6

क्या यहोवा के बिना दूसरा कोई परमेश्वर हैं?

नहीं, यहोवा के बिना दूसरा कोई परमेश्वर नहीं हैं।

यशायाह 45:7

उजियाले का बनानेवाला और अंधियारे का सृजनहार कौन है, और शान्ति का दाता और विपत्ति को रचता कौन है?

यहोवा ही इन सभी का कर्ता है।

यशायाह 45:8

उद्धार को किसने उत्पन्न किया?

यहोवा ही ने उद्धार उत्पन्न किया है।

यशायाह 45:9

यहोवा उस व्यक्ति की तुलना किससे करता है जो अपने रचनेवाले से झगड़ता है?

यहोवा उस व्यक्ति की तुलना मिट्टी के ठीकरों में से एक ठीकरा से करता है। जैसे मिट्टी कुम्हार से कहे, "तू यह क्या करता है?" क्या कारीगर का बनाया हुआ कार्य उसके विषय में कहे, "उसके तो हाथ ही नहीं हैं।"

यशायाह 45:13

कुस्रू यहोवा के लिए क्या करेगा?

वह यहोवा के नगर को फिर बसाएगा; वह यहोवा के बन्दियों को बिना दाम या बदला लिए छुड़ा देगा।

यशायाह 45:14

क्या यहोवा के सिवाय कोई और परमेश्वर है?

नहीं, यहोवा के सिवाय कोई और परमेश्वर नहीं।

यशायाह 45:16

कौन लज्जित और चकित होंगे?

मूर्तियों के गढ़नेवाले सब के सब लज्जित और चकित होंगे।

यशायाह 45:17

इस्राएल का उद्धार कब तक रहेगा?

यहोवा इस्राएल को युग-युग तक उद्धार देगा।

यशायाह 45:18

क्या यहोवा के सिवाय दूसरा और कोई परमेश्वर है?

नहीं, यहोवा के सिवाय दूसरा और कोई नहीं है।

यशायाह 45:18 (#2)

यहोवा ने पृथ्वी को क्यों रचा?

उसने इसमें बसने के लिये उसे रचा है।

यशायाह 45:20

अज्ञान कौन हैं?

जो अपनी लकड़ी की खोदी हुई मूरतें लिए फिरते हैं और ऐसे देवता से जिससे उद्धार नहीं हो सकता, प्रार्थना करते हैं, वे अज्ञान हैं।

यशायाह 45:21–22

क्या यहोवा के सिवाय दूसरा कोई और परमेश्वर हैं?

नहीं, यहोवा के सिवाय दूसरा कोई परमेश्वर नहीं हैं।

यशायाह 45:23

यहोवा ने किसकी शपथ खाई?

यहोवा ने अपनी ही शपथ खाई।

यशायाह 45:24

लोग यहोवा के विषय में क्या कहेंगे?

लोग यहोवा के विषय में कहेंगे की, "केवल यहोवा ही में धार्मिकता और शक्ति है।"

यशायाह 45:25

इस्राएल के सारे वंश के लोग का क्या होगा?

इस्राएल के सारे वंश के लोग यहोवा ही के कारण धर्मी ठहरेंगे, और उसकी महिमा करेंगे।

यशायाह 46:1

बेल और नबो कौन हैं?

वे प्रतिमाएँ हैं।

यशायाह 46:1 (#2)

बेल और नबो की प्रतिमाएँ पर लदी हैं?

बेल और नबो की प्रतिमाएँ पशुओं वरन् घरेलू पशुओं पर लदी हैं।

यशायाह 46:3

याकूब के घराने को कौन उठाए रहा?

यहोवा याकूब के घराने को उठाए रहा।

यशायाह 46:3–4

यहोवा याकूब के घराने को कब से उठाए रहा और वह उन्हें कब से लिए फिरता आया है?

यहोवा याकूब के घराने को उत्पत्ति ही से उठाए रहा है और जन्म ही से उन्हें लिए फिरता आया है।

यशायाह 46:6

लोग सोने-चाँदी का क्या करते हैं?

लोग सुनार को मजदूरी देकर उससे देवता बनवाते हैं।

यशायाह 46:7

क्या वह देवता उनकी दुहाई सुन सकता है और विपत्ति से उनका उद्धार कर सकता है?

नहीं, यदि कोई उसकी दुहाई भी दे, तो भी न वह सुन सकता है और न विपत्ति से उसका उद्धार कर सकता है।

यशायाह 46:9

यहोवा के सिवाय क्या दूसरा कोई परमेश्वर है? कौन उसके तुल्य है?

यहोवा ही परमेश्वर हैं और उसके तुल्य कोई भी नहीं है।

यशायाह 46:10

यहोवा, परमेश्वर को प्रतिमाओं, मूरतों से क्या भिन्न बनाता है?

यहोवा इस तथ्य के कारण अलग है कि वह अन्त की बात आदि से और प्राचीनकाल से उस बात को बताते आया है जो अब तक नहीं हुई।

यशायाह 46:12–13

यहोवा उन कठोर मनवालों के लिए क्या कर रहा है, जो धार्मिकता से दूर हैं?

यहोवा अपनी धार्मिकता को समीप ले आने पर है। वह सिय्योन का उद्धार करेगा और इस्राएल को महिमा देगा।

यशायाह 47:1

कौन अब कोमल और सुकुमार न कहलाएगी?

बाबेल की कुमारी बेटी, कसदियों की बेटी, अब कोमल और सुकुमार न कहलाएगी।

यशायाह 47:5

कसदियों की बेटी अब क्या न कहलाएगी?

कसदियों की बेटी अब राज्य-राज्य की स्वामिनी न कहलाएगी।

यशायाह 47:6

यहोवा कसदियों से क्यों नाराज़ थे?

यहोवा ने कसदियों से कहा कि उसने अपनी प्रजा पर क्रोध करके उन्हें उनके वश में कर दिया, पर उन्होंने उन पर दया नहीं की, और बूढ़ों पर उन्होंने अत्यन्त भारी जूआ रख दिया।

यशायाह 47:9

कसदियों की बेटी पर अचानक एक ही दिन क्या आ पड़ेंगे?

कसदियों की बेटी पर अचानक एक ही दिन ये दोनों दुःख आ पड़ेंगे अर्थात् लड़कों का जाता रहना और विधवा हो जाना।

यशायाह 47:10

कसदियों की बेटी ने किस पर भरोसा रखा?

उन्होंने अपनी दुष्टता पर भरोसा रखा।

यशायाह 47:11

कसदियों की बेटियों पर आने वाली विपत्ति और विनाश को कौन नहीं टाल सके?

कसदियों की बेटियों के मंत्र उन पर आने वाली विपत्ति और विनाश को नहीं टाल सके।

यशायाह 47:14

ज्योतिषी जो नक्षत्रों को ध्यान से देखते और नये-नये चाँद को देखकर होनहार बताते हैं, उनके साथ क्या होगा?

ज्योतिषी जो नक्षत्रों को ध्यान से देखते और नये-नये चाँद को देखकर होनहार बताते हैं, वे भूसे के समान होकर आग से भस्म हो जाएँगे।

यशायाह 47:15

कसदियों की बेटी का कौन बचानेवाला रहेगा?

उनका बचानेवाला कोई न रहेगा।

यशायाह 48:1

याकूब के घराने क्या कहलाते है और किससे उत्पन्न हुए है?

वे इस्राएली कहलाते है और वे यहूदा के सोतों के जल से उत्पन्न हुए है।

यशायाह 48:1 (#2)

इस्राएल सच्चाई और धार्मिकता से क्या नहीं करते हैं?

इस्राएल यहोवा के नाम की शपथ खाते हैं और इस्राएल के परमेश्वर की चर्चा तो करते हैं, परन्तु सच्चाई और धार्मिकता से नहीं करते हैं।

यशायाह 48:3–4

यहोवा ने क्या किया, यह जानते हुए कि इस्राएल हठीला है?

उसने होनेवाली बातों को प्राचीनकाल ही से बताया है, और उनकी चर्चा उसके मुँह से निकली, उसने अचानक उन्हें प्रगट किया और वे बातें सचमुच हुईं।

यशायाह 48:5

इस्राएल को प्राचीनकाल से ये बातें बताकर यहोवा क्या रोकना चाहता था?

यहोवा इस्राएल को यह कहने से रोकना चाहता था कि, "मेरे देवता का काम है," या "मेरी खोदी और ढली हुई मूर्तियों की आज्ञा से यह हुआ।"

यशायाह 48:9

यहोवा क्रोध करने में क्यों विलन्ब करता है और इस्राएल को काट डालने से क्यों रोक रखता है?

वह अपने ही नाम के निमित्त क्रोध करने में विलम्ब करता है, और अपनी महिमा के निमित्त अपने आपको रोक रखता है।

यशायाह 48:10

यहोवा ने इस्राएल को कैसे चुन लिया है?

उसने उन्हें दुःख की भट्ठी में परखकर चुन लिया है।

यशायाह 48:14–15

यहोवा ने किसे और किस उद्देश्य से बुलाया?

यहोवा बाबेल पर अपनी इच्छा पूरी करने के लिए उसको को बुलाया।

यशायाह 48:18

यदि इस्राएल ने यहोवा की आज्ञाओं को ध्यान से सुना होता, तो क्या होता?

यदि उन्होंने यहोवा की आज्ञाओं को ध्यान से सुना होता, तब उनकी शान्ति नदी के समान और उनकी धार्मिकता समुद्र की लहरों के समान होता।

यशायाह 48:20

पृथ्वी की छोर तक किसकी चर्चा फैलाओ?

पृथ्वी की छोर तक इसकी चर्चा फैलाओ और कहते जाओ: "यहोवा ने अपने दास याकूब को छुड़ा लिया है!"

यशायाह 48:22

यहोवा का यही वचन किसके लिए है कि उसके लिए कुछ शान्ति नहीं?

यहोवा का यही वचन दुष्टों के लिये है कि उन्हें कुछ शान्ति नहीं मिलेगी।

यशायाह 49:1–2

यहोवा ने अपने दास इस्राएल के लिए क्या किया है?

यहोवा ने गर्भ ही में से उसे नाम लेकर बुलाया है। उसने इस्राएल के मुँह को चोखी तलवार के समान बनाया और अपने हाथ की आड़ में उसे छिपा रखा; उसने इस्राएल को चमकीला तीर बनाकर अपने तरकश में गुप्त रखा।

यशायाह 49:3

यहोवा इस्राएल में क्या प्रगट करेंगे?

यहोवा इस्राएल में अपनी महिमा प्रगट करेंगे।

यशायाह 49:4

इस्राएल यहोवा पर किसके लिए विश्वास कर रहा है?

इस्राएल कहता है कि उसका न्याय यहोवा के पास है और उसके परिश्रम का फल उसके परमेश्वर के हाथ में है।

यशायाह 49:5

यहोवा का दास होकर इस्राएल का काम क्या है?

यहोवा जिसने इस्राएल को जन्म ही से इसलिए रचा कि इस्राएल उसका दास होकर याकूब को उसकी ओर वापस ले आए अर्थात् इस्राएल को उसके पास इकट्ठा करे।

यशायाह 49:6

यहोवा के सेवक के लिए क्या हलकी सी बात है?

यह तो हलकी सी बात है कि इस्राएल याकूब के गोत्रों का उद्धार करने और उसके रक्षित लोगों को लौटा ले आने के लिये यहोवा का सेवक ठहरे।

यशायाह 49:6 (#2)

यहोवा अपने सेवक के लिए और क्या करेगा?

वह अपने सेवक को जाति-जाति के लिये ज्योति ठहराएगा कि यहोवा का उद्धार पृथ्वी की एक ओर से दूसरी ओर तक फैल जाए।

यशायाह 49:7

जो मनुष्यों से तुच्छ जाना जाता, जिससे जातियों को घृणा है, और जो अधिकारियों का दास है उसके साथ क्या होगा?

राजा उसे देखकर खड़े हो जाएँगे और हाकिम दण्डवत् करेंगे।

यशायाह 49:8

यहोवा ने कब अपने सेवक की सुन ली और कब उसकी सहायता की है?

अपनी प्रसन्नता के समय यहोवा ने उसकी सुन ली, उद्धार करने के दिन यहोवा ने उसकी सहायता की है और यहोवा उसकी रक्षा करके उसे लोगों के लिये एक वाचा ठहराएगा।

यशायाह 49:8 (#2)

यहोवा के सेवक को लोगों के लिए एक वाचा के रूप में किस उद्देश्य से दिया गया है?

उसे लोगों के लिए एक वाचा के रूप में दिया गया है ताकि वह देश को स्थिर करे और उजड़े हुए स्थानों को उनके अधिकारियों के हाथ में दे दे।

यशायाह 49:10

बन्दियों का अगुआ कौन होगा?

वह जो उन पर दया करता है, वही उनका अगुआ होगा।

यशायाह 49:13

आकाश, पृथ्वी और पहाड़ों को गला खोलकर जयजयकार करने के लिए क्यों कहा गया है?

उन्हें गाला खोलकर इसलिए जयजयकार करना चाहिए क्योंकि यहोवा ने अपनी प्रजा को शान्ति दी है और अपने दीन लोगों पर दया की है।

यशायाह 49:14–15

जब सिय्योन ने कहा, "यहोवा ने मुझे त्याग दिया है, मेरा प्रभु मुझे भूल गया है," तो यहोवा ने क्या कहा?

यहोवा ने सिय्योन से कहा, "क्या यह हो सकता है कि कोई माता अपने दूध पीते बच्चे को भूल जाए और अपने जन्माए हुए लड़के पर दया न करे? हाँ, वह तो भूल सकती है, परन्तु मैं तुझे नहीं भूल सकता।"

यशायाह 49:16–18

यहोवा सिय्योन के प्रति अपनी चिंता का प्रमाण क्या प्रस्तुत करता है?

यहोवा अपना प्रमाण इस प्रकार प्रस्तुत करता है: "देख, मैंने तेरा चित्र अपनी हथेलियों पर खोदकर बनाया है; तेरी शहरपनाह सदैव मेरी दृष्टि के सामने बनी रहती है। तेरे बच्चें फुर्ती से आ रहे हैं और खण्डहर बनानेवाले और उजाड़नेवाले तेरे बीच से निकले जा रहे हैं। अपनी आँखें उठाकर चारों ओर देख, वे सब के सब इकट्ठे होकर तेरे पास आ रहे हैं।"

यशायाह 49:20

सिय्योन के पुत्र जो उस से ले लिए गए वे फिर उसके कान में क्या कहने पाएँगे?

वे कहने पाएँगे, "यह स्थान हमारे लिये छोटा है, हमें और स्थान दे कि उसमें रहें।"

यशायाह 49:21

सिय्योन मन में क्या कहेगी?

वह मन में कहेगी, "किसने इनको मेरे लिये जन्माया?" और "इनको किसने पाला?" और देख, "मैं अकेली रह गई थी; फिर ये कहाँ थे?"

यशायाह 49:22

सिय्योन के पुत्रों और पुत्रियों को कौन पहुँचाएगे?

देश-देश के लोग उन्हें पहुँचाएगे।

यशायाह 49:24–25

क्या वीर के हाथ से शिकार छीना जा सकता है या क्या दुष्ट के बन्दी छुड़ाए जा सकते हैं?

हाँ, वीर के बन्दी उससे छीन लिए जाएँगे, और दुष्ट का शिकार उसके हाथ से छुड़ा लिया जाएगा; क्योंकि जो सिय्योन से लड़ते हैं उनसे यहोवा आप मुकद्दमा लड़ेगा, और सिय्योन के बाल-बच्चों का यहोवा उद्धार करेगा।

यशायाह 49:26

जो सिय्योन पर अंधेर करते हैं उनके साथ यहोवा क्या करेगा?

जो सिय्योन पर अंधेर करते हैं उनको यहोवा उन्हीं का माँस खिलाएगा।

यशायाह 49:26 (#2)

सब प्राणी क्या जान लेंगे?

सब प्राणी जान लेंगे कि सिय्योन का उद्धारकर्ता और छुड़ानेवाला, याकूब का शक्तिमान यहोवा ही है।

यशायाह 50:1

सिय्योन क्यों बिक गए और उसकी माता को क्यों छोड़ दी गई?

सिय्योन अपने ही अधर्म के कामों के कारण बिक गए, और उसके ही अपराधों के कारण तुम्हारी माता छोड़ दी गई।

यशायाह 50:2–3

यहोवा की एक धमकी का क्या परिणाम होता है?

यहोवा की एक धमकी से समुद्र सूखा जाती है और महानदों रेगिस्तान बना जाती है। यहोवा आकाश को मानो शोक का काला कपड़ा पहनाता है और टाट को उनका ओढ़ना बना देता है।

यशायाह 50:4

यहोवा ने अपने दास को क्या दिया है?

उसने अपने दास को सीखनेवालों की जीभ दी है।

यशायाह 50:4 (#2)

यहोवा के दास ने यहोवा द्वारा दी गई जीभ का कैसे उपयोग किया?

यहोवा के दास ने थके हुए को अपने वचन के द्वारा सम्भालना जाना।

यशायाह 50:5–6

जब यहोवा का दास न विरोध किया और न पीछे हटा उसके बाद और क्या किया?

यहोवा के दास ने मारनेवालों को अपनी पीठ और गलमोछ नोचनेवालों की ओर अपने गाल किए; अपमानित होने और उनके थूकने से उसने अपना मुँह न छिपाया।

यशायाह 50:7

यहोवा का दास क्यों कहता है कि उसने संकोच नहीं किया?

यहोवा का दास ऐसा इसलिए कहता है क्योंकि प्रभु यहोवा उसकी सहायता करता है, इस कारण उसने संकोच नहीं किया।

यशायाह 50:9

उन लोगों का क्या होगा जो यहोवा के दास को दोषी ठहराते हैं?

जो यहोवा के दास को दोषी ठहराते है वे सब कपड़े के समान पुराने हो जाएँगे और उनको कीड़े खा जाएँगे।

यशायाह 50:10

जो यहोवा का भय मानता और उसके दास की बातें सुनता है, जो अंधियारे में चलता हो और उसके पास ज्योति न हो, वह क्या करे?

वह यहोवा के नाम का भरोसा रखे, और अपने परमेश्वर पर आशा लगाए रहे।

यशायाह 50:11

यहोवा का दास उन सभी के साथ क्या करेगा जो आग जलाते हैं और अग्निबाणों को कमर में बाँधते हैं?

यहोवा का दास उन्हें सन्ताप में पड़े रखेगा।

यशायाह 51:1

यहोवा ने कहा कि जो लोग धार्मिकता पर चलते हैं और उसे ढूँढते हैं, उन्हें किस पर ध्यान करना चाहिए?

यहोवा ने कहा कि जिस चट्टान में से वे खोदे गए और जिस खदान में से वे निकाले गए, उस पर ध्यान करें।

यशायाह 51:2

यहोवा ने अब्राहम के साथ क्या किया था?

यहोवा ने उसको बुलाया और आशीष दी और बढ़ा दिया।

यशायाह 51:6

आकाश, पृथ्वी और उसके रहनेवालों का क्या होगा?

आकाश धुएँ के समान लोप हो जाएगा, पृथ्वी कपड़े के समान पुरानी हो जाएगी, और उसके रहनेवाले ऐसे ही जाते रहेंगे।

यशायाह 51:6 (#2)

क्या सर्वदा ठहरेगा और अन्त न होगा?

यहोवा का उद्धार सर्वदा ठहरेगा, और उसकी धार्मिकता का अन्त न होगा।

यशायाह 51:7

यह कथन किसके लिये है "मनुष्यों की नामधराई से मत डरो, और उनके निन्दा करने से विस्मित न हो?"

यह कथन उनके लिए है जो धार्मिकता के जाननेवालें हैं और जिनके मन में यहोवा की व्यवस्था है।

यशायाह 51:9–10

किसने अजगर को छेदा, समुद्र को अर्थात् गहरे सागर के जल को सूखा डाला और उसकी गहराई में अपने छुड़ाए हुओं के पार जाने के लिये मार्ग निकाला था?

यहोवा की भुजा ने इन चीजों को किया।

यशायाह 51:11

जब यहोवा के छुड़ाए हुए लोग लौटकर जयजयकार करते हुए सिय्योन में आएँगे, तो वे क्या प्राप्त करेंगे और क्या का अन्त हो जाएगा?

वे हर्ष और आनन्द प्राप्त करेंगे, और शोक और सिसकियों का अन्त हो जाएगा।

यशायाह 51:14

बन्दी के साथ क्या होगा?

बन्दी शीघ्र ही स्वतंत्र किया जाएगा।

यशायाह 51:17

यरूशलेम ने यहोवा के हाथ से क्या पिया है?

यरूशलेम ने यहोवा के हाथ से उसकी जलजलाहट के कटोरे में से पिया है।

यशायाह 51:18

यरूशलेम के सभी लड़कों में से कौन ऐसा है जो उसकी अगुआई करके ले चले?

जितने लड़कों ने उससे जन्म लिया उनमें से कोई न रहा जो उसकी अगुआई करके ले चले।

यशायाह 51:23

जब यहोवा यरूशलेम से लड़खड़ा देनेवाले मद के कटोरे को अर्थात् अपनी जलजलाहट के कटोरे को उसके हाथ से ले लेता है, तो वह इसे किसे देगा?

वह इसे यरूशलेम के दुःख देनेवालों के हाथ में दे देगा।

यशायाह 52:1

यरूशलेम के बीच कौन लोग फिर कभी प्रवेश न करने पाएँगे?

यरूशलेम के बीच खतनारहित और अशुद्ध लोग फिर कभी प्रवेश न करने पाएँगे।

यशायाह 52:4

किसने बिना कारण यरूशलेम पर अत्याचार किया?

अश्शूरियों ने बिना कारण उन पर अत्याचार किया।

यशायाह 52:5–6

उस समय यहोवा की प्रजा यहोवा के नाम को क्यों जान लेगी?

उस समय यहोवा की प्रजा यहोवा के नाम को जान लेगी क्योंकि उसके नाम कि निन्दा लगातार दिन भर होती रहती है।

यशायाह 52:8

जब यहोवा सिय्योन को लौट रहा है, तब उसे कौन देखेंगे?

सिय्योन के लोग साक्षात् देखेंगे कि यहोवा सिय्योन को लौट रहा है।

यशायाह 52:9–10

यरूशलेम के खण्डहरों को एक संग उमंग में आकर क्यों जयजयकार करना चाहिए?

उन्हें यह इसलिए करना चाहिए क्योंकि यहोवा ने अपनी प्रजा को शान्ति दी है, उसने यरूशलेम को छुड़ा लिया है। यहोवा ने सारी जातियों के सामने अपनी पवित्र भुजा प्रगट की है।

यशायाह 52:11

यहोवा के पात्रों के ढोनेवालों को क्या करना चाहिए?

उन्हें निकल जाना चाहिए, किसी भी अशुद्ध वस्तु को नहीं छूना चाहिए और अपने को शुद्ध करना चाहिए।

यशायाह 52:12

यहोवा के लोगों क्यों उतावली से निकलना नहीं, और न भागते हुए चलना पड़ेगा?

उन्हें इसलिए उतावली से निकलना नहीं, और न भागते हुए चलना पड़ेगा क्योंकि यहोवा उनके आगे-आगे अगुआई करता हुआ चलेगा, और इस्राएल का परमेश्वर उनके पीछे भी रक्षा करता चलेगा।

यशायाह 52:13

यहोवा का दास क्या करेगा?

वह बुद्धि से काम करेगा, वह ऊँचा, महान और अति महान हो जाएगा।

यशायाह 52:14

यहोवा के दास को बहुत से लोग देखकर चकित क्यों हुए?

क्योंकि उसका रूप यहाँ तक बिगड़ा हुआ था कि मनुष्य का सा न जान पड़ता था।

यशायाह 52:15

यहोवा के दास को देखकर राजा क्या करेंगे?

उसको देखकर राजा शान्त रहेंगे।

यशायाह 53:2

यहोवा का दास कैसे उगा?

वह यहोवा के सामने अंकुर के समान, और ऐसी जड़ के समान उगा जो निर्जल भूमि में फूट निकले।

यशायाह 53:2 (#2)

यहोवा का दास कैसा दिखाई देता था?

उसकी न तो कुछ सुन्दरता थी कि हम उसको देखते, और न उसका रूप ही हमें ऐसा दिखाई पड़ा कि हम उसको चाहते।

यशायाह 53:3

यहोवा का दास मनुष्यों द्वारा क्या किया गया?

वह तुच्छ जाना जाता और मनुष्यों का त्यागा हुआ था।

यशायाह 53:4

यहोवा के दास ने हमारे लिए क्या किया है?

उसने हमारे रोगों को सह लिया और हमारे ही दुःखों को उठा लिया।

यशायाह 53:5

यहोवा का दास क्यों घायल किया गया और क्यों कुचला गया?

वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया।

यशायाह 53:5 (#2)

उस पर ताड़ना क्यों पड़ी की उसके कोड़े खाने हम क्या हो जाएँगे?

हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाएँ।

यशायाह 53:6

हम तो सबभेड़ों के समान कैसे थे?

हम तो सब के सब भेड़ों के समान भटक गए थे; हम में से हर एक ने अपना-अपना मार्ग लिया।

यशायाह 53:8

यहोवा के दास को कैसे ले गए?

त्याचार करके और दोष लगाकर वे उसे ले गए।

यशायाह 53:8 (#2)

यहोवा के दास को जीवितों के बीच में से क्यों उठा लिया गया?

उसे उसके लोगों के अपराधों के कारण उस पर मार पड़ी।

यशायाह 53:9

क्या यहोवा के दास ने किसी प्रकार का उपद्रव किया था?

नहीं। उसने किसी प्रकार का उपद्रव न किया था और उसके मुँह से कभी छल की बात नहीं निकली थी।

यशायाह 53:10

यहोवा को यह क्यों भाया कि वह अपने दास को कुचले?

यहोवा को यह इसलिए भाया कि वह उसे कुचले ताकि उसके हाथ से यहोवा की इच्छा पूरी हो जाएगी।

यशायाह 53:12

यहोवा अपने दास को क्यों महान लोगों के संग भाग देगा?

यहोवा अपने दास को महान लोगों के संग भाग इसलिए देगा क्योंकि उसने अपना प्राण मृत्यु के लिये उण्डेल दिया, वह अपराधियों के संग गिना गया, तो भी उसने बहुतों के पाप का बोझ उठा लिया, और, अपराधी के लिये विनती करता है।

यशायाह 54:1

यहोवा बाँझ को क्यों जयजयकार करने कहता है?

वह उसे जयजयकार करने इसलिए कहता है, क्योंकि त्यागी हुई के लड़के सुहागिन के लड़कों से अधिक होंगे।

यशायाह 54:3

सिय्योन के वंश क्या करेगा?

वह जाति-जाति का अधिकारी होगा और उजड़े हुए नगरों को फिर से बसाएगा।

यशायाह 54:5

सिय्योन का पति कौन है?

सिय्योन कर्ता उसका पति है, उसका नाम सेनाओं का यहोवा है।

यशायाह 54:7

यहोवा ने इस्राएल के साथ क्या किया था?

यहोवा ने क्षण भर ही के लिये उसे छोड़ दिया था।

यशायाह 54:7 (#2)

यहोवा इस्राएल के लिए क्या करेगा?

यहोवा बड़ी दया करके फिर उसे रख लेगा।

यशायाह 54:9

यहोवा ने इस्राएल के विषय में क्या शपथ खाई है?

उसने शपथ खाई है कि फिर कभी उस पर क्रोध न करेगा और न उसको धमकी देगा।

यशायाह 54:10

इस्राएल पर से क्या कभी न हटेगी और न टलेगी?

यहोवा की करुणा इस्राएल पर से कभी न हटेगी, और उसकी शान्तिदायक वाचा न टलेगी।

यशायाह 54:14

अब इस्राएल के पास क्या न आएगा?

अब भय का कारण इस्राएल के पास न आएगा।

यशायाह 54:15

जितने इस्राएल के विरुद्ध भीड़ लगाएँगे, उनके साथ क्या होगा?

जितने इस्राएल के विरुद्ध भीड़ लगाएँगे वे इस्राएल के कारण गिरेंगे।

यशायाह 54:17

जितने लोग मुद्दई होकर इस्राएल पर नालिश करें, उनका क्या परिणाम होगा?

उन सभी से इस्राएल जीत जाएगा।

यशायाह 55:1

जिनके पास रुपया न हो, वे आकर क्या मोल लें और खाएं?

वे दाखमधु और दूध बिन रुपये और बिना दाम ही आकर लें और खाएं।

यशायाह 55:2

प्यासे लोगों से क्या खाने पाएँगे?

वे उत्तम वस्तुएँ खाने पाएँगे और चिकनी-चिकनी वस्तुएँ खाकर सन्तुष्ट हो जाएँगे।

यशायाह 55:3–4

यहोवा ने राज्य-राज्य के लोगों के लिये साक्षी और प्रधान और आज्ञा देने के लिए किसको ठहराया है?

यहोवा ने दाऊद को राज्य-राज्य के लोगों के लिये साक्षी और प्रधान और आज्ञा देने के लिए ठहराया है।

यशायाह 55:5

ऐसी जातियाँ जो इस्राएल को नहीं जानती उसके पास क्यों दौड़ी आएँगी?

वे इस्राएल के परमेश्वर यहोवा और उसके पवित्र के निमित्त यह करेंगी, क्योंकि यहोवा ने इस्राएल को शोभायमान किया है।

यशायाह 55:6

इस्राएल को कब तक यहोवा की खोज में रहना चाहिए और कब तक उसे पुकारना चाहिए?

जब तक यहोवा मिल सकता है तब तक उसकी खोज में रहो, जब तक वह निकट है तब तक उसे पुकारना चाहिए।

यशायाह 55:7

दुष्ट और अनर्थकारी को क्या करे?

दुष्ट अपनी चाल चलन और अनर्थकारी अपने सोच-विचार छोड़कर यहोवा ही की ओर फिरे।

यशायाह 55:7 (#2)

जो यहोवा की ओर फिरता है उसके साथ यहोवा क्या करेगा?

यहोवा उस पर दया करेगा और वह पूरी रीति से उसको क्षमा करेगा।

यशायाह 55:8–9

यहोवा के विचार और गति इस्राएल के विचार और गति एक सामान क्यों नहीं हैं?

ऐसा इसलिए है क्योंकि यहोवा और इस्राएल की गति में और यहोवा और इस्राएल के सोच विचारों में, आकाश और पृथ्वी का अन्तर है।

यशायाह 55:11

यहोवा के मुख से निकला वचन क्या न होगा?

वह व्यर्थ ठहरकर यहोवा के पास न लौटेगा, परन्तु, जो उसकी इच्छा है उसे वह पूरा करेगा, और जिस काम के लिये उसने उसको भेजा है उसे वह सफल करेगा।

यशायाह 55:12–13

वह सदा का चिन्ह क्या होगा और कभी न मिटेगा?

वह चिन्ह यह है: इस्राएल आनन्द के साथ निकलेगा, और शान्ति के साथ पहुँचाया जाएगा; उसके आगे-आगे पहाड़ और पहाड़ियाँ गला खोलकर जयजयकार करेंगी, और मैदान के सब वृक्ष आनन्द के मारे ताली बजाएँगे। तब भटकटैयों के बदले सनोवर उगेंगे; और बिच्छू पेड़ों के बदले मेंहदी उगेगी।

यशायाह 56:1–2

यहोवा ने यह क्यों कहा कि न्याय का पालन करो, और धर्म के काम करो?

उसने यह इसलिए कहा क्योंकि वह शीघ्र उद्धार करेगा, और उसका धर्मी होना प्रगट होगा।

यशायाह 56:3

जो परदेशी यहोवा से मिल गए हैं, वे न कहें और और खोजे भी क्या न कहें?

जो परदेशी यहोवा से मिल गए हैं, वे न कहें, "यहोवा हमें अपनी प्रजा से निश्चय अलग करेगा;" और खोजे भी न कहें, "हम तो सूखे वृक्ष हैं।"

यशायाह 56:4–5

जो खोजे यहोवा के विश्रामदिन को मानते और जिस बात से वह प्रसन्न रहता है उसी को अपनाते और उसकी वाचा का पालन करते हैं," उनके विषय यहोवा क्या कहता है?

यहोवा अपने भवन और अपनी शहरपनाह के भीतर उनको ऐसा नाम देगा जो पुत्र-पुत्रियों से कहीं उत्तम होगा और वह

उनका नाम सदा बनाए रखेगा और वह कभी न मिटाया जाएगा।

यशायाह 56:6–7

परदेशी जो यहोवा के साथ इस इच्छा से मिले हुए हैं कि उसकी सेवा टहल करें और उसके के नाम से प्रीति रखें और उसके दास हो जाएँ, जितने विश्रामदिन को अपवित्र करने से बचे रहते और यहोवा की वाचा को पालते हैं, यहोवा उन परदेशी के साथ क्या करेगा?

यहोवा उन्हें अपने पवित्र पर्वत पर ले आकर अपने प्रार्थना के भवन में आनन्दित करेगा; उनके होमबलि और मेलबलि उसकी वेदी पर ग्रहण किए जाएँगे।

यशायाह 56:10

कौन सब के सब गूँगे कुत्ते हैं?

उसके पहरुए गूँगे कुत्ते हैं।

यशायाह 56:11

उसके पहरूए और चरवाहे क्या किए?

उन सभी ने अपने-अपने लाभ के लिये अपना-अपना मार्ग लिया है।

यशायाह 57:1–2

जब धर्मी जन नाश होता है, तो कोई इस बात की चिन्ता क्यों नहीं करता या कोई क्यों नहीं सोचता?

कोई इस बात की चिन्ता इसलिए नहीं करता और न इसे सोचता है क्योकि धर्मी जान शान्ति को पहुँचता है।

यशायाह 57:3–4

कौन किस पर हँसी करते हैं और किस पर मुँह खोलकर जीभ निकालते हैं?

ये सब जादूगरनी के पुत्र, व्यभिचारी और व्यभिचारिणी की सन्तान करते हैं।

यशायाह 57:5

इन पाखण्डी और झूठे के वंश ने और क्या किया?

वे सब हरे वृक्षों के तले देवताओं के कारण कामातुर होते और नालों में और चट्टानों ही दरारों के बीच बाल-बच्चों को वध करते हैं।

यशायाह 57:6

उनका भाग और अंश क्या ठहरे?

नालों के चिकने पत्थर ही उनका भाग और अंश ठहरे।

यशायाह 57:8

इन पाखण्डी और झूठे के वंश ने यहोवा के प्रति क्या किया?

उन्होंने यहोवा को छोड़कर औरों को अपने आपको दिखाने के लिये चढ़ी।

यशायाह 57:13

जब ये पाखण्डी और झूठे लोग दुहाई देंगे, तो यहोवा उन्हें क्या उत्तर देंगे?

यहोवा उन्हें कहेगा कि जिन मूर्तियों को उन्होंने जमा किया है वे ही उन्हें छुड़ाएँ।

यशायाह 57:13 (#2)

इन पाखण्डी और झूठे लोगों का क्या होगा?

वे तो सब के सब वायु से वरन् एक ही फूँक से उड़ जाएँगे।

यशायाह 57:13 (#3)

जो यहोवा में शरण लेगा वह क्या होगा?

वह देश का अधिकारी होगा, और यहोवा के पवित्र पर्वत का भी अधिकारी होगा।

यशायाह 57:15

ऊँचे पर और पवित्रस्थान में यहोवा के साथ कौन निवास करेगा?

जो खेदित और नम्र हैं उनके साथ यहोवा ऊँचे पर और पवित्रस्थान में निवास करता है।

यशायाह 57:16

यहोवा क्यों सदा मुकद्दमा न लड़ता रहेगा, न सर्वदा क्रोधित रहेगा?

क्योंकि आत्मा यहोवा के बनाए हुए हैं और जीव उसके सामने मूर्छित हो जाते हैं।

यशायाह 57:17

यहोवा उससे क्रोधित क्यों था?

यहोवा उसके लोभ के पाप के कारण उससे क्रोधित था।

यशायाह 57:18–19

यहोवा उसकी चाल देखता आया तो अब वह उसके लिए क्या करेगा?

यहोवा ने कहा वह उसको चंगा करेगा।

यशायाह 57:21

किसके लिए शांति नहीं है?

दुष्टों के लिये शान्ति नहीं है।

यशायाह 58:1

यहोवा ने याकूब के घराने को क्या जताने की आज्ञा दी?

उसने याकूब के घराने को उसका अपराध अर्थात् याकूब के घराने को उसका पाप जताने की आज्ञा दी।

यशायाह 58:2

याकूब के घराने ने यहोवा की गति को जानने की इच्छा कैसे रखते हैं?

वे यहोवा की गति को जानने की इच्छा ऐसी रखते हैं मानो वे धर्मी लोग हैं जिन्होंने अपने परमेश्वर के नियमों को नहीं टाला; वे यहोवा से धर्म के नियम पूछते और परमेश्वर के निकट आने से प्रसन्न होते हैं।

यशायाह 58:3

याकूब के घराने कहते हैं हमने तो उपवास रखा, परन्तु यहोवा ने क्या नहीं किया?

याकूब के घराने कहते हैं हमने तो उपवास रखा, परन्तु यहोवा ने इसकी सुधि नहीं ली और कुछ ध्यान नहीं दिया।

यशायाह 58:3 (#2)

यहोवा ने याकूब के घराने को उनके उपवास के दिन के विषय में क्या सुनाया?

यहोवा ने कहा कि उपवास के दिन याकूब के घराना अपनी ही इच्छा पूरी करता है और अपने सेवकों से कठिन कामों को करवाता है।

यशायाह 58:4

यहोवा ने याकूब के घराने को उनके उपवास के फल के विषय में क्या सुनाया?

यहोवा ने कहा कि जैसा उपवास वे आजकल रखते हैं, उससे उनकी प्रार्थना ऊपर नहीं सुनाई देगी।

यशायाह 58:6–7

यहोवा किस प्रकार के उपवास से प्रसन्न होता है?

जिस उपवास से यहोवा प्रसन्न होता है वह यह है, अन्याय से बनाए हुए दासों, और अंधेर सहनेवालों का जूआ तोड़कर उनको छुड़ा लेना, और, सब जूओं को टुकड़े-टुकड़े कर देना। अपनी रोटी भूखों को बाँट देना, अनाथ और मारे-मारे फिरते हुओं को अपने घर ले आना, किसी को नंगा देखकर वस्त्र पहनाना, और अपने जातिभाइयों से अपने को न छिपाना है।

यशायाह 58:9–10

यदि याकूब का घराना अन्याय से बनाए हुए दासों, और अंधेर सहनेवालों का जूआ तोड़कर उनको छुड़ा लेगा और सब जूओं को टुकड़े-टुकड़े कर देगा और अपनी रोटी भूखों को बाँट देगा, अनाथ और मारे-मारे फिरते हुओं को अपने घर ले आएगा, किसी को नंगा देखकर वस्त्र पहनाएगा, और अपने जातिभाइयों से अपने को न छिपाएगा, तब यहोवा क्या करेगा?

तब अंधियारे में उसका प्रकाश चमकेगा, और उसका घोर अंधकार दोपहर का सा उजियाला हो जाएगा।

यशायाह 59:1

क्या यहोवा उद्धार नहीं कर सकता है? क्या वह सुन नहीं सकता?

यहोवा का हाथ ऐसा छोटा नहीं हो गया कि उद्धार न कर सके, न वह ऐसा बहरा हो गया है कि सुन न सके।

यशायाह 59:2

किन कामों के कारण याकूब का घराना परमेश्वर से अलग कर दिया गया है और वह उनकी क्यों नहीं सुनता?

उनके अधर्म के कामों ने उनको अपने परमेश्वर से अलग कर दिया है, और उनके पापों के कारण यहोवा का मुँह उनसे ऐसा छिपा है कि वह नहीं सुनता।

यशायाह 59:3–4

याकूब के घराने के कौन से अधर्म के कामों और पापों ने उनको उनके परमेश्वर से अलग कर दिया है?

कुछ पाप जिन्होंने उन्हें यहोवा से अलग कर दिया: उन्होंने अपने हाथों को हत्या से और अपनी अंगुलियों को अधर्म के कर्मों से अपवित्र कर लिया। उन्होंने अपने मुँह से झूठ और अपनी जीभ से कुटिल बातें निकालीं। वे मिथ्या पर भरोसा रखते और झूठी बातें बकते हैं; वे उत्पात का गर्भ धारण करते हैं और अनर्थ को जन्म देते हैं।

यशायाह 59:8

जो कोई टेढ़े पथ पर चलता है, उसके साथ क्या होगा?

जो टेढ़े पथ पर चलता है, वह शान्ति न पाएगा।

यशायाह 59:15

उसके साथ क्या होता है, जो बुराई से भागता है?

जो बुराई से भागता है वह शिकार हो जाता है।

यशायाह 59:15 (#2)

यहोवा ने बुरा क्यों माना?

जब यहोवा ने देखा कि न्याय जाता रहा तब उसने बुरा माना।

यशायाह 59:16

जब यहोवा ने देखा कि कोई भी पुरुष नहीं, और इससे अचम्भा किया कि कोई विनती करनेवाला नहीं, तब उसने क्या किया?

तब उसने अपने ही भुजबल से उद्धार किया, और अपने धर्मी होने के कारण वह सम्भल गया।

यशायाह 59:17–18

फिर यहोवा ने क्या किया?

यहोवा ने धार्मिकता को झिलम के समान पहना, सिर पर उद्धार का टोप रखा, बदला लेने का वस्त्र धारण किया और जलजलाहट को बागे के समान ओढ़ लिया। फिर उनके कर्मों के अनुसार उन्हें फल दिया, अपने द्रोहियों पर क्रोध भड़काया, अपने शत्रुओं को उनकी कमाई दी, और द्वीपवासियों को भी उनके कर्मों का प्रतिफल दिया।

यशायाह 59:19

यहोवा द्वारा उनके किये का बदला चुकाने पर क्या परिणाम होगा?

तब पश्चिम की ओर लोग यहोवा के नाम का, और पूर्व की ओर उसकी महिमा का भय मानेंगे।

यशायाह 59:20

एक छुड़ानेवाला किनके लिए आएगा?

याकूब में जो अपराध से मन फिराते हैं उनके लिये सिय्योन में एक छुड़ानेवाला आएगा।

यशायाह 59:21

जो वाचा यहोवा ने उनसे बाँधी है वह क्या है?

जो वाचा यहोवा ने उनसे बाँधी है वह यह है, "यहोवा की आत्मा तुझ पर ठहरा है, और अपने वचन जो मैंने तेरे मुँह में डाले हैं अब से लेकर सर्वदा तक वे तेरे मुँह से, और तेरे पुत्रों और पोतों के मुँह से भी कभी न हटेंगे।"

यशायाह 60:2

पृथ्वी पर तो अंधियारा छाया हुआ है; परन्तु यहोवा इस्राएल के लिए क्या करेगा?

यहोवा उनके ऊपर यहोवा उदय होगा, और उसका तेज उस पर प्रगट होगा।

यशायाह 60:3

कौन इस्राएल के पास प्रकाश के लिये आएँगे?

जाति-जाति इस्राएल के पास प्रकाश के लिये और राजा इस्राएल के आरोहण के प्रताप की ओर आएँगे।

यशायाह 60:5

इस्राएल क्यों इसे देखेगी और उसका मुख चमकेगा, और उसका हृदय क्यों थरथराएगा और आनन्द से भर जाएगा?

यह इसलिए होगा क्योंकि समुद्र का सारा धन और जाति-जाति की धन-सम्पत्ति उसको मिलेगी।

यशायाह 60:9

इस्राएल के पुत्रों को दूर से किसने पहुँचाया है?

तर्शीश के जहाज ने इस्राएल के पुत्रों को दूर पहुँचाया है।

यशायाह 60:10

शहरपनाह को कौन उठाएँगे, और कौन उनकी सेवा टहल करेंगे?

परदेशी लोग उसकी शहरपनाह को उठाएँगे, और उनके राजा उसकी सेवा टहल करेंगे।

यशायाह 60:11

फाटक सदैव खुले क्यों रहेंगे?

वे खुले रहेंगे ताकि जाति-जाति की धन-सम्पत्ति और उनके राजा बन्दी होकर उसके पास पहुँचाए जाएँ।

यशायाह 60:12

जो जाति और राज्य के लोग उसकी सेवा न करें वे क्या हो जाएँगे?

जो जाति और राज्य के लोग उसकी सेवा न करें वे नष्ट हो जाएँगे।

यशायाह 60:15

जो त्यागी गई और घृणित ठहरी उसके साथ यहोवा क्या करेगा?

वह उसे सदा के घमण्ड का और पीढ़ी-पीढ़ी के हर्ष का कारण ठहराएगा।

यशायाह 60:18

सिय्योन के देश में फिर कभी क्या न सुनाई पड़ेगी?

उसके देश में फिर कभी उपद्रव और उसकी सीमाओं के भीतर उत्पात या अंधेर की चर्चा न सुनाई पड़ेगी।

यशायाह 60:19–20

देश का उजियाला कौन ठहरेगा?

यहोवा उसके लिये सदा का उजियाला ठहरेगा।

यशायाह 60:21

यहोवा के लोग कब तक देश के अधिकारी रहेंगे?

वे सर्वदा देश के अधिकारी रहेंगे।

यशायाह 60:22

यहोवा यह सब कुछ कब पूरा करेगा?

यहोवा ठीक समय पर यह सब कुछ शीघ्रता से पूरा करेगा।

यशायाह 61:1

प्रभु यहोवा का आत्मा उस पर क्यों है?

प्रभु यहोवा का आत्मा उस पर इसलिए है क्योंकि यहोवा ने उसका अभिषेक किया है।

यशायाह 61:1 (#2)

यहोवा ने उसे क्यों अभिषेक किया है?

यहोवा ने उसे सुसमाचार सुनाने के लिये अभिषेक किया है और खेदित मन के लोगों को शान्ति देने के लिये भेजा है।

यशायाह 61:1 (#3)

यहोवा ने उसे कौन सी पहले तीन चीजें करने के लिए भेजा है?

यहोवा ने उसे इसलिए भेजा है कि वह खेदित मन के लोगों को शान्ति दे; बन्दियों को स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारे का प्रचार करे।

यशायाह 61:5

परदेशी सिय्योन में क्या करेंगे?

परदेशी आ खड़े होंगे और सिय्योन की भेड़-बकरियों को चराएँगे और विदेशी लोग उनके हल चलानेवाले और दाख की बारी के माली होंगे।

यशायाह 61:6

सिय्योन में निवास करने वाले क्या कहलाएँगे?

वे यहोवा के याजक कहलाएँगे, परमेश्वर के सेवक भी।

यशायाह 61:8

यहोवा किन चीज़ों से प्रीति रखता है और किन चीज़ों से घृणा करता है?

यहोवा न्याय से प्रीति रखता है, और वह अन्याय और डकैती से घृणा करता है।

यशायाह 61:10

यहोवा ने उनके लिए क्या किया है?

यहोवा ने उन्हें उद्धार के वस्त्र और धार्मिकता की चद्दर ओढ़ा दी है।

यशायाह 61:11

प्रभु यहोवा सभी जातियों के सामने क्या बढ़ाएगे?

प्रभु यहोवा सब जातियों के सामने धार्मिकता और धन्यवाद को बढ़ाएगे।

यशायाह 62:1

सिय्योन की धार्मिकता और उद्धार किसके सामान दिखाई देगी?

उसकी धार्मिकता प्रकाश के समान और उसका उद्धार जलती हुई मशाल के समान दिखाई देगी।

यशायाह 62:4

सिय्योन और उसकी भूमि अब क्या न कहलाएगी?

सिय्योन अब फिर "त्यागी हुई" न कहलाएगी, और उसकी भूमि फिर "उजड़ी हुई" न कहलाएगी।

यशायाह 62:4 (#2)

सिय्योन क्यों "यहोवा तुझ से प्रसन्न है" और सिय्योन की भूमि क्यों "सुहागिन" होगी?

क्योंकि वह हेप्सीबा और उसकी भूमि ब्यूला कहलाएगी इसलिए "यहोवा तुझ से प्रसन्न है", और उसकी भूमि "सुहागिन" होगी।

यशायाह 62:6–7

यरूशलेम की शहरपनाह पर पहरुए क्यों बैठाए गए हैं?

वे वहाँ यहोवा को स्मरण करने के लिए हैं, और जब तक वह यरूशलेम को स्थिर करके उसकी प्रशंसा पृथ्वी पर न फैला दे, तब तक उसे भी चैन न लेने देने के लिए हैं।

यशायाह 62:8

यहोवा ने अपने दाहिने हाथ की और अपनी बलवन्त भुजा की क्या शपथ खाई है?

उसने शपथ खाई है: निश्चय वह भविष्य में उसका अन्न अब फिर उसके शत्रुओं को खाने के लिये न देगा, और परदेशियों के पुत्र उसका नया दाखमधु जिसके लिये उसने परिश्रम किया है, नहीं पीने पाएँगे।

यशायाह 62:11

यहोवा ने पृथ्वी की छोर तक किस आज्ञा का प्रचार किया है?

यहोवा ने पृथ्वी की छोर तक इस आज्ञा का प्रचार किया है: सिय्योन की बेटी से कहो, "देख, तेरा उद्धारकर्ता आता है, देख, जो मजदूरी उसको देनी है वह उसके पास है और उसका काम उसके सामने है।"

यशायाह 63:1

एदोम से चला आने वाला व्यक्ति क्या पहने हुए है और वह केसे चला आता है?

वह लाल वस्त्र पहने हुए चला आता है, और अति बलवान और भड़कीला पहरावा पहने हुए झूमता चला आता है।

यशायाह 63:1 (#2)

एदोम से चला आने वाला इतनी भड़कीला पहरावा पहने हुए क्यों झूमता चला आता है?

वह अति बलवान है इस कारण वह भड़कीला पहरावा पहने हुए झूमता चला आता है।

यशायाह 63:1 (#3)

एदोम से चला आने वाला अपने बारे में क्या कहता है?

वह कहता है कि "यह मैं ही हूँ, जो धार्मिकता से बोलता और पूरा उद्धार करने की शक्ति रखता हूँ।"

यशायाह 63:4

एदोम से चला आने वाला के लिये क्या आ पहुँचा है?

बदला लेने का दिन और उसकी छुड़ाई हुई प्रजा का वर्ष आ पहुँचा है।

यशायाह 63:5

जब उसने खोजा, तो क्या कोई सहायक दिखाई पड़ा?

नहीं, जब उसने देखा, तो कोई सहायक दिखाई नहीं पड़ा।

यशायाह 63:6

एदोम के इस व्यक्ति ने लोगों के साथ क्या किया?

उसने अपने क्रोध में आकर देश-देश के लोगों को लताड़ा और अपनी जलजलाहट से उसने उन्हें मतवाला कर दिया, और उनके लहू को भूमि पर बहा दिया।

यशायाह 63:7

यहोवा ने इस्राएल के घराने पर भलाई क्यों और कैसे की है?

यहोवा ने अपनी दया और अत्यन्त करुणा के कारण इस्राएल के घराने पर भलाई की है।

यशायाह 63:9

प्राचीनकाल में इस्राएल के संकट में यहोवा ने क्या किया?

प्राचीनकाल में उनके सारे संकट में यहोवा ने भी कष्ट उठाया।

यशायाह 63:9 (#2)

प्राचीनकाल में, किसने उनका उद्धार किया?

प्राचीनकाल में उसके सम्मुख रहनेवाले दूत ने उनका उद्धार किया।

यशायाह 63:10

वह पलटकर उनका शत्रु क्यों हो गया?

उन्होंने बलवा किया और उसके पवित्र आत्मा को खेदित किया; इस कारण वह पलटकर उनका शत्रु हो गया।

यशायाह 63:16

प्राचीनकाल से यहोवा का नाम क्या है?

प्राचीनसमय से उसका नाम "हमारा पिता और हमारा छुड़ानेवाला" है।

यशायाह 63:17

इस्राएल के घराने ने यहोवा से क्या प्रश्न किया?

उनका प्रश्न था, "यहोवा, तू क्यों हमको अपने मार्गों से भटका देता, और हमारे मन ऐसे कठोर करता है कि हम तेरा भय नहीं मानते?"

यशायाह 64:2

जब यहोवा ने अपने शत्रुओं पर अपना नाम ऐसा प्रगट किया तो क्या हुआ?

जाति-जाति के लोग उसके प्रताप से काँप उठें।

यशायाह 64:4

क्या प्राचीनकाल ही से यहोवा के छोड़ कोई और ऐसा परमेश्वर कभी देखा गया और क्या कान से उसकी चर्चा सुनी गई जो अपनी बाट जोहनेवालों के लिये काम करे?

नहीं, प्राचीनकाल ही से यहोवा के छोड़ कोई और ऐसा परमेश्वर न तो कभी देखा गया और न कान से उसकी चर्चा सुनी गई जो अपनी बाट जोहनेवालों के लिये काम करे।

यशायाह 64:6

इस्राएल के सब धार्मिकता के काम किसके सामान हैं?

वे सब के सब मैले चिथड़ों के समान हैं।

यशायाह 64:7

क्यों कोई भी यहोवा से प्रार्थना नहीं करता, न कोई उस से सहायता लेने के लिये चौकसी करता है कि उस से लिपटा रहे?

ऐसा इसलिए था, क्योंकि उनके अधर्म के कामों के कारण यहोवा ने उन से अपना मुँह छिपा लिया था और उन्हें उनकी बुराइयों के वश में छोड़ दिया था।

यशायाह 64:8

यहोवा और इस्राएल के लोगों की तुलना किससे की गई है?

यहोवा की तुलना एक कुम्हार से की गई है और इस्राएल के लोगों की तुलना मिट्टी से की गई है।

यशायाह 64:10

यहोवा के पवित्र नगर क्या हो गए है?

यहोवा के पवित्र नगर जंगल, सिय्योन सुनसान और यरूशलेम उजड़ गया है।

यशायाह 64:12

लेखक के यहोवा से कौन से दो प्रश्न हैं?

दो प्रश्न यह है , "हे यहोवा, क्या इन बातों के होते हुए भी तू अपने को रोके रहेगा? क्या तू हम लोगों को इस अत्यन्त दुर्दशा में रहने देगा?"

यशायाह 65:1

जो यहोवा को पूछते भी न थे वे क्या हैं और जो उसे ढूँढ़ते भी न थे उन्होंने क्या पा लिया?

जो यहोवा को पूछते भी न थे वे यहोवा के खोजी हैं और जो उसे ढूँढ़ते भी न थे उन्होंने उसे पा लिया।

यशायाह 65:2

हठीली जाति के लोग किन मार्गों में चलते हैं?

वे अपनी युक्तियों के अनुसार बुरे मार्गों में चलते हैं।

यशायाह 65:3–4

ये लोग लगातार यहोवा को कैसे क्रोध दिलाते हैं?

ये लोग लगातार यहोवा को ऐसे क्रोध दिलाते हैं, वे बारियों में बलि चढ़ा-चढ़ाकर और ईंटों पर धूप जला-जलाकर, उसे लगातार क्रोध दिलाते हैं। ये कब्र के बीच बैठते और छिपे हुए स्थानों में रात बिताते हैं और सूअर का माँस खाते, और घृणित वस्तुओं का रस अपने बर्तनों में रखते हैं।

यशायाह 65:6–7

यहोवा ने इन हठीले लोगों के लिए क्या किया है और क्या करेगा?

वह उन्हें निश्चय बदला देगा वरन् उसके और उसके पुरखाओं के भी अधर्म के कामों का बदला उसकी गोद में भर देगा।

यशायाह 65:9

यहोवा के चुने हुए कौन होंगे?

यहोवा के चुने हुए उसके वारिस होंगे।

यशायाह 65:12

जब यहोवा ने उन्हें बुलाया तब उन्होंने उत्तर न दिया, जब यहोवा बोला, तब उन्होंने उसकी न सुनी, इस पर यहोवा क्या करेगा?

वह उन्हें गिन-गिनकर तलवार का कौर बनाएगा और वे सब घात होने के लिये झुकेंगे।

यशायाह 65:13–14

यहोवा के दास क्या करेंगे?

वे खाएँगे, पीएँगे, आनन्द करेंगे और हर्ष के मारे जयजयकार करेंगे।

यशायाह 65:17

यहोवा क्या उत्पन्न करता है?

यहोवा नया आकाश और नई पृथ्वी उत्पन्न करता है।

यशायाह 65:18

जब यहोवा नया आकाश और नई पृथ्वी उत्पन्न करें तब उसके दास क्या हो?

जब यहोवा नया आकाश और नई पृथ्वी उत्पन्न करें तब उसका दास हर्षित हो और सदा सर्वदा मगन रहें।

यशायाह 65:21

नए यरूशलेम में लोग क्या करेंगे?

वे घर बनाकर उनमें बसेंगे और वे दाख की बारियाँ लगाकर उनका फल खाएँगे।

यशायाह 65:22

यहोवा की प्रजा की आयु कैसी होगी?

यहोवा की प्रजा की आयु वृक्षों की सी होगी।

यशायाह 65:24

यहोवा कब उनके पुकारने और उनके माँगने का उत्तर देंगे?

वह उनके पुकारने से पहले ही वह उनको उत्तर देगा, और उनके माँगते ही वह उनकी सुन लेगा।

यशायाह 65:25

यहोवा के पवित्र पर्वत पर भेड़िया और मेम्ना क्या करेंगे सिहं क्या खाएगा और सर्प का आहार क्या रहेगा?

भेड़िया और मेम्ना एक संग चरा करेंगे, और सिंह बैल के समान भूसा खाएगा; और सर्प का आहार मिट्टी ही रहेगा।

यशायाह 66:2

आकाश और पृथ्वी किसकी बनाई हुई हैं?

ये सब वस्तुएँ यहोवा ही के हाथ की बनाई हुई हैं।

यशायाह 66:2 (#2)

यहोवा किसकी ओर दृष्टि करेगा?

यहोवा उसी की ओर दृष्टि करेगा जो दीन और खेदित मन का है, और जो उसके वचन से थरथराता है।

यशायाह 66:3

यशायाह मनुष्य के पाखण्ड को दिखाने के लिए कौन से उदाहरण प्रस्तुत करता है?

यहोवा कहता है कि बैल का बलि करनेवाला मनुष्य के मार डालनेवाले के समान है; जो भेड़ का चढ़ानेवाला है वह उसके समान है जो कुत्ते का गला काटता है; जो अन्नबलि चढ़ाता है वह मानो सूअर का लहू चढ़ानेवाले के समान है; और जो लोबान जलाता है, वह उसके समान है जो मूरत को धन्य कहता है।

यशायाह 66:5

जो यहोवा का वचन सुनकर थरथराते हैं उनके भाई उनके साथ क्या करते हैं?

उनके भाई उन से बैर रखते और यहोवा के नाम के निमित्त उनको अलग कर देते हैं।

यशायाह 66:6

नगर और मंदिर से क्या सुनाई देता है?

नगर से कोलाहल की धूम और मन्दिर से एक शब्द, सुनाई देता है। वह यहोवा का शब्द है, वह अपने शत्रुओं को उनकी करनी का फल दे रहा है।

यशायाह 66:10–11

यरूशलेम से सब प्रेम रखनेवालों, क्यों उसके साथ आनन्द करो और उसके कारण मगन हो?

यरूशलेम से सब प्रेम रखनेवालों को इसलिए उसके साथ आनन्द करना और उसके कारण मगन होना है, जिससे वे उसके शान्तिरूपी स्तन से दूध पी पीकर तृप्त हो; और दूध पीकर उसकी महिमा की बहुतायत से अत्यन्त सुखी हो।

यशायाह 66:12

यहोवा यरूशलेम की ओर क्या बहा देगा?

यहोवा यरूशलेम की ओर शान्ति को नदी के समान, और जाति-जाति के धन को नदी की बाढ़ के समान बहा देगा।

यशायाह 66:16

यहोवा सब प्राणियों का न्याय किससे करेगा?

यहोवा सब प्राणियों का न्याय आग से और अपनी तलवार से करेगा।

यशायाह 66:18–19

यहोवा सारी जातियों और भिन्न-भिन्न भाषा बोलनेवालों को इकट्ठा क्यों करेगा?

यहोवा सारी जातियों और भिन्न-भिन्न भाषा बोलनेवालों को इकट्ठा इसलिए करेगा ताकि वे आकर उनकी महिमा देखें, और उनके बचे हुओं को वह उन जातियों के पास भेजेगा जिन्होंने न तो उसका समाचार सुना है और न उसकी महिमा देखी है, और वे जाति-जाति में उसकी महिमा का वर्णन करेंगे।

यशायाह 66:20

यरूशलेम पर यहोवा की भेंट के लिये क्या चढ़ाए जायेंगा?

इस्राएल के भाइयों को जातियों से चढ़ा-चढ़ाकर यहोवा के पवित्र पर्वत यरूशलेम पर यहोवा की भेंट के लिये चढ़ाए जायेंगा।

यशायाह 66:23

लोग एक नये चाँद से दूसरे नये चाँद के दिन तक और एक विश्रामदिन से दूसरे विश्रामदिन तक क्या करेंगे?

एक नये चाँद से दूसरे नये चाँद के दिन तक और एक विश्रामदिन से दूसरे विश्रामदिन तक समस्त प्राणी यहोवा के सामने दण्डवत् करने को आया करेंगे।

यशायाह 66:24

उन लोगों के शवों का क्या होगा जिन्होंने यहोवा से बलवा किया है?

उनमें पड़े हुए कीड़े कभी न मरेंगे, उनकी आग कभी न बुझेगी, और सारे मनुष्यों को उनसे अत्यन्त घृणा होगी।